आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.39
सूर्यास्त 06.56

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 12:10 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

रविवार, 10 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 261, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू करेगी सरकार - 12

बंगाल में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज - 12

रूस के साथ सभी मोर्चो पर सहयोग जारी रखेगा भारत - 13

एशेज के लिए फिट होने के लिए रिहैब का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स- 14

रक्षाबंधन

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। यहां स्कूली बच्चों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। मोदी ने इस उत्सव की एक वीडियो क्लिप भी साझा की।

पाकिस्तान के 5 लड़ाकू व एक बड़ा विमान किया था ध्वस्त

बेंगलुरु, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर

- एयर चीफ मार्शल बोले- सतह से हवा में मार गिराने का यह सबसे बड़ा रिकॉर्ड
- एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी भारत के लिए गेम-चेंजर बना

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को कहा कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराने की पुष्टि की है। उन्होंने इसे भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बताया।

उन्होंने यहां एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण के दौरान कहा, हमें उस एडब्ल्यूसी हैंगर में कम से कम एक एडब्ल्यूसी तथा कुछ एफ-16 विमानों के होने का संकेत मिला है, जिनका वहां रखरखाव किया जा रहा है। हमारे पास कम से कम पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने की पुष्ट जानकारी है और एक बड़ा विमान है, जो या तो विमान हो सकता है या फिर एडब्ल्यूसी (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम), जिसे लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और उनकी कुछ मिसाइलें भी भारतीय क्षेत्र में गिरीं। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, इसलिए वहां के हवाई अड्डे और मुख्य भवन पर भी हमला किया गया, जहां योजनाएं बनती हैं, और इसका इस्तेमाल कभी-कभी सिविल टर्मिनल भवन के रूप में भी किया जाता था। जहां तक सुकूर एयरबेस का सवाल है, हमने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। सरगोधा के बारे में वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम अपनी वायुसेना में ऐसे ही दिनों का सपना देखते हुए बड़े हुए हैं। किसी दिन हमें मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यह मौका मिल गया। एयर चीफ मार्शल के अनुसार, एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई है। इस प्रणाली की रेंज ने पाकिस्तान के विमानों और यूएवी को भारतीय रक्षा प्रणाली से दूर रखा था।

सिंह ने कहा, सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है।

बालाकोट के भूत से निपटने में कामयाब रहे : वायुसेना प्रमुख

बेंगलुरु। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि बालाकोट हवाई हमले से हुए नुकसान की तस्वीरें उपलब्ध न होना एक बड़ा मुद्दा बन गया था और लोग इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हो पा रहे थे कि क्या हासिल हुआ, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बालाकोट के उस भूत का ख्याल रखा गया। उन्होंने कहा, जब हमने बालाकोट (हमला) किया, तो हमने कुछ (ऑपरेशन सिंदूर जैसा) ऐसा ही किया था। लेकिन इस बार हम भाग्यशाली रहे और ये वीडियो सार्वजनिक कर पाए।

आतंकियों से मुठभेड़ में दो जवान शहीद, 2 घायल

कुलगाम में रातभर चली मुठभेड़, नौ दिन से घाटी में ऑपरेशन जारी

- घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवादियों के साथ रातभर हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए और दो घायल हो गए। यह मुठभेड़ शनिवार को नौवें दिन भी जारी है और घाटी में सबसे लंबे आतंकवाद रोधी अभियानों में से एक है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुठभेड़ में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अभियान अब भी जारी है।

दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में एक जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद एक अगस्त को सुरक्षाबलों ने घेराबंदी व तलाश अभियान शुरू किया था। मुठभेड़ में अब तक दो आतंकवादी मारे जा चुके हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके समूह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। चिनार कोर ने शनिवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, चिनार कोर देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों, लांस नायक प्रीतपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। सेना ने कहा कि वह शोकसंतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़ी है। रातभर हुई गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हो गए, जिससे घायल सुरक्षाबलों के जवानों की संख्या नौ हो गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात और सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस व सैन्य अधिकारी चौबीसों घंटे अभियान पर कड़ी नजर रख रहे हैं। दोनों जवान पंजाब के अलग-अलग जिलों के हैं। इनमें एक फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का हरमिंदर सिंह और दूसरा खन्ना के समराला का लांस नायक प्रीतपाल सिंह है।

कुलगाम में सर्च ऑपरेशन के दौरान गश्त करते सेना के जवान। एजेंसी

प्रीतपाल सिंह

हरमिंदर सिंह

किश्तवाड़ में 26 आतंकवादियों के घरों की तलाशी ली

जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किश्तवाड़ जिले में आतंकी तंत्र के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए शनिवार को हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ जहांगीर सरूरी के घर समेत 26 घरों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि भट के अलावा जिन घरों की तलाशी ली गई उनमें अधिकतर पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय आतंकवादियों एवं सीमा पार से हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करने वाले आतंकवादियों के घर शामिल हैं। इससे एक दिन पहले इसी तरह की छापेमारी किश्तवाड़ के पड़ोसी जिले डोडा में 15 स्थानों पर की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि भट 1990 के दशक में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल हुआ था।

श्री बांके बिहारी मंदिर प्रबंधन के लिए अंतरिम कमेटी गठित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व हाईकोर्ट के जज अशोक कुमार को सौंपी जिम्मेदारी

श्री बांके बिहारी मंदिर न्यास अध्यादेश पर रोक लगाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के दिन-प्रतिदिन के कामकाज का प्रबंधन करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मंदिर न्यास अध्यादेश, 2025 को दी गई चुनौतियों पर विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि प्रभावित पक्ष हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

पीठ ने निर्देश दिया, इस स्तर पर हमने गौर किया है कि अध्यादेश को याचिकाकर्ताओं की चुनौती पर उचित निर्णय में निस्संदेह कुछ समय लगेगा। इसलिए, हम अध्यादेश के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर उस हद तक रोक लगाना उचित समझते हैं, जो राज्य को मंदिर के मामलों के प्रबंधन के लिए एक न्यास गठित करने की शक्तियां प्रदान करते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसलिए श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास का गठन तब तक स्थगित रखा जाए, जब तक कि उच्च न्यायालय इस अध्यादेश की वैधता से संबंधित सवालों का अंतिम रूप से समाधान नहीं कर देता।

हालांकि, पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम निर्देश राज्य को विस में अध्यादेश के अनुसमर्थन से नहीं रोकेगा, लेकिन ऐसा करना उस कार्यवाही के परिणाम के अधीन होगा जिसके लिए प्रभावित व्यक्तियों और याचिकाकर्ताओं को उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा गया है। शीर्ष अदालत ने शनिवार को अपलोड किए गए अपने विस्तृत आदेश में प्रतिष्ठित मंदिर के दिन-प्रतिदिन के मामलों को देखने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति का भी गठन किया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, स्वतंत्रता का मूल मंत्र व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

अंदर देखें ... ग्लैम वर्ल्ड

रेलवे का यात्रियों को तोहफा, रिटर्न टिकट लेने पर मिलेगी 20% की छूट

- 14 अगस्त से लागू होगी घोषणा 13-26 अक्टूबर व 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक बुकिंग में होगा फायदा

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने शनिवार को एक योजना की घोषणा की, जिसके तहत एक ही ट्रेन से 13-26 अक्टूबर के बीच यात्रा और 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक वापसी के लिए बुक किए गए टिकटों पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

यह छूट 14 अगस्त से बुक टिकटों पर लागू होगी। यह छूट राजधानी, शताब्दी, दुरंतो जैसी ट्रेन पर लागू नहीं होगी, जिसमें किराये में मांग के आधार बढ़ोतरी होती है। मंत्रालय ने कहा, इस योजना के तहत, यात्रियों के एक ही समूह के लिए जाने और आने दोनों यात्राओं के लिए बुकिंग कराने पर छूट लागू होगी। वापसी यात्रा का यात्री विवरण आगे की यात्रा के समान ही होगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने नए बचत खाते के लिए न्यूनतम राशि 5 गुना की

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने 1 अगस्त से नए बचत बैंक खातों के लिए न्यूनतम शेष राशि की अनिवार्यता पांच गुना बढ़ाकर 50 हजार कर दी है। बैंक के ग्राहकों के लिए 31 जुलाई, 2025 तक बचत बैंक खातों में न्यूनतम मासिक औसत शेष राशि (एमएबी) 10,000 रुपये थी। अब अर्ध-शहरी इलाकों में यह सीमा 25 हजार, ग्रामीण इलाकों में 10,000 रुपये कर दी गई है।

मुसीबत

पहाड़ों में भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर

यूपी में बाढ़ की स्थिति और बनी गंभीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तराखण्ड में बादल फटने की घटना के बाद से उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और गंभीर बनी हुई है। दरअसल, पहाड़ों में भूस्खलन, बादल फटने और उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर हैं। गंगा के अलावा सहयोगी नदियों में भी पानी लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के स्थानीय प्रशासन ने गंगा किनारे जाने पर रोक लगा दी है। वहीं, बाढ़ चौकियों पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की गई है। इस बीच पहाड़ों में भूस्खलन, बादल फटने और उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गंगा नदी उफान पर है। इससे उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। गंगा के अलावा सहयोगी नदियों में भी पानी लगातार खतरे के निशान से ऊपर हैं। बुलंदशहर के नरौरा बैराज पर गंगा का बहाव खतरे के निशान से ऊपर 2,81,676 क्यूसेक प्रति सेकंड दर्ज किया गया, जबकि खतरे का जलस्तर 179.14 मीटर है। संभल के गुन्नौर क्षेत्र, बबराला घाट, राजघाट और नरौरा गंगा बैराज पर बाढ़ का खतरा है।

बदायूं में गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ा

बदायूं में गंगा और रामगंगा का जलस्तर बढ़ने से तीन तहसीलों सदर, सहसवान और दातागंज के 36 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। उसहैत क्षेत्र के आठ और सहसवान के पांच गांवों में पानी घरों तक पहुंच गया है। वहीं, हजरतपुर-गढ़िया रंगीन मार्ग पर पानी बह रहा है। इधर, हरिद्वार और बिजनौर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण गंगा में जलस्तर खतरे के निशान से 27 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,10 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

आईटीआई में चौथे चरण में प्रवेश के लिए 11 से ऑनलाइन आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उप्र. ने सत्र 2025-26 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चतुर्थ चरण प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। तृतीय चरण की चयन सूची के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बचे हुए रिक्त सीटों पर यह प्रक्रिया संचालित की जाएगी। विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में चयन नहीं हुआ या चयन के बाद भी प्रवेश नहीं हो पाया, वे 11 से 15 अगस्त की मध्यरात्रि 12 बजे तक वेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मायावती व कांग्रेस ने रक्षा बंधन की दी बधाई

अमृत विचार, लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती समेत तमात नेताओं ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने रक्षाबंधन की बधाई देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भाई-बहन के पवित्र रिश्ते एवं प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन के त्योहार की देश के समस्त भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, रक्षाबंधन के पावन पर्व पर समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई ने 'एक्स' पर पोस्ट शुभकामनाएं दीं।

कैदी भागने में जेलर, डिप्टी जेलर सहित चार सस्पेंड

कानपुर जेल में सीसीटीवी में कैद हुई फरार कैदी की हरकत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: दोस्त की हत्या के आरोप में जेल में बंद कैदी असरुद्दीन शुक्रवार रात त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा ध्वस्त कर फरार हो गया। गिनती के दौरान कैदी के फरार होने की खबर पर जेल अधिकारियों में हड़कंप मचा। सर्च अभियान चलाकर सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो वह टिन शेड पर चढ़ते नजर आया। डीजी जेल पीसी मीणा ने जेलर मनीष कुमार, डिप्टी जेलर रंजीत यादव, हेडवार्डन नवीन मिश्रा और वार्डन दिलशाद खान को सस्पेंड कर दिया है।

डीजी जेल ने डीआईजी जेल प्रदीप गुप्ता को मामले की जांच पूरी कर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। पुलिस दस्तावेज के अनुसार जाजमऊ के ताड़ बगिया के असरुद्दीन ने आठ जनवरी 2024 को अपनी पत्नी के अफेयर के शक में करीबी दोस्त इस्माइल की हत्या की थी। छह दिन बाद 14 जनवरी को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी कर जेल भेजा था। मूलरूप से असम प्रदेश का रहने वाला असरुद्दीन तब से जेल में बंद था। शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे कैदियों की गिनती के बाद वह मिसिंग मिला। सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए तो वह टिन शेड पर चढ़ते नजर आया। इसके बाद कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। काफी तलाश के बाद जेल प्रशासन ने माना कि वह फरार हो गया है। पुलिस फोर्स जाजमऊ और असम में उसकी तलाश में गई है। जेल अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार रात दो बजे तक सर्च अभियान चला। जिला जेल के सभी सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। तभी मुलाहिजा बैरक के पास राशन गोदाम में बोरियों के पीछे छिपा असरुद्दीन निकलता दिखा। इसके बाद एक डिब्बे के सहारे टिन शेड पर चढ़ा। जांच में पता चला कि गोदाम की छत पर पहुंचने के बाद वह कुछ समय दीवार की आड़ में छिपा। इसके बाद जेलर ऑफिस की छत फांदकर बाहरी दीवार तक पहुंचा। उसके बाद दीवार के सहारे गंगा नदी की ओर कूदकर फरार हो गया।

कई दिन से रेकी में जुटा था असरुद्दीन

त्रिस्तीय सुरक्षा वाली जिला जेल से भागने के लिए हत्यारोपी असरुद्दीन कई दिन से रेकी कर रहा था। जेल सूत्रों के अनुसार बंदी रक्षकों का कहना है कि असरुद्दीन पांच-छह दिन से मुलाहिजा बैरक, मिलाई वाले स्थान और गोदाम के आसपास टहलता रहता था। अंदेशा जताया जा रहा है कि कई दिन पहले वह भागने की योजना बना चुका था, इसलिए टहलकर रेकी कर रहा था। फरार कैदी को दबोचने के लिए बस अड्डा, रेलवे स्टेशन के साथ ताड़ बगिया में तलाश चालू है। एक टीम को असम उसके पैतृक गांव भेजा गया है।

जेल से भागने वाला असरुद्दीन।

- टिनशेड पर चढ़ गंगा की तरफ से भागा असरुद्दीन
- डीआईजी जेल प्रदीप गुप्ता को मामले की जांच सौंपी
- एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा गया है

भाई-बहन का प्यार

रक्षाबंधन के पर्व पर भाई को राखी बांधती बहन। ● अमृत विचार

एक गाड़ी पांच सवारी : अब इसे मजबूरी कहें या आदत? रक्षाबंधन पर पांच सदस्यों का एक परिवार एक ही बाइक पर जाता नजर आया...हेलमेट भी नहीं। यह नजारा शनिवार को लखनऊ के हजरतगंज चौराहे से राजभवन मार्ग का है।

प्रदेश में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का त्योहार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के हाथों पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई दी है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा है कि स्नेह की पवित्र गांठ, विश्वास की मौन प्रतिज्ञा, भाई-बहन के अटूट प्रेम की जीवंत अभिव्यक्ति रक्षाबंधन की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई।

सोनभद्र से मिली जानकारी के अनुसार, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा अपनी बहन से राखी बंधवाने रॉबर्ट्सगंज के आमडीह गांव पहुंचे। हर वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने शनिवार सुबह बहन आभा राय से राखी बंधवाई। उनका यह दौरा पूरी तरह से व्यक्तिगत रहा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय और पार्टी के लोगों से दूरी बनाए रखी। राखी बंधवाने के बाद वह शनिवार की ही दोपहर वाराणसी के लिए रवाना हो गए। उधर, वाराणसी से आयी जानकारी के मुताबिक, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रक्षाबंधन पर इसरो के वैज्ञानिक दल ने पूजा-पाठ के साथ रुद्राभिषेक भी किया। इस दौरान उनके साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण भी मौजूद रहे। इसरो वैज्ञानिकों के इस दल ने चंद्रयान अभियान में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। दल में दिनेश कुमार सिंह (डायरेक्टर, ह्यूमन स्पेस सेंटर) पंकज किल्लेदार (डायरेक्टर, मास्टर कंट्रोल फेसिलिटी), आर नादागौड़ा (एसोसिएट डायरेक्टर यूआर राव सैटेलाइट सेंटर), के शाम्बाय्य (डिप्टी डायरेक्टर लिक्विड प्रोपल्जन सिस्टम सेंटर), गुरु मूर्ति डी आदि शामिल रहे।

राजभवन में स्कूली बालिकाओं को राखी बांधतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा प्रमुख ने सैफई में मनाया रक्षा बंधन का पर्व

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिका के टैरिफ प्रकरण का संज्ञान लेते हुए कहा है कि भारतीयों को मौका मिला है कि अपना उद्योग एवं कारोबार अपने हाथ में ले लें। जिस समय देश का उद्योग और कारोबार अपने आप बढ़ेगा तो अमेरिका या कोई अन्य देश धमकी नहीं दे सकेगा।

पत्रकारों से बात करते हुए शनिवार को अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को देश के उद्योगपतियों पर भरोसा नहीं रहा। अमेरिका धमकी दे रहा है, हमारे ऊपर प्रतिबंध लगा रहा है। चीन पड़ोसी देश है, उनसे सम्बन्ध खराब चल रहे हैं।

उसने हमारी जमीन और व्यापार दोनों छीने हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने 10 साल के शासन में किसानों, नौजवानों, कारोबारियों पर भरोसा किया होता तो आज तस्वीर कुछ और होती। इससे पहले अखिलेश यादव ने सैफई में बड़ी संख्या में आई तमाम बहनों की राखियां स्वीकार कर उन्हें बधाई दी।

संस्कृत के महत्व को याद करें : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर शनिवार को उन्होंने संस्कृत में अपना एक वीडियो संदेश जारी किया। शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उत्तर प्रदेश वासियों को संस्कृत सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं।

योगी के अनुसार, संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय संस्कृति का आधार है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन अति आवश्यक है। इस सप्ताह हम सभी संस्कृत के महत्व को याद करें।

पूर्व एडीजीसी की हत्या में उनके मुवक्किल को किया गिरफ्तार

झांसी, एजेंसी

अमृत विचार : जिले के तालपुरा इलाके में पूर्व अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का राजफाश करते हुए पुलिस ने उनके ही एक मुविक्कल (वादकारी) को गिरफतार कर लिया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी अपनी प्रेमिका के अपहरण एवं दुराचार संबंधी मामले पर अधिवक्ता द्वारा कथित लचर पैरवी किए जाने के कारण उनसे नाराज था और साथ ही उसे आशंका थी कि उसके मुकदमे पर ध्यान न दिए जाने से उसे सजा हो सकती है, इसलिए उसने हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक (शहर) ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया विगत पांच अगस्त की सुबह थाना नवाबाद के तालपुरा में रहने वाले भानु प्रकाश सरवरिया (62) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस संबंध में मृतक के दामाद ने हत्या का आरोप लगाते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसी मामले में सचिन जमानत पर चल रहा था और इसी मुकदमे की पैरवी के लिए सचिन ने अपने पड़ोसी वरिष्ठ अधिवक्ता भानु प्रकाश सरवरिया को तय कर रखा था।

आरोपी सचिन को आशंका थी कि उसके वकील भानु प्रकाश सही ढंग से उसके मुक़दमे की पैरवी नहीं कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में उसने आरोप लगाया कि अधिवक्ता की लापरवाही के चलते गत वर्ष जमानत पर होने के दौरान उसके खिलाफ वारंट भी निकल गया और उसे तीन महीने जेल में रहना पड़ा था।

रामलला के बांधी गई बहन शांता की राखी

संवाददाता, अयोध्या

रामलला और उनके भाईयों के लिए भेजी गईं शांता की राखियां। ● अमृत विचार

अमृत विचार : श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला एवं भाइयों को श्रृंगी ऋषि आश्रम में रहने वाली श्रीराम की भक्त बहन शांता की ओर से भेजी गई राखी मंत्रोच्चारण के बीच बांधी गयी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपतराय ने रामलला, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के हाथों में राखी बांधी। इस मनोहारी दृश्य निहारने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। रक्षाबंधन के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहा।

इसी के साथ श्रृंगी ऋषि आश्रम से शुरू हुई तीन दिवसीय श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव का विधि विधानपूर्वक समापन हुआ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला का झूलन महोत्सव भी आज भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। नागपंचमी से शुरू राममंदिर में झूलनोत्सव का आज समापन हो गया। इसी के रंगमहल सहित सभी मंदिरों में पड़ा झूला आज पूजन अर्चन के बाद उतर जायेगा और विग्रह स्वरूप प्रभु की प्रतिमा पूजन अर्चन के बाद अपने स्थान पर विराजमान होंगे।

श्रृंगी ऋषि आश्रम में बुधवार से श्रीरामलला रक्षाबंधन महोत्सव की परंपरागत तरीके से शुरुआत हुई। अनवरत तीन दिनों तक विविध धार्मिक आयोजन श्रृंगी ऋषि आश्रम शेरवाघाट अयोध्या में आयोजित हुए। प्रदेश की महिला कल्याण विभाग की मंत्री बेबी रानी मौर्य, उप्र राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में संत महंत धर्माचार्य सम्मिलित हुए। प्रभु श्रीराम के लिए केले के रेशे से बनी इन विशेष राखियों को पूजन अर्चन के बाद समारोहपूर्वक शोभायात्रा निकाल कर चंपतराय को सौंपा गया।

रक्षाबंधन पर आ रही बेटी को लेने गए पिता की दुर्घटना में मौत

संभल, अमृत विचार: रक्षाबंधन पर आ रही बेटी को लेने बस स्टैंड पर गए ग्रामीण को तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ग्रामीण की मौत हो गई।

ग्राम गेलुआ निवासी हर स्वरूप की पुत्री गुड्डी अपनी ससुराल काशीपुर से रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए अपने मायके गेलुआ गांव आ रही थी। 60 वर्षीय हरस्वरूप गेलुआ बस अड्डे पर बेटी को लेने गया था। वह सड़क पार कर रहा था तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने हरस्वरूप को जोरदार टक्कर मार दी। हरस्वरूप लहूलुहान होकर गिरा तो उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर एकत्र लोगों ने बाइक सवार को पकड़ लिया। हालांकि हादसे में बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हरस्वरूप की मौत से परिवार में मातम छा गया।

नरौरा में खतरे का निशान पार कर गई गंगा

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार : जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने से गंगा ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया है। राजघाट में गंगा हाई फ्लड लेवल तक पहुंच गई है तो नरोरा बैराज पर गंगा का जलस्तर डैंजर लेवल से पांच फुट से भी ऊपर तक जा पहुंचा है। इस बीच गंगावास के पास बांध में दरार से प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। जुनावई में कई गांव की आबादी तक गंगा का पानी पहुंच गया है। शुक्रवार आधी रात से गंगा में पानी बढ़ने की रफ्तार शुरू हुई। शनिवार सुबह आठ बजे स्ट्रीम से जल निकासी 2,81,676 क्यूसेक दर्ज की गई। इसके बाद जलस्तर तेजी से बढ़ना शुरू हुआ और दो घंटे में ही जल निकासी बढ़ते हुए 3,05,041 क्यूसेक प्रति सेकंड तक पहुंच गई। इस बीच, शनिवार को नरोरा से राजघाट के बीच गांव गंगावास के पास गंगा बांध में चौड़ी दरार पड़ने की खबर से प्रशासन के हाथ-पांव फूले।

सूचना मिलते ही एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा, तहसीलदार रविन्द्र विक्रम, सिंचाई विभाग के एसडीओ अंकित सिंह व थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान मौके पर जा पहुंचे। ग्रामीण मजदूरों की मदद से प्लास्टिक बैगों में मिट्टी भरकर दो घंटे में दरार पाट दी गई। एसडीएम ने सिंचाई, राजस्व और पुलिस विभाग की टीमों को बांध की सतत निगरानी और पेट्रोलिंग के निर्देश दिए हैं। सिंचाई विभाग के अभियंता अंकित सिंह ने बताया कि से ही जानवर द्वारा गहरे बिल बनाने से दरार जैसी स्थिति बनी। अलबत्ता, फिलहाल सब ठीक है।

गुन्नौर में गंगावास बांध देखने पहुंचीं एसडीएम वंदना मिश्रा।

साधुमढ़ी आश्रम में भरा पानी : गंगा का पानी निचले इलाके की ओर रूख कर चुका है। बांध के अंदर गांवों के बाहर तक पानी पहुंच गया है। जुनावई क्षेत्र के प्रसिद्ध साधुमढ़ी आश्रम में भी पानी भर गया है। प्रशासन ने चौकसी बढ़ा दी है। तहसीलदार रविन्द्र विक्रम ने बाढ़ संभावित गांवों का भ्रमण कर हालात का जायजा लिया। पानी से सड़क से राजघाट शांति उपवन को जाने वाली सड़क जलमग्न हो गई है। घाट पर शवदाह स्थल पर स्थान सीमित होने के कारण दाह संस्कार बारी-बारी से हो रहा है। उधर, गंगा के जलस्तर में तेज वृद्धि होने से रेल प्रशासन अलर्ट है। बरेली- अलीगढ़ रेल लाइन पर राजघाट गंगा पुल पर ट्रेनों का संचालन धीमी गति से किया जा रहा है।

विभाजन की त्रासदी को जानेंगे युवा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के सभी जिलों में होगा स्मृति दिवस का आयोजन
- विस्थापित परिवारों के सदस्यों को किया जाएगा आमंत्रित
- स्कूलों व कॉलेजों में फिल्मों व डॉक्यूमेंट्री का होगा प्रदर्शन

अमृत विचार : प्रदेश सरकार की ओर से इस वर्ष भी 14 अगस्त को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन होगा। प्रदेश के युवा एक तरफ जहां विभाजन की त्रासदी को जानेंगे, वहीं विस्थापित परिवार के लोग भी अपना दर्द बयां करेंगे। इस दौरान अनेक आयोजन भी होंगे। संस्कृति विभाग की देखरेख में होने वाले आयोजनों में अनेक सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में विभाजन विभीषिका के दौरान विस्थापित परिवारों के सदस्यों को आमंत्रित करने के साथ ही त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। सरकार ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इसमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी एकेडमी, सनातनी पंजाबी महासभा समेत अनेक सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। जिलों में प्रशासन द्वारा चयनित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई जाएगी। संस्कृति विभाग के निर्देशन में प्रदेश के सभी जनपदों में भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ीं फिल्में/डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी स्थलों के साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में भी दिखाई जाएंगी।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL
Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

SSVGI SHRI SIDDHI VINAYAK GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education
• Best Placement In the Region
• High-Tech Academic Infrastructure
• Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC | 4.5 LPA Average CTC | 92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's | 2000+ Placement Offers | 550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

न्यूज ब्रीफ

तिब्बत के प्रधानमंत्री सेरिंग पहुंचे नैनीताल

नैनीताल, अमृत विचार : तिब्बल के प्रधानमंत्री पेनपा सेरिंग ने शनिवार को नैनीताल में तिब्बती समुदाय के लोगों से मुलाकात की। भारी बारिश के बावजूद उन्होंने तिब्बती मार्केट में प्रत्येक दुकानदार से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने चीनी-तिब्बत मुद्दे और संघर्ष को अंतर्राष्ट्रीय समर्थन मिलने पर विस्तृत भाषण दिया। उन्होंने लोगों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

प्रमुख वन संरक्षक 25 को हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल, अमृत विचार : ऊधम सिंह नगर जिले के तीन गांव लगभग छह दशक से अधिक समय से अपनी माटी के लिए तरस रहे हैं और इस मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश के प्रमुख वन संरक्षक (पीसीसीएफ) को 25 अगस्त को तलब किया है। इस प्रकरण पर मुख्य न्यायाधीश जी नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ में शुक्रवार को सुनवाई हुई। ये तीन गांव हैं जसपुर तहसील के सिबिका, मिलक सिबिका और मनोरथपुर-तृतीय। इस मामले को पतरामपुर निवासी मुख्तार सिंह की ओर से चुनौती दी गई है।

घर में सोते समय युवक की हत्या

बिजनौर, अमृत विचार : मंडावली थाना क्षेत्र के श्यामीवाला गांव में गुरुवार रात 30 वर्षीय युवक की घर में सोते समय धारदार हथियार से हत्या कर दी गई।

जानकारी के अनुसार, अशोक कुमार पुत्र चंद्रपाल रात में अपने घर में सो रहा था, तभी अज्ञात हमलावर घर में घुस आए और धारदार हथियार से हमला कर दिया। मौके पर ही उाकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, एसपी सिटी संजीव वाजपेई पहुंचे। पिता की तहरीर पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त एक धारदार हथियार भी बरामद हुआ है। एसपी ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है।

धारक नगला विवेकानंद हाइवे पर यातायात शुरू

भोजपुर, अमृत विचार : शनिवार को रामगंगा ढेला नदी और दमदमा नदी का जलस्तर कम होने के बाद काशीपुर ठाकुरद्वारा दिशा से धारक नगला इस्लामनगर होकर महानगर जाने वाले वाहनों के लिए शनिवार को पुलिस ने रास्ता खोल दिया।

अयोध्या, काशी, छोटी काशी, नैमिषारण्य के बाद श्रावस्ती के प्राचीन मुंडा शिवाला का भी होगा जीर्णोद्धार

उत्तर प्रदेश की धार्मिक धरोहरों का वापस लौट रहा वैभव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 225 साल पुराना है श्रावस्ती के मुंडा शिवाला का इतिहास, नेपाल से दर्शन को भी आते हैं श्रद्धालु

अमृत विचार: राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और पुनरोद्धार के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ जिसे छोटी काशी के नाम से भी जाना जाता है, नैमिषारण्य जैसे सैकड़ों महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों के सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार के बाद अब श्रावस्ती के ऐतिहासिक मुंडा शिवाला को नया जीवन देने की तैयारी है।

इस प्राचीन शिवाला का 225 वर्षों का इतिहास है और यहां नेपाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप धार्मिक धरोहर के संरक्षण और जीर्णोद्धार पर लगातार काम किया जा रहा है। इसी के तहत अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, नैमिषारण्य और छोटी काशी में हो रहे कार्यों की तर्ज पर मुंडा शिवाला को भी पुनर्जीवित करने की पहल की गयी है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि श्रावस्ती के फखरपुर क्षेत्र के मोहल्ला बंजड़हा में स्थित मुंडा शिवाला का इतिहास करीब 225 वर्ष पुराना है। इसका निर्माण लगभग 1800 से 1820 के बीच स्थानीय ठाकुर परिवार द्वारा किया गया था।उन्होंने बताया कि, यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है, बल्कि स्थानीय सामाजिक जीवन और सांस्कृतिक परंपराओं से भी गहराई से जुड़ा रहा है। वर्षों से उपेक्षा और अतिक्रमण के कारण मंदिर परिसर की स्थिति जर्जर हो गई थी। ऐसे में लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से मुंडा शिवाला का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण कराने की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही मंदिर के बेहतर प्रबंधन, नियमित पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए एक ट्रस्ट का गठन भी किया जाएगा। यह ट्रस्ट मंदिर के रखरखाव, धार्मिक आयोजनों और सुरक्षा व्यवस्था का संचालन करेगा।

श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधा, ट्रस्ट का होगा गठन

डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि मंदिर के गर्भगृह, प्रांगण और चारों ओर की दीवारों की मरम्मत, रंग-रोगन, फर्श और टाइल्स का निर्माण किया जाएगा। मंदिर तक पहुंचने के लिए सीसी रोड और संपर्क मार्ग बनाए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल व्यवस्था, शौचालय, बैठने की जगह, प्रकाश और सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे। परिसर में पौधरोपण, वर्षा जल संचयन, डिजिटल सूचना बोर्ड और सीसीटीवी कैमरे भी स्थापित किए जाएंगे।

नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढेंगी

वहीं ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। इससे पुजारी की नियुक्ति, नियमित पूजा-अर्चना, प्रमुख त्योहारों और धार्मिक आयोजनों की योजना और स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। यह ट्रस्ट स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर मंदिर परिसर के संरक्षण और विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि मुंडा शिवाला के जीर्णोद्धार से श्रावस्ती में धार्मिक पर्यटन को नया आयाम मिलेगा। यह क्षेत्र पहले से ही बुद्धकालीन धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है और यहां आने वाले पर्यटकों के लिए यह एक नया आकर्षण केंद्र बनेगा। नेपाल से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी इससे बढ़ने की संभावना है।

आईडी हैक करने में बरेली के तीन साइबर ठग गिरफ्तार

साइबर ठगी का खुलासा करते एसएसपी एसटीएफ नवनीत।

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : आमजन को साइबर ठगी का शिकार बनाने वाले अब शिक्षा के मंदिर को भी निशाना बनाने लगे हैं।

ऐसे ही एक प्रकरण में एसटीएफ देहरादून ने बरेली के रहने तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने कई चौकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एसटीएफ एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि इसी वर्ष के जुलाई में दून इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन ने एक शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया था कि आधुनिक एप का इस्तेमाल कर उनके विद्यालय के ऑनलाइन प्लेटफार्म स्कूल पैड आईडी हैक कर ली गई। हैकर ने विद्यालय की तीन शाखाओं के अभिभावकों को भ्रामक संदेश भेजकर किसी दूसरे खाते में फीस के नाम पर भुगतान कराया। आशंका जताई कि साइबर ठगों ने करोड़ों की हेराफेरी की है।

धराली आपदा : घर और अपनों को खोने वाले को मिलेंगे 5-5 लाख

पुनर्वास व विकास के लिए तीन सदस्यीय समिति का भी किया गया गठन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

आपदा प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू अभियान के दौरान मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी के धराली गांव में आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों और पूर्ण क्षतिग्रस्त मकानों के निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपये की तत्काल सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसी के साथ ही धराली के पुनर्वास व विकास के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार हर आपदा प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है, पीड़ितों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। शासन स्तर पर राहत एवं पुनर्वास की कार्यवाही को त्वरित और प्रभावशाली रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि घोषणा की है कि धराली आपदा में जिन लोगों के मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उन्हें पुनर्वास/विस्थापन के लिए पांच लाख की तत्काल सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, आपदा में मारे गए लोगों के परिजनों को भी पांच लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी ताकि उन्हें इस कठिन समय में आर्थिक सहारा मिल सके।

धामी ने कहा कि आपदा प्रभावित ग्रामीणों के पुनर्वास, समग्र पुनरोद्धार एवं स्थायी आजीविका के सुदृढ़ीकरण के लिए एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

छह माह का राशन देगी सरकार

देहरादून, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धराली रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में बताते हुए कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित स्थानों में पहुंचाने की थी। खराब मौसम के बावजूद अब तक 1000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा चुका है। इसमें स्थानीय लोगों के साथ देश भर से आए तीर्थ यात्री भी शामिल हैं। प्रभावित परिवारों को अगले 6 महीने का राशन राज्य सरकार उपलब्ध करवाएगी। आपदा से जिन लोगों के मकान पूर्णत: क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उनके पुनर्वास/विस्थापन हेतु 5 .00 लाख की तत्काल सहायता राशि जारी की जाएगी।

ग्राहक को 1.93 लाख रुपये का पड़ा पिज्जा, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- रिफंड के लिए गूगल से निकाला कस्टमर केयर का नंबर
- जालसाज से स्क्रिन शेयर कर खाली कर दिया बैंक खाता

अमृत विचार : महज 49 रुपये की कीमत से शुरू होने वाला पिज्जा एक व्यक्ति को 1 लाख 93 हजार रुपये का पड़ गया। हुआ यूं कि एक व्यक्ति ने पिज्जा ऑर्डर किया और फिर ऑर्डर कैंसिल भी कर दिया। पिज्जा के लिए दी गई रकम वापसी के लिए उसने कस्टमर केयर को फोन किया और कॉल जालसाज को लग गई। उसने पीड़ित को झांसे में लिया और पलभर में खाते से 1.93 लाख रुपये साफ कर दिए। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देवलचौड़ बंदोबस्ती महाकालिका विहार कालोनी निवासी भगवान सिंह पुत्र बली सिंह ने पुलिस को बताया कि वह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मदान फार्मा में काम करते हैं, जहां तिकोनिया नवाबी रोड निवासी दिनेश चौहान पुत्र हरीश सिंह चौहान भी काम करता हैं। बीती 15 जुलाई को दिनेश ने ऑन लाइन पिज्जा आर्डर किया था, जिसे थोड़ी देर बाद कैंसिल कर दिया गया। रिफंड पाने के लिए दिनेश ने गूगल पर उस कंपनी का कस्टरमर केयर नम्बर खोजा, जिसके जरिये उसने पिज्जा ऑर्डर किया था। कस्टमर केयर के लिए जिस पर नंबर पर दिनेश ने फोन किया, वो साइबर क्रिमिनल को लग गया। खुद को कस्टरमर केयर अधिकारी बता कर जालसाज ने वीडियो कॉल कर स्क्रिन शेयर करने, फिर गूगल पे पर बैलेंस चेक करने को कहा। फिर बोला कि आपके गूगल पे पर दिक्कत आ रही है, आप किसी और की यूपीआई आईडी दो। दिनेश ने भगवान सिंह की यूपीआई आईडी दे दी। इसके बाद फिर मोबाइल की स्क्रीन शेयर हुई, फोन पे ओपन पर बैलेंस चेक करने को कहा गया और इसके बाद खाते से 7 बार मे 1,93,000 रुपये कट गए। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि मामले में तहरीर मिली थी।

गला घोंटकर भाई बहन की हत्या

कानपुर, अमृत विचार: हनुमंत बिहार के खाड़ेपुर में मूलरुप से मैनपुरी निवासी 25 वर्षीय काजल अपने 12 वर्षीय भाई देव के साथ अभिमन्यू के मकान एक माह से रह रही थी।

काजल जागरण पार्टी में काम कर घर का खर्च और भाई को पढ़ा रही थी। कई दिनों से फोन न उठने पर शनिवार देर रात मां गुड्डी घर पहुंची तो दरवाजा बंद मिला। मकान मालिक अभिमन्यू ने किसी तरह दरवाजा खोला तो देव जमीन पर पड़ा था । यह देख गुड्डी बदहवास हो गई और बेटी को तलाशने लगी। तभी दीवान पर अस्त-व्यस्त पड़े गद्दे और चद्दर देख उसने प्लाई हटाई तो औंधे मुंह पड़ी बेटी काजल का शव देख चीख पड़ी। रक्षाबंधन के त्योहार पर भाई-बहन की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी के संग फॉरेंसिक टीम पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस की माने तो घर में शराब की बोतले पड़ी थी और भाई-बहन के गले पर चोट के निशान मिले है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

कुकर्म छिपाने के डर से पड़ोसी ने की थी बरेली के बच्चे की हत्या

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- गला घोंट कर हत्या, सिर व हाथ धारदार हथियार से किए अलग
- लाश के टुकड़े-टुकड़े कर फेंकने की फिराक में था हत्यारोपी

अमृत विचार : काठगोदाम थानाक्षेत्र के गौलापार में हुए 10 वर्षीय किशोर की नृशंस हत्या कांड का पुलिस ने खुसाला तो कर दिया, लेकिन अधूरा। पुलिस ने किशोर की हत्या के आरोप में पड़ोसी निखिल जोशी को गिरफ्तार किया है, लेकिन उससे आलाकत्ल बरामद नहीं कर सकी। घटना को तंत्र-मंत्र के चक्कर में अंजाम नहीं दिया गया, बल्कि हत्यारोपी ने दुष्कर्म में नाकाम होने के बाद पहले किशोर का गला घोंटा और फिर धारदार हथियार से उसके पांच टुकड़े कर दिए। अब पुलिस को उस हथियार को तलाश कर रही है, जिससे शव के टुकड़े किए गए।

शनिवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने घटना का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बीते सोमवार (4 अगस्त) की दोपहर पश्चिमी खेड़ा गौलापार में रहने वाला 10 किशोर उस वक्त लापता हो गया, जब वह घर से कोल्ड ड्रिंक खरीदने निकला था। मामले में तुरंत गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की गई। बच्चे के गायब होने के कुछ घंटों के भीतर ही उसे पश्चिमी खेड़ा में रहने वाले निखिल जोशी पुत्र मोहन चंद्र जोशी के साथ सीसीटीवी में जाते देखा गया। निखिल बच्चे को लेकर अपने घर की ओर जा रहा था।

मंगलवार को पुलिस ने आरोपी के घर के पीछे से बिना हाथ और सिर के किशोर का धड़ बरामद किया, जिसे निखिल ने दफना दिया था। निखिल पहले दिन से ही पुलिस की हिरासत में था, लेकिन मुंह नहीं खोल रहा था। वह तंत्र-मंत्र का नाम लेकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। पुलिस को ऐसे में मनोचिकित्सक डॉ.युवराज पंत का सहारा लेना पड़ा। जैसे-जैसे तफ्तीश आगे बढ़ी, निखिल के खिलाफ सुबूत मिलते गए और निखिल टूटने लगा। शुक्रवार की रात करीब दो बजे निखिल, पुलिस को घटना स्थल पर लेकर पहुंचा। वह घर के पीछे गौशाला लेकर पहुंचा और वह स्थान दिखाया, जहां उसने सिर और हाथ को दफना रखा था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने सिर और हाथ बरामद कर लिया। निखिल ने पुलिस को बताया कि वह किशोर के साथ दुष्कर्म करना चाहता था और बहला-फुसला कर वह उसे अपने साथ घर ले गया था। उस वक्त घर पर कोई नहीं था। बड़ा भाई, भाई और पिता बाहर थे, जबकि मां खेत में काम कर रही थी। उसने किशोर से दुष्कर्म का प्रयास किया तो वह चीखने-चिल्लाने लगा। पकड़े जाने के डर से उसने किशोर का गला घोंट दिया। फिर शव के पांच टुकड़े किए और दो अलग-अलग स्थानों पर दफना दिया। हालांकि पुलिस निखिल के मुंह से यह अभी तक उगलवा नहीं सकी है कि उसने जिस हथियार से किशोर के टुकड़े किए, वह कहां है? एसएसपी ने बताया कि आरोपी पर हत्या के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सिर पर मारा तमंचा ढाबा मालिक हुआ लहूलुहान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर की राजापुर पुलिस चौकी से महज कुछ कदम की दूरी पर शुक्रवार रात रंगदारी न मिलने पर वीरू दा ढाबा के संचालक पर जानलेवा हमला कर नकदी और सोने की चेन लूट ली गई। खाने के रुपये भी नहीं दिए। तमंचे से उसका सिर फोड़ दिया। काउंटर में भी तोड़फोड़ की। आधा घंटे तक चले इस बवाल में चौकी पुलिस का मौके से गायब रहना सवाल खड़े कर रहा है।

राजापुर चौकी के पास वीरू दा ढाबा के संचालक वीरेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे आवास विकास कॉलोनी निवासी रोहित शर्मा, अर्पण शुक्ल और सुंदरपुरम निवासी देव जुनेजा उसके ढाबे के सामने किसी से रंगदारी मांग रहे थे। देव जुनेजा बजरंग दल के सीतापुर विभागाध्यक्ष हैं। ढाबा संचालक का आरोप है कि तीनों आरोपी कुछ देर बाद अपने तीन अज्ञात साथियों के साथ उसके ढाबे पर आए और खाना खाकर जाने लगे। उसने जब खाने के रुपये मांगे तो भुगतान करने से इनकार कर दिया।

सात मिनट तक चली बग्वाल, 183 घायल

संवाददाता,टनकपुर/देवीधुरा

देवीधुरा के मां बाराही धाम मैदान में बग्वाल खेलते योद्धा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : चम्पावत जिले के पाटी ब्लॉक स्थित शक्तिपीठ मां बाराही धाम देवीधुरा में रक्षाबंधन के दिन सात मिनट तक चली बग्वाल में बग्वाली वीरों सहित दर्शक दीर्घा में बैठे कुल 183 योद्धा घायल हो गए। एक लाख से भी अधिक दर्शकों ने बग्वाल देखी। केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा सहित कई गणमान्य लोग भी अद्भुत बग्वाल के साक्षी बने।

शुक्रवार को विराट पूजन के बाद देवीधुरा के दूबाचौड़ खोलीखाड मैदान में सबसे पहले सफेद पगड़ी मे वालिक खाम के योद्धा मैदान में पहुंचे। उसके बाद केसरी रंग के साफे के साथ 1:17 बजे गहरवाल खाम के योद्धा पहुंचे। 1:25 में गुलाबी साफे के साथ चम्याल खाम के योद्धा पहुंचे। सबसे आखिर में 1:50 बजे लमगड़िया खाम के योद्धाओं के पहुचने के साथ दोपहर 1:58 बजे से 2:05 बजे तक चली बग्वाल में फल और फूलों के अलावा पत्थर भी चले। बग्वाल समाप्त होने तक 183 योद्धा चोटिल हो गए थे। डाक्टरों की टीम ने घायलों का उपचार किया। इस कौतूहल को देखने के लिए एक लाख से भी अधिक लोग पहुंचे। दर्शक दीर्घा से सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा सहित दिल्ली पटपड़गंज विधायक नरेंद्र नेगी, भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, डीएम मनीष कुमार, एसपी अजय गणपति, एसपी पिथौरागढ़ रेखा यादव, नितेश डांगर सहित कई जनप्रतिनिधों व अधिकारियों ने भी बग्वाल देखी।

बग्वाल देखने आए श्रद्धालुओं ने मां बाराही मंदिर में पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगी। आदि गुफा स्थित मां के गर्भगृह के दर्शनों के लिए दिन भर लंबी कतार लगी रही। सुबह से ही मंदिर में भीड़ उमड़नी शुरू हो गई। मंदिर में शंख व घंटों की गूंज सुनाई देती रही। मां बाराही संस्कृत महाविद्यालय देवीधुरा के वेदपाठी छात्रों ने वेद पाठ किया।

बग्वाल में फलों के साथ चले ईंट-पत्थर

बग्वाल खेलने के लिए प्रशासन ने बड़ी संख्या में नाशपाती के फलों का भंडारण किया था । बाद में बग्वाल में ईट, पत्थर भी चले इस पाषाण युद्ध में 150 से अधिक लोग घायल हुए। बग्वाल के दौरान एक पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया इसके अलावा दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया ।

रणनीति माता-पिता को जागरूक कर रही योगी सरकार

बच्चों में नाटेपन के लिए कारगर है पोषण पाठशाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सभी जिलों में 9.80 लाख से अधिक माप, स्टंटिंग उन्मूलन की दिशा में बड़ी शुरुआत

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने यूपी में बच्चों में स्टंटिंग (नाटापन) अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कम करने का लक्ष्य साधा है। इसके लिए ठोस नीतियां बनाई जा रही हैं। पोषण पाठशाला के माध्यम से योगी सरकार माता-पिता और अन्य अभिभावकों को जागरुक कर रही है।

बच्चों के जीवन के पहले 1000 दिनों में अपर्याप्त पोषण के कारण स्टेंटिंग की समस्या होती है। इसे कम करने के लिए सरकार ने छह माह-सात बार रणनीति अपनाई है। इसके तहत छह माह से कम आयु के शिशुओं की नियमित निगरानी, बीमारी प्रबंधन, और माताओं को स्तनपान सहायता प्रदान की जा रही है। पहले छह माह में केवल स्तनपान और बाद में संतुलित आहार बच्चों के विकास को मजबूत करता है। इस दिशा में, 75 जिलों के 7,500 आंगनबाड़ी केंद्रों में 0-5 वर्ष की आयु के अविकसित बच्चों की माप के लिए कुल 9.80 लाख से अधिक कार्य किए गए हैं।

100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

हर जिले में ब्लॉक और जनपद स्तर के 100 नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो आंगनबाड़ी केंद्रों की सघन निगरानी कर रहे हैं। जिलाधिकारी मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित कर रहे हैं, जिसमें स्टंटिंग की स्थिति का आकलन किया जाता है।

इन केंद्रों में अविकसित बच्चों की निगरानी के लिए 7,500 नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं, जो सघन ग्रोथ मॉनिटरिंग और न्यूट्रिशन ट्रैकिंग सुनिश्चित कर रहे हैं। बीते 14-15 जुलाई को पूरे प्रदेश में पहली बार एक साथ स्टंटिंग मापन अभियान चलाया गया, जिसमें नोडल अधिकारियों ने बच्चों के एंथ्रोपोमेट्रिक माप (लंबाई, वजन) का सत्यापन किया। स्टंटिंग की वास्तविक स्थिति को समझने और डेटा की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए राज्यव्यापी स्टंटिंग वैलिडेशन अभियान शुरू किया गया। इस अभियान में सभी विभागों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल विकास सेवा के संयुक्त प्रयासों से चयनित गांवों में बच्चों की निगरानी की गई हैं। बीते वर्षों में स्टंटिंग के आंकड़ों में सुधार दर्ज हुआ है।

रंजिशन बुजुर्ग को लोहे की रॉड से पीटा, गंभीर

बरखेड़ा, अमृत विचार: रंजिशन एक वृद्ध को लोहे की रॉड से पीटा गया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना क्षेत्र के गांव जारकलिया निवासी मानसिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया शुक्रवार शाम 7 बजे उसके पिता मनोहरलाल गांव में ही कुएं के पास बैठे थे। इस दौरान रंजिशन गांव के प्रेमपाल ने उसके पिता पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आनन-फानन पिता को अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एंटीबायोटिक प्रतिरोध से लड़ने को आईआईटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने दवा की विकसित

देहरादून,एजेंसी

- क्लेबसिएला निमोनिया एक सुपरबग सूक्ष्म जीव है
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के शीर्ष खतरों में सूचीबद्ध
- इलाज के लिए एंटीबायोटिक मेरोपेनम के साथ करता है काम

एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में आईआईटी-रुड़की के शोधकर्ताओं ने एक नई दवा कंपाउंड 3बी विकसित की है, जो दवा प्रतिरोधी घातक बैक्टीरिया के खिलाफ एक शक्तिशाली एंटीबायोटिक की प्रभावशीलता को बहाल कर सकती है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जीव विज्ञान और जैव अभियांत्रिकी विभाग की रंजना पठानिया के नेतृत्व में आईआईटी रुड़की की टीम, जिसमें मंगल सिंह और परवेज बख्त शामिल हैं ने एक नया अणु तैयार किया है जो क्लेबसिएला निमोनिया के कारण होने वाले संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक मेरोपेनम के साथ काम करता है।

क्लेबसिएला निमोनिया एक सुपरबग (रोगाणुरोधी-प्रतिरोधी सूक्ष्म जीव) है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के शीर्ष प्राथमिकता वाले खतरों में सूचीबद्ध किया गया है। पठानिया ने कहा कि यह सफलता दुनिया की सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक - रोगाणुरोधी प्रतिरोध - के लिए एक आशाजनक समाधान प्रस्तुत करती है। हमारा कंपाउंड 3बी प्रतिरोध तंत्र को निष्क्रिय कर देता है, तथा प्रीक्लिनिकल मॉडल में मजबूत चिकित्सीय परिणाम प्रदर्शित करता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 'कंपाउंड 3बी' अत्यधिक विशिष्ट है, मानव कोशिकाओं के लिए सुरक्षित है, और प्रतिरोधी बैक्टीरिया को मारने के लिए मेरोपेनम के साथ मिलकर काम करता है।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,10 अगस्त 2025

बरेली देहात

भाइयों की कलाई पर बांधा प्यार, बहनों को मिला उपहार

जिले भर में धूमधाम से मना रक्षाबंधन का त्योहार, बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र की कामना की, मिठाई और राखी की दुकानों पर दिखी ग्राहकों की भीड़

कार्यालया संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले भर में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। भाइयों ने बहनों को रक्षा का वचन दिया। साथ ही उन्हें उपहार भेंट किए। मिठाई और राखी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखी। बाजार में रौनक रही।

शेरगढ़ : कस्बा, डेलपुर, रम्पुरा, गहलुइया, नगरिया कलां, बैरमनगर, घाटगांव पहाड़पुर, पिपरिया, बरीपुरा, कस्बापुर, बालपुर, रजपुरा, मोहम्मदपुर, पनबड़िया, मवई काजियान आदि स्थानों पर रक्षाबंधन की धूम रही। वहीं, एकल अभियान के तहत थाना में रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

बहनों ने पुलिस कर्मियों की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीर्घायु की कामना की। ब्लॉक प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रमोद अग्रवाल, भूपराम श्रीवास्तव ने लोगों को पर्व की बधाई दी। उपनिरीक्षक रामनरेश सिंह, ओगेंद्र कुमार, आदित्य गौरव श्रीवास्तव, राजू सिंह, दीक्षा मिश्रा, हीरा देवी, उषा देवी, मुस्कान,रूबी,रजनी मौजूद रहीं। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार, इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह ने क्षेत्र का भ्रमण किया।

फतेहगंज पूर्वी : रक्षाबंधन के चलते हाईवे व संपर्क मार्गों पर ट्रैफिक बढ़ गया। इसकी वजह से जैतीपुर समेत अन्य संपर्क मार्गों पर जाम के हालात बने रहे। लोगों को परेशानी से जूझना पड़ा। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। समाजसेवी कामराज मिश्रा, पवनराज मिश्रा, अजय गुप्ता, अरुण मिश्रा आदि ने मलिन बस्तियों में महिलाओं और बेटियों से राखी बंधवाई। उनकी रक्षा करने का वचन दिया।

भुता : मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। क्षेत्र में रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

बिशारतगंज : रक्षाबंधन का त्योहार क्षेत्र में उत्साह के साथ मनाया गया। शनिवार सुबह से शाम तक मिठाई और राखी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रही। वहीं, क्योलड़िया, फतेहगंज पश्चिमी, सेंथल में भी रक्षाबंधन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सेंथल में भाइयों की कलाई पर राखी बांधतीं बहनें। ● अमृत विचार

रक्षाबंधन मेले का उठाया लुत्फ

आंवला, अमृत विचार : मोहल्ला विलायतगंज में रक्षाबंधन मेले का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ मंत्री धर्मपाल सिंह ने किया। नगरपालिका की ओर से मेले में कैंप लगाया गया। कैम्प में चेयरमैन सय्यद आबिद अली ने मेले में आने वाले लोगों को शरबत पिलाया। मेला कमेटी ने चेयरमैन और सभासदों का स्वागत किया। संजय अग्रवाल उर्फ बॉबी, रामबीर प्रजापति, जितेन्द्र चंद्रा, दिनेश मौर्य मौजूद रहे।

भमोरा, अमृत विचार : बरेली-बदायूं रोड किनारे बझा नदी पर भुजरियों का मेला लगा। भुजरियों का विसर्जन इस नदी पर किया जाता है।

दानिश को 20 साल से राखी बांध रही हैं दिव्या

बहेड़ी, अमृत विचार : रुद्रपुर निवासी दिव्या कोहली का मायका बहेड़ी के गांव शकरस में। वह शकरस में भाई व कस्बे के मोहल्ला पंजाबी कॉलोनी निवासी दानिश बाबा को राखी बांधने आती हैं। दिव्या ने बताया कि वह दानिश को भाई मानती हैं। वह करीब 20 साल से दानिश को राखी बांध रही हैं। दानिश और उनका परिवार भी इस परंपरा से काफी खुश है।

नंदू को हर साल राखी बांधने आती हैं शजिया

कैंट, अमृत विचार : बदायूं के मोहल्ला जलंधरी सराय निवासी शाजिया पांच सालों से हर रक्षाबंधन पर झीलगौटिया निवासी नंदू सिंह को राखी बांधने आती हैं। कोरोना काल में शाजिया के पिता एक अस्पताल में भर्ती होने आए थे, मगर बेड खाली न होने के कारण उन्हें अस्पताल वालों ने लेने से इन्कार कर दिया।

बुजुर्ग पिता की हालत गंभीर, ऊपर से ऑक्सीजन सिलेंडर के न मिलने से शाजिया काफी परेशान थीं। अस्पताल में शाजिया की मुलाकात नंदू सिंह से हुई। उन्होंने नंदू से कहा- भैया मेरा कोई भाई नहीं है, आप मेरे पिताजी की जान बचा लो, मुझे ऑक्सीजन सिलेंडर दिलवा दीजिए। नंदू ने सबसे पहले शाजिया के पिता को अस्पताल में भर्ती कराया और ऑक्सीजन सिलेंडर से लेकर सभी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराईं। उपचार से शाजिया के पिता जल्द ठीक हो गए। शाजिया पिता को लेकर घर चली गईं। तभी से हर वर्ष रक्षाबंधन पर शाजिया नंदू के घर राखी बांधने आती हैं।

महिलाओं व बच्चियों ने धर्मपाल को बांधी राखी

आंवला, अमृत विचार : पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक धागे का नहीं, बल्कि भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने आंवला, गैनी, अलीगंज आदि गांवों में भ्रमण किया। बच्चियों और महिलाओं ने मंत्री को राखी बांधी। मंत्री ने पैतृक गांव गुलड़िया और बड़ागांव में जनसुनवाई कर समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

गोशाला में अव्यवस्था पर बिफरे विधायक

संवाददाता, नवाबगंज

- हरे चारे का नहीं था इंतजाम, हर तरफ फैला कीचड़ और गोबर
- कर्मियों को फटकार, डीएम को रिपोर्ट भेजने की बात कही

अमृत विचार : विधायक डॉ. एमपी आर्य और ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. एके गंगवार ने शनिवार को अधकटा नजराना स्थित वृहद गोशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें तमाम अव्यवस्थाएं मिलीं।

गोशाला में हर तरह फैले गोबर व कीचड़ पर विधायक ने कड़ी नाराजगी जताई। गोवंशीय पशुओं के लिए हरे चारे का कोई इंतजाम नहीं था। उन्होंने वहां मौजूद कर्मचारियों की फटकार लगाई। विधायक ने बताया कि पशुओं को उचित आहार व उपचार न मिलने के कारण आए दिन गोवंशों के मरने की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन संचालक की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गोशाला में कई पशु बीमार थे। विधायक ने कहा कि निरीक्षण की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजकर कार्रवाई कराई जाएगी। इस दौरान भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामपाल गंगवार मौजूद रहे।

गोशाला का निरीक्षण करते विधायक डॉ. एमपी आर्य । ● अमृत विचार

गोशाला में बीमार पशु।

डेबिट कार्ड बदलकर निकाले 12 हजार

आंवला, अमृत विचार : जालसाज ने डेबिट कार्ड बदलकर एक व्यक्ति के खाते से 12 हजार रुपये निकाल लिए।

गांव मलगांव निवासी रामबाबू ने बताया कि वह शुक्रवार शाम भाई का डेबिट कार्ड लेकर आंवला कस्बे के पुरैना स्थित एक एटीएम बूथ से रुपये निकलने आए थे। रुपये निकलने में दिक्कत होने पर पीछे खड़े व्यक्ति ने मदद करने के बहाने उनका डेबिट कार्ड बदल लिया। रुपये न निकलने पर वह वहां से चला आए। इसी बीच उक्त व्यक्ति ने डेबिट कार्ड के जरिये भाई के खाते से करीब 12 हजार रुपये निकाल लिए। मोबाइल पर मेसेज आने पर इसकी जानकारी हुई। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है।

रिछा-जहानाबाद मार्ग पर लगा जाम, परेशान हुए लोग

देवरनियां, अमृत विचार : रक्षाबंधन के दिन ट्रैफिक बढ़ने पर रिछा-जहानाबाद मार्ग पर भीषण जाम लग गया। एंबुलेंस समेत दर्जनों वाहन काफी देर तक जाम में फंसे रहे। पुलिस ने किसी तरह जाम खुलवाया। इसके बाद ही वाहन चालक और सवारियों को राहत मिली।

बकैनिया स्वाले, कुंडराकोठी, रिछा रेलवे फाटक, कनमन, देवरनियां, भोपतपुर, रिछा रेलवे फाटक, बकैनिया अड्डा आदि स्थानों पर भी जाम के हालात बने रहे। बकैनिया और कुंडराकोठी अड्डे पर वाहनों की लाइनें लगी नजर आईं। करीब दो घंटे तक लोग जाम से जूझते रहे। कोतवाली प्रभारी आशुतोष द्विवेदी यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में जुटे रहे।

जाम में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

● एंबुलेंस समेत दर्जनों वाहन काफी देर जाम में फंसे रहे

हादसे में किशोरी घायल

भुता, अमृत विचार : ग्राम रिछा निवासी बलराम की बेटी रितु (16) शनिवार को सड़क पार कर रही थी। तभी तेज रफ्तार टेंपो ने उसे टक्कर मार दी। किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप, आठ के खिलाफ रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 4 अगस्त को वह भाई के साथ मार्केट गया था। तभी झंडा यात्रा में शामिल ऋषि यादव, सुनील यादव, मुन्ना उर्फ अनिल यादव, अभय, अनुज, मुकुल कौशल, राहुल व आयुष ने रामलीला स्टेज के पास घेरकर मारपीट शुरू कर दी। वे किसी तरह बचकर घर आ गए। आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट की। उनकी मां और बहन के साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ऑटो पलटने से महिला गंभीर घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शनिवार दोपहर ठिरिया खेतल से सवारियां ऑटो से बरेली जा रही थीं। रास्ते में सरजू कट के सामने ऑटो बाइक से टकराकर पलट गया। ऑटो में सवार शाहजहां पत्नी अफसर अली निवासी ठिरिया खेतल घायल हो गईं। पुलिस ने एंबुलेंस से उन्हें निजी अस्पताल भिजवाया। ऑटो कब्जे में ले लिया।

देवी-देवताओं पर की टिप्पणी, शिकायत

रिठौरा, अमृत विचार : मोहल्ला धर्मपुर निवासी युवक ने देवी-देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करते हुए फेसबुक पर पोस्ट की है। इससे हिंदू संगठनों में आक्रोश है। अखंड भारत संकल्प की ओर से मामले की शिकायत पुलिस और प्रशासनिक अफसरों से की गई है। थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह ने बताया कि एक्स के माध्यम से आरोपी के खिलाफ शिकायत आई है। मामले की जांच की जा रही है। शीघ्र आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

तालाब में डूबने से वृद्ध की मौत

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : खेत की रखवाली करने जा रहे वृद्ध की तालाब में डूबकर मौत हो गई। गांव निवड़िया निवासी आकाश कश्यप ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गुरुवार रात उनके पिता कृष्णपाल (60) खेत की रखवाली करने जा रहे थे। गांव से निकलकर जब वह तालाब के किनारे से गुजरे रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया जिससे वह तालाब में गिर गए। तालाब में डूबने से उनकी मौत हो गई।

पीलाखार नदी में नहाते समय युवक डूबा

मीरगंज, अमृत विचार : पीलाखार नदी में नहाते समय युवक डूबा गया। गोताखोरों ने नदी में खोजबीन की मगर उसका पता नहीं चल सका। गांव सिंधौली गौंटिया निवासी दुर्गा प्रसाद (28) शनिवार को दोपहर में पीलाखार नदी के किनारे पेड़ों के नीचे साथियों के साथ बैठे थे। वह नहाने के लिए नदी में गए। नहाते समय वह डूब गए। लोगों ने नदी में कूदकर उन्हें तलाशने की कोशिश की, मगर उनका सुराग नहीं लगा। सूचना मिलने पर बहनें और परिवार के अन्य सदस्य रोते बिलखते हुए नदी किनारे पहुंचे। एसओ प्रयागराज सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार सिंह मौके पर आ गए।

न्यूज डायरी

अवैध पशु चिकित्सालय और मेडिकल स्टोर पर मारा छापा

नवाबगंज, अमृत विचार : पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने गांव लावा खेड़ा तालिब हुसैन में अवैध पशु चिकित्सालय और मेडिकल स्टोर पर छापामारी की। मामले में संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। कुछ ग्रामीणों ने पशु चिकित्सा विभाग में गांव लावा खेड़ा तालिब हुसैन में अवैध पशु चिकित्सालय व मेडिकल स्टोर संचालित होने की शिकायत की थी। इसपर शनिवार को सेंथल के पशु चिकित्साधिकारी डॉ. धीरज गंगवार ने अस्पताल और मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। मौके पर संचालक कौशल कुमार डिग्री व पंजीयन संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके।

भाकियू बहेड़ी से कमिश्नरी तक निकालेगी किसान तिरंगा यात्रा

बरेली, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारी 13 अगस्त को बहेड़ी से कमिश्नरी के अमर शहीद स्तंभ तक किसान तिरंगा यात्रा निकालेंगे। यात्रा सकुशल संपन्न कराने के लिए शनिवार को वरिष्ठ राष्ट्रीय महासचिव शोयब इजहार खान ने बहेड़ी में किसान पंचायत बुलाकर रणनीति बनाई। पंचायत में नसीम खान, हसीब अल्वी, मुन्ना लाल राठौर, शमशुल, निसार अहमद, छोटा अल्वी, फहीम आदि बड़ी संख्या में किसान शामिल थे।

जाहरपीर बाबा मंदिर पर लगा मेला, जुटे श्रद्धालु

रिठौरा, अमृत विचार : जाहरपीर बाबा मंदिर पर शनिवार को मेले का आयोजन हुआ। बच्चों के लिए झूले आकर्षण का केंद्र रहे। भक्तों ने महंत तेजराम भगत से आशीर्वाद प्राप्त किया। मेले में लोगों ने दुकानों पर जमकर खरीदारी भी की। इस दौरान सेवाराम, पूर्व सभासद राजेश कुमार गुप्ता,सुंदर लाल, उमाशंकर गंगवार, वीरेंद्र चौहान, रवींद्र कश्यप, रमेश कश्यप, चोखेलाल शर्मा, उमेश पाल, धर्मवीर, पूरनलाल कश्यप, मनोज कुमार कश्यप, पप्पू कश्यप समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सब स्टेशन पर हंगामा करने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : विद्युत सब स्टेशन पर हंगामा करने के मामले में पुलिस ने सभासद समेत दो तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। दरअसल, 5 अगस्त को बस्ती में बिजली कटौती के विरोध में वार्ड 9 के सभासद अनुज पाठक ने समर्थकों के साथ विद्युत सब स्टेशन पर ताला जड़ दिया था। इस दौरान सभासद व उनके समर्थकों ने हंगामा किया था। जेई को पुलिस बुलानी पड़ी थी। डेढ़ घंटे तक आपूर्ति बाधित रही थी। जेई साबिर खान ने सभासद व उनके साथियों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। इसपर पुलिस ने सभासद सहित दो तीन अज्ञात व्यक्तिओं पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

अमृत विचार
Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80773444353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्रवधु मेघा वर्मा पत्नी स्व. रजनीश वर्मा (निधन दिनांक 04.02.2018) को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार एवं पुनर्विवाह करने के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। राजरानी पत्नी स्व. राजेन्द्र निवासी 371, निशांत एक्लेव लोनी पावी सादकपुर गाजियाबाद हाल निवासी हनुमान मन्दिर के सामने, रोहली टोला, बरेली।

आवश्यकता है
कक्षा 1 से कक्षा 8 तक सभी विषयों हेतु
अध्यापक-अध्यापिकाओं
की आवश्यकता है अंग्रेजी माध्यम हेतु
शीघ्र सम्पर्क करें
पार्वती जूनियर हा. स्कूल
विहारमान नगला बरेली
मो. 9897482402
whatsapp : 7037470469

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 10 अगस्त 2025 www.amritvichar.com

स्वतंत्रता का मूल मंत्र

स्वतंत्रता या आजादी इस शब्द से हर किसी को प्रेम है। आज हर कोई अपनी स्वतंत्रता को लेकर जागरुक है। चाहे वह गृहणी हो, सेवारत कर्मचारी हो, मजदूर या कामगार हो। यहां तक कि युवा और छोटे बच्चे भी आज अपनी आजादी का अतिक्रमण नहीं होने देते। आजादी का यह भाव मन में आता क्यों है? क्योंकि यह हमें अपनी इच्छा के अनुसार चलने का मौका देता है। इस आजादी को पाने के लिए बहुत सारी बाधाओं या बहुत सारे विरोधों का सामना करना पड़ता है। इसीलिए यह अति प्रिय होती है। बरसों की गुलामी के बाद भारत ने भी आजादी का स्वप्न देखा। हिंसक-अहिंसक रास्ते अपनाए, कई कष्ट सहे, तब जाकर 15 अगस्त 1947 को आजादी की शुभ बेला आई।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

विभाजन की दास्तान बहुत लंबी है। 15 अगस्त की मध्यरात्रि को भारत ने अपनी आजादी का ऐलान किया और 14 अगस्त को पाकिस्तान पृथक हो चुका था। हर्षोल्लास और गुलामी से मुक्ति का क्षण था लेकिन इस दौरान जो दुष्परिणाम आए, लूटपाट हुई और जो हजारों लोग मौत के घाट उतारे गए, उन्हें हम नहीं भुला सकते। अंग्रेजों ने फूट डालो और राज करो की नीति के तहत देश के दो हिस्से कर दिए, लेकिन दोनों ही देशवासियों के हिस्से दर्द आया। सिरिल जॉन रेडक्लिफ जिन्होंने कभी भी भारत की धरती पर कदम नहीं रखा था, इस बड़ी सच्चाई को दरकिनार रखकर उनको भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा रेखा खींचने की जिम्मेदारी सौंप गई थी। रेडक्लिफ ने सीमांकन के लिए दो आयोग बनवाए जिसमें मुस्लिम लीग और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दो-दो सदस्य रखे गए थे। रेडक्लिफ को लगभग 1 महीने में अपना कार्य पूरा करना था। विशेषज्ञों से सलाह मशविरा बहुत जरूरी था लेकिन सीमित समय सीमा इसकी इजाजत नहीं दे रही थी। अब मुस्लिम लीग और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच सहमति बनाना बहुत बड़ा मुद्दा था। रेडक्लिफ को ही स्वविवेक के आधार पर अंतिम निर्णय लेना था। इतिहासकार बताते हैं कि विभाजन ऐसा हुआ कि कई गांव और उनके अंतर्गत आने वाले घर बंट गए, एक घर के कुछ कमरे भारत की सीमा के अंतर्गत आए तो कुछ पाकिस्तान चले गए। इसी तरह कहीं-कहीं खेत पाकिस्तान की तरफ रह गए और कमरे भारत में आ गए। यह विभाजन रेखा रेडक्लिफ रेखा के नाम से जानी जाती है, जिसे 12 अगस्त तक पूरा कर दिया गया था लेकिन विरोध के डर से लागू नहीं किया जा सका। 15 अगस्त को दोनों देश स्वतंत्र हो जाने के बाद 17 अगस्त को ब्रिटिश सरकार ने इसे लागू कर दिया। विभाजन कई मामलों में दर्द की दास्तान रहा। मगर गुलामी के उस मंजर की कहानी सुनकर आंखों में आंसू आ जाते हैं और रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हमारे स्वतंत्रता सेनानी जैसे महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरदार पटेल और अनगिनत जाने अनजाने राष्ट्र नायकों के प्रयासों से ही आज हम आजाद भारत में सांस ले रहे हैं। आजादी की यह लड़ाई केवल सत्ता परिवर्तन के लिए ही नहीं थी, बल्कि एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण इसका उद्देश्य था। यह दिलचस्प बात है कि 15 अगस्त को भारत के साथ-साथ दुनिया के 4 दूसरे देश भी अपनी आजादी का जश्न मनाते हैं जिनमें उत्तर और दक्षिण कोरिया, कांगो, लिचेंस्टीन और बहरीन शामिल हैं।

आजादी बाद शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन

शिक्षा की अलख जिस देश में जागती है वह विकसित देशों में गिना जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में आजादी के बाद कुछ परिवर्तन हुए लेकिन ये नाकाफी रहे। शिक्षा के क्षेत्र में कई कमियां हैं, जिनमें शिक्षकों की कमी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, शिक्षा की गुणवत्ता में कमी, और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं शामिल हैं। शिक्षा प्रणाली में सुधार की बात तो जोर-शोर से होती है लेकिन इसका उचित क्रियान्वयन नहीं होना हमारा दुर्भाग्य है। पुरानी शिक्षण पद्धतियां और लैंगिक असमानताएं आज भी ग्रामीण और सुदूर क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण समस्याएं हैं। जनसंख्या के एक तय प्रतिशत के शिक्षित होने पर हम संपूर्ण देश के शिक्षित होने का दंभ नहीं कर सकते।

आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया

कुछ क्षेत्रों में स्वतंत्रता के बाद हमने काफी प्रगति की है इसमें कोई शक नहीं। जैसे अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमने कई नए आयाम स्थापित किए हैं। आईटी, जैव प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारत में विशेष तरक्की की है। आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल इंडिया जैसे प्रयोगों के साथ भारत का स्वदेशी नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रयास है।

इसरो के नेतृत्व में, भारत ने एक मजबूत अंतरिक्ष कार्यक्रम विकसित किया है, जिसने संचार, मौसम पूर्वानुमान और नेविगेशन के लिए उपग्रहों को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। मंगल ग्रह परिक्रमा मिशन इसका एक प्रमुख उदाहरण है। जिसने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बना दिया। इसी तरह सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी भारत वैश्विक परिप्रेक्ष्य में उभर कर आ रहा है। राकेश शर्मा 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे। वे सोवियत यूनियन के सोयुज टी-11 मिशनका हिस्सा बने थे। बीते माह 41 साल बाद, शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 (ए एक्स 4) नामक एक निजी अंतरिक्ष मिशन में अंतरिक्ष में गए जो नासा और स्पेसएक्स के सहयोग से संचालित हो रहा है। यह मिशन भारत, पोलैंड, हंगरी और अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक है। शुभांशु शुक्ला इस मिशन के पायलट थे। निसंदेह यह हमारे लिए गर्वित होने वाला पल था।

हथियारों के क्षेत्र में प्रगति

हथियारों के क्षेत्र में भी भारत में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कहना ना होगा कि यह दशक युद्ध का दशक है। तमाम देश युद्ध की ज्वाला में जल रहे हैं। आज के समय में जमीन समुद्र और वायु से परे साइबर स्पेस विद्युत चुंबकीय स्पेक्ट्रम और बाह्य अंतरिक्ष तक युद्ध का विस्तार हो गया है ऐसे में मानव रहित प्लेटफार्म और स्वत हथियार जरूरत बन गए हैं। आज क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई और हाइपरसोनिक हथियार युद्ध के प्रमुख साधन बन गए हैं। भारत के सामने वर्तमान में चीन और पाकिस्तान से सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हैं। सीपीईसी यानि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत के लिए चुनौती है। इस दृष्टि से हमारा रक्षा भंडार पुराना हो चुका है। हमारे लड़ाकू विमान आधुनिक होते हुए भी वर्तमान पीढ़ी के नहीं हैं। सुखोई-30 विमान को अपग्रेड करने की योजना हालांकि भारत ने बनाई है जिसमें लगभग 25000 करोड़ रुपए का खर्च आने का अनुमान है।

आत्मचिंतन और जागरूक होने का अवसर

- स्वतंत्रता तो मिल गई लेकिन सोचना यह है कि हासिल क्या हुआ, हमने कितना विकास किया। कितनी तरक्की की है। आजादी सिर्फ जश्न का मौका नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और जागरूक होने का भी अवसर है। हमें सोचना होगा कि आज़ादी के 78 वर्षों बाद भी क्या हम एक समान, शिक्षित और न्यायपूर्ण समाज बना पाए हैं? समाज में जब तक आखिरी व्यक्ति तक विकास नहीं पहुंचता, तब तक हमारी आज़ादी अधूरी है। इसलिए हम सबका कर्तव्य है कि हम मिलकर एक ऐसे भारत की रचना करें, जहां हर व्यक्ति को बराबरी का अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान मिले।

हमें मिलकर एक ऐसा समाज बनाना है जहां हर व्यक्ति को बराबरी का अधिकार मिले और कोई पीछे न छूटे। हम सबको मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम सिर्फ़ अपने लिए नहीं, समाज और देश के लिए भी जिएं। देश को महान बनाने के लिए ज़रूरी नहीं कि हम बहुत बड़े काम करें। अपने नियत कर्तव्यों की पूर्ति करते हुए भी हम देश सेवा कर सकते हैं। इस व्यक्ति का जो कर्तव्य है उसे ईमानदारी से निभाए। मसलन, एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाए, एक डॉक्टर ईमानदारी से मरीजों का इलाज करे। देश के नौनिहाल और युवा मन लगाकर पढ़ाई करें। आधुनिक तकनीकी से खुद को अपडेट करते हुए अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को भी संजो कर रखें। नई तकनीकी, नई ऊर्जा का स्वागत हो लेकिन अपनी संस्कृति और परंपराओं को भी साथ लेकर चलना है। हमारी सांस्कृतिक विरासत इन्हीं में मिलेगी।

अभिभावकों की भूमिका अपने बच्चों को सिर्फ स्कूल भेजने तक ही सीमित नहीं होती। हमें अपने बच्चों में नैतिक मूल्य, देशप्रेम, और समाज के प्रति ज़िम्मेदारी का भाव जगाना होगा। आज की पीढ़ी ही कल का भारत है, और उन्हें सही दिशा देना हम सबका साझा दायित्व है। आज हमारे पास इतना समय कहां है कि अपने बच्चों को देश से प्रेम करना सिखाएं। हमें उनकी पढ़ाई लिखाई और फिर नौकरी की चिंता है लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोगों ने पढ़ाई लिखाई नौकरी सब कुछ देश की स्वतंत्रता के लिए दाव में लगा दिया था।

इस तरह के किस्से कहानियां हमें अपने बच्चों को सुनाने होंगे। त्याग का मूल्य सीखना होगा तभी देश के प्रति वे अपना कुछ योगदान कर सकेंगे। इस संबंध में जापान देश का उदाहरण सबसे पहले मस्तिष्क में आता है। इस छोटे थे देश में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका के द्वारा नागासाकी और हिरोशिमा में दो एटम बम दागे गए थे। जिसकी तबाही के चिन्ह आज भी वहां मौजूद हैं। लेकिन जापान के कर्मठ लोग हाथ में हाथ धरकर नहीं बैठे रहे। उन्होंने एक नया जापान बनाने में अपना योगदान दिया जिसमें नन्हे नन्हे हाथ भी शामिल थे। और आज तकनीकि या किसी भी क्षेत्र में देखिए जापान का कोई मुकाबला नहीं है। वहां की बुलेट ट्रेन और दूसरी अत्याधुनिक तकनीकियों का आप मुकाबला नहीं कर सकते। जापान के लोगों का देश प्रेम अनुकरणीय है। यह अपने देश और उसकी संस्कृति पर गर्व करते हैं। उनमें मजबूत सामूहिक भावना पाई जाती है जो उन्हें आपस में और अपने देश से जोड़ती है। जापानी लोग अपने देश पर गर्व करते हैं और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखते हैं तथा दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करते हैं। सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की घटनाएं वहां पर नहीं होती। वे अपने देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देते हैं। जापानी प्राकृतिक आपदाओं का हमेशा से सामना किया है इसलिए ऐसे अवसरों पर भी निस्वार्थ भाव से एक दूसरे की मदद करते हैं। ये लोग स्वभाव वश भी ईमानदार और मददगार होते हैं। और सबसे बड़ी बात यह लोग समय के पाबंद होते हैं। हमें तो अंग्रेज 'इंडियन टाइम' कहकर बदनाम कर गए। सचमुच हम समय की कदर नहीं करते। किसी भी समारोह में, अपने कार्य स्थल में देर से पहुंचना बड़प्पन की बात समझते हैं।

स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र

स्वास्थ्य, साक्षरता, कृषि, अंतरिक्ष और तकनीकी के क्षेत्र में हमें अभी बहुत कुछ करना है। साक्षरता की दर हमें बढ़ानी है, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य होना चाहिए। कुपोषण और खून की कमी आज भी हमारे देश के बच्चा और महिलाओं में एक बहुत बड़ी समस्या है। जाति, धर्म के झगड़े देश की प्रगति में ग्रहण लगाते हैं।

जब जब स्वतंत्रता दिवस का दिन आता है तो महसूस होता है कि हम मात्र एक औपचारिकता निभा रहे हैं। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। ईमानदार प्रयास करने जरूरी है। मात्र बातों से कोई देश महान नहीं होता। आजादी का तिरंगा नीले आकाश में उन्मुक्त लहराता रहे और तिरंगे की छांव तले देश का हर नागरिक खुद को स्वतंत्र और सम्मानजनक स्थिति में पाए। यही आजादी की असली पहचान है।

जैव प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा

देश आज जैव प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रगति कर रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवा, कृषि और बुनियादी ढांचे में सुधार हो रहा है। लेकिन यह सच है कि रोगियों की तुलना में डॉक्टरों की संख्या आज भी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्र आज भी स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी जरूरतों की कमी से जूझ रहे हैं। नवाचार को बढ़ावा देने और अनुसंधान और विकास में निवेश करने के लिए देश प्रतिबद्ध है, जिससे तकनीकी स्टार्टअप की संख्या बढ़ रही है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है, आईटी सेवाओं से आगे बढ़कर एआई, सेमीकंडक्टर डिजाइन, अंतरिक्ष तकनीक एवं क्वांटम कंप्यूटिंग तक में विविधता ला रहा है। पिछले 10 सालों में भारत में सवा लाख से ज्यादा स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विज्ञान धारा योजना के तहत आवंटन में वृद्धि की है, जो वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगी।

पर अभी भी हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कि उभरती प्रौद्योगिकी की तुलना में कुशल कार्यबल की कमी। हमारे जितने भी ग्रेजुएट पास आउट होते हैं वे सभी तकनीकी मसलों को हल करने के काबिल नहीं होते अतः स्वत ही रेस से बाहर हो जाते हैं। साइबर सुरक्षा संबंधी खतरे तो चलेंगे बनकर खड़े ही हैं। फेक और डिजिटल अरेस्ट जैसे धोखाधड़ी के मामले प्रशासन के लिए चुनौती है। इन चुनौतियों का समाधान करने लिए कुछ आवश्यक कदम उठाए जाने जरूरी है। वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारत के तीसरे सबसे बड़े वायु यात्री बाजार बनने की संभावना है। विमानन सेवा से देश में प्रत्यक्ष रूप से लगभग साढ़े तीन लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलता है।

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत स्वदेशी विनिर्माण बढ़ावा दिया जा रहा है। विमान वस्तु हित संरक्षण विधेयक 2025 विमान पट्टे और वित्त पोषण ढांचे को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने को वचनबद्ध है। देश के लगभग 80 हवाई अड्डे आज शत प्रतिशत हरित ऊर्जा पर परिचालन कर रहे हैं जो पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि पायलटों की कमी पूरी करने के लिए भारतीय विमानन अकादमी में सुधार लाने की जरूरत है।

गर्भावस्था: मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एवं समाधान

गर्भावस्था महिलाओं पर महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और जैव रासायनिक प्रभावों के साथ एक अनूठा मातृत्व का अनुभव प्रदान करता है। अधिकांश गर्भवती महिलाएं गर्भावस्था के विभिन्न चरणों में होने वाले परिवर्तनों के कारण असुरक्षित महसूस करती हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता हैं। एक अनुमान के लगभग 30 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को किसी न किसी स्तर पर चिंता का अनुभव होगा। शोध के अनुसार लगभग 15 प्रतिशत महिलाएं गर्भावस्था के दौरान अवसाद या चिंता से ग्रस्त होती हैं, गर्भावस्था के दौरान मानसिक स्वास्थ्य की समस्या होना आम बात है। हर पांच गर्भवती में से एक गर्भवती महिला मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित होती हैं। जन्म देने वाली लगभग तीन प्रतिशत महिलाएं प्रसव के बाद प्रसवोत्तर अभिघातजन्य तनाव विकार (पीटीएसडी) का अनुभव करती हैं, जबकि उच्च जोखिम वाली आबादी में यह आंकड़ा 15 प्रतिशत है। एक अनुमान के अनुसार 7 .8 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं तथा 16 .9 प्रतिशत प्रसवोत्तर महिलाओं को प्रसवकालीन ओसीडी का अनुभव होगा।

डॉ मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

गर्भावस्था के लक्षण

- मासिक धर्म का न आना।
- स्तनों में दर्द या सूजन।
- थकान।
- बार-बार पेशाब आना।
- मतली और उल्टी (मॉर्निंग सिकनेस)।
- हल्का रक्तस्राव।
- खाने की इच्छा होना या खाने से नफ़रत होना।
- मूड स्विंग।
- सिर दर्द।
- खूशबू की समझ में बढ़ोतरी।
- पीठ के निचले भाग में दर्द।
- पैर और टखने में सूजन आना।
- हल्का स्पॉटिंग।
- कब्ज।
- नाक बंद होना।
- सीने में जलन।
- पेट में बच्चे की हलचल महसूस होना।
- चेहरे में चमक आना।

ध्यान रखें हर महिला को अलग-अलग तरह के लक्षण महसूस हो सकते हैं, अगर पीरियड्स न आएं, तो प्रारंभिक प्रेग्नेंसी टेस्ट कराना चाहिए और डॉक्टर से तुरंत सलाह लेनी चाहिए।

विभिन्न लक्षण

घबराहट- दिल की धड़कन तेज़ होना, बैचेनी, सांस फूलना, कपकपी या अपने को आस-पास से शारीरिक रूप से 'अलग' महसूस करना।

सामान्यीकृत चिंता- सामान्य चिंताओं में क्या मेरा बच्चा सामान्य होगा, श्रम की चिंता, अपने बदलते शरीर की चिंता, भावनात्मक दबाव, रिश्ते में बदलाव, कैरियर आदि शामिल हैं।

बाध्यकारी व्यवहार, अचानक मूड में बदलाव, बिना किसी स्पष्ट कारण के उदास रहना, बार-बार रोने का मन करना, खुशी देने वाली चीजों में भी दिलचस्पी न होना (जैसे- दोस्तों के साथ समय बिताना, व्यायाम करना, भोजन करना इत्यादि)।

जल्दी घबरा जाना , तनावग्रस्त रहना, हर समय थका हुआ महसूस करना, नींद की समस्या, लैंगिक क्रिया में रुचि न होना, अपने बच्चे के साथ अकेले रहने का डर, खुद को या अपने बच्चे को नुकसान पहुंचाने के विचार आना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, सामान्य बातों को याद रखने में कठिनाई होना, जोखिमपूर्ण व्यवहार करना, नशे का उपयोग करना।

अगर ये लक्षण दो सप्ताह से ज्यादा समय तक बने रहते हैं तो समझें की गर्भवती महिला को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, यथाशीघ्र मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से मिलकर निदान किया जाना आवश्यक है अन्यथा इसका गर्भवती महिला के साथ-साथ गर्भ में पल रहे बच्चे के ऊपर भी विपरीत असर पड़ता है।

मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक

तनाव :- गर्भावस्था के दौरान तनाव बढ़ जाता है। तनाव के कारणों में मातृत्व अवकाश लेने से जुड़े मुद्दे, वित्तीय तनाव, रिश्तों की चिंता, स्वास्थ्य की चिंता, भविष्य की चिंता इत्यादि शामिल है।

नकारात्मक अनुभव :- बांझपन, प्रसवकालीन समस्याएं, गरीबी, भेदभाव, हिंसा, बेरोज़गारी, व अलगाव जैसे अनुभवों से मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

व्यक्तित्व :- कम आत्मसम्मान, अपने जीवन पर कम नियंत्रण महसूस करना, निर्णय लेने में समस्या, अवसाद व तनाव विकार विकसित होने की जोखिम बढ़ा सकता है।

गर्भपात :- गर्भपात का इतिहास या पहली तिमाही के बाद गर्भपात होना भी मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

बीमारी :- बीमारियां 70 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को प्रभावित करती हैं। मचली, उल्टी, भूख न लगना, थकान बहुत सामान्य हैं। गंभीर बीमारियां अवसाद और चिंता के लक्षण पैदा कर सकती है।

अन्य जोखिम कारक

- सामाजिक समर्थन की कमी
- घरेलू हिंसा
- वित्तीय कठिनाइयां
- प्रसव-पूर्व और प्रसवोत्तर जटिलताएं
- आपातकालीन सिजेरियन सेक्शन
- पिछला गर्भपात या गर्भाधान में कठिनाई
- अनियोजित गर्भावस्था
- अनिईच्छित गर्भधारण

गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं

गर्भावस्था के दौरान जटिलताएं गर्भवती महिला को नकारात्मक भावनाओं के भंवर में डालती हैं। मां या बच्चे के लिए जटिलताएं अक्सर अप्रत्याशित होती हैं और डर, भ्रम, उदासी और गुस्सा पैदा करती हैं।

- **हार्मोनः-** प्रजनन हार्मोन हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और चिंता, उदासी, क्रोध और चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण पैदा करते हैं हालांकि कभी-कभी, यह निर्धारित करने में थोड़ी सतर्कता की ज़रूरत होती है कि भावनाएं हार्मोन के कारण हैं या कुछ और कारण है।
- **शारीरिक पीड़ाः-** गर्भावस्था के आखिरी तिमाही के दौरान, शारीरिक रूप से सहज रहना मुश्किल होता है। रात में शरीर में दर्द और बार-बार बाथरूम जाने के साथ-साथ नींद में खलल पड़ता है। बच्चे के जन्म के बाद, शुरुआती महीनों में नींद टूटना स्वाभाविक है और नींद की कमी स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।
- **पूर्व मानसिक स्वास्थ्यः-** यदि गर्भवती महिला पहले भी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव किया है, तो उसे प्रसवकालीन मानसिक स्वास्थ्य स्थिति विकसित होने का अधिक जोखिम होता है हालांकि सही उपचार से विकसित होने का जोखिम को कम किया जा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य का प्रबंधन

- अपने आप से बहुत ज्यादा उम्मीद न रखें। आप जो कर सकते हैं, उसके बारे में यथार्थवादी बनें और जब ज़रूरत हो, आराम करें।
- गर्भावस्था में बड़े बदलाव न करें, जैसे-घर बदलना, नौकरी बदलना, जब तक कि ऐसा करना बहुत जरूरी न हो।
- शारीरिक रूप से सक्रिय रहें।
- व्यायाम कार्यक्रम शुरू करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह लें।
- नियमित रूप से स्वस्थ व संतुलित भोजन ले यदि संभव हो तो आहार विशेषज्ञ से संपर्क कर आहार तालिका बनवा लें और यथा संभव उसका पालन करें।
- ऐसे लोगों के साथ समय बिताएं जो आपको तनाव मुक्त और अच्छा महसूस कराते हैं।
- तनाव से निपटने के लिए नशीली दवाओं या शराब का उपयोग करने से बचें।

करना चाहिएः-

अपनी भावनाओं के बारे में विश्वास पात्र मित्र, परिवार के सदस्य, चिकित्सक या स्टाफ नर्स से बात करें। यदि आप तनावग्रस्त महसूस करते हैं तो श्वसन व्यायाम करें। यदि संभव हो तो शारीरिक गतिविधि करें- इससे आपका मूड बेहतर हो सकता है और आपको नींद आने में मदद मिलेगी, भूख अच्छी लगेगी। प्रसवपूर्व कक्षाओं में भाग लेने का प्रयास करें ताकि उन लोगों से मिल सकें जो आपके जैसे ही बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं।

नहीं करें:-

अपनी तुलना दूसरों से न करें-हर किसी को गर्भावस्था का अनुभव अलग-अलग तरीके से होता है दूसरों से तुलना कर परेशान न हों। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को यह बताने से न डरें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं-वे आपकी बात सुनने और आपकी सहायता करने के लिए हैं। बेहतर महसूस करने के लिए शराब, सिगरेट या नशीली दवाओं का सेवन न करें, नशा और ज्यादा बुरा महसूस कराते हैं तथा बच्चे के विकास व स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। सदैव ध्यान रहे कि गर्भावस्था बीमारी नहीं बल्कि जीवन का एक सुनहरा काल है जो नए जीवन को जन्म देता है। परिवार, समाज एवं राष्ट्र सभी की यह जिम्मेदारी है कि गर्भवती महिलाओं को विशेष देखभाल एवं भावनात्मक सहयोग प्रदान किया जाए ताकि गर्भवती महिला मानसिक समस्याओं से उबर कर स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सके क्योंकि बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य होते हैं।

यह आकर्षक लाल चमकीला फल हमारे देश के पूर्वोत्तर राज्यों और हिमालय की तराई वाले क्षेत्रों का बहुत जाना-पहचाना है, जो आकार में बड़े अंगूर के बराबर होता है, तरबूज या खरबूजा जितना नहीं। इसका वानस्पतिक नाम है 'एलिआग्नस लैटिफोलिया' जो हमारे भारत का एक छुपा रुस्तम जैसा फल है, बहुत सारे पोषक गुणों से भरपूर, स्वाद में खट्टा-मीठा सा।

सिल्वर-बेरी

नीलम सौरभ
रायपुर

एलिआग्नस लैटिफोलिया, जिसे नॉर्थ-ईस्ट में से नागालैण्ड में 'सोह-सांग', तो कहीं-कहीं 'छानबेरी', 'मूसलेरी' 'मल्लेरो' या 'मदीलो'कहा जाता है, मणिपुर में हेईयल और अंग्रेजी में सिल्वर-बेरी कहा जाता है, 'एलीऐग्नेसी' फैमिली का मेम्बर है। इसकी बहुवर्षीय कांटेदार बेल या लतानुमा झाड़ी होती है, जो भारत के साथ दक्षिण-पूर्व एशिया की देशज प्रजाति मानी जाती है। पूर्वोत्तर भारत के खासी-जैंतिया तथा लुशाई पहाड़, अरुणाचल की नदियों की घाटियां और उपहिमालयी जंगल इसके प्राकृतिक उद्गम स्थल हैं, यहीं से यह पक्षियों-जानवरों द्वारा बीज-प्रसारण के द्वारा पश्चिमी घाट, दार्जिलिंग-कलिम्पोंग की तलहटियों और अण्डमान-निकोबार तक पहुंच गया है। साथ ही इसे हिमालय के लगभग 450-500 मी से 1500 मी ऊंचाई वाले दलदली व खुले वन, तथा बाद में चाय-बागानों और ग्रामीण बाड़ों पर भी नैसर्गिक रूप से पनपते देखा गया है।

- वर्तमान में झारखण्ड-ओडिशा के पथरीले भू-भाग, पश्चिमी घाट के सहयाद्रि पर्वत, बंगाल-सिक्किम की पहाड़ियां और समूचे पूर्वोत्तर में किसान इसे घर-आंगन या बागान की मेड़ों पर उगा रहे हैं।
- यह झाड़ी सूखे की स्थिति को भी सह सकती है और ढीली-मध्यम उपजाऊ मिट्टी में भी सहजता से जीवित रह सकती है। इसकी जड़ों में राइजोबियम जीवाणु होते हैं जो नाइट्रोजन-स्थिरीकरण करते हैं जिसके कारण आसपास की फसलों की पैदावार बढ़ती रहती है, इसी गुण के कारण वर्तमान में कृषकों ने इसे मिश्रित फल-बगीचों में बहुतायत से शामिल करना शुरू कर दिया है।
- जैसा कि पहले बता चुकी हूं, इसके फल बड़े अंगूर के आकार के, गहरे गुलाबी-लाल रंग के, चित्तीदार और चमकीले होते हैं।
- पर्वतीय क्षेत्रों के आदिवासी समुदाय के लोग सामूहिक उत्सवों में इसकी पत्तियों की मालाएं और फलों का सिरका अनिवार्य रूप से उपयोग करते हैं।
- पशु-पक्षियों, विशेषकर ग्रेट हॉर्नबिल पक्षी का यह मनपसंद आहार है, जिसे खाने के बाद बीजों को वह बिखेरती रहती है और उनका प्रसारण स्वाभाविक रूप से होता रहता है।
- अक्सर इन क्षेत्रों के गांवों में इसकी कांटेदार झाड़ी को 'जीवित बाड़' की तरह लगा कर खेतों और चारागाहों को सुरक्षित किया जाता हैं।
- वर्तमान में वैज्ञानिक समुदाय इसके अनोखे फैटी-अम्लों व एण्टीऑक्सिडेंट्स पर शोध करके कैंसर-रोधी, दिल की सुरक्षा करने वाला और त्वचा-रोग उपचारक सम्भावनाएं ढूंढ़ रहा है।
- अभी तक इसका योजनाबद्ध उत्पादन नहीं किया जा सका है अतः देश भर के फल बाजारों में इसकी सामान्य आमद नहीं हो पायी है। अगर आप पहाड़ी या शुष्क भू-भाग में रहते हैं, तो इसके पौधे अपने पास लगा कर मात्र हल्की कटाई-छंटाई करके और दो साल में एक बार जैविक-खाद देकर आप इस बढ़िया टिकाऊ, रोग-निरोधी झाड़ी को अपना बना सकते हैं और साल भर में 25-30 किलो फल सहजता से पा सकते हैं। दूसरे राज्यों में रहने वाले इसकी प्रसंस्कृत प्रजातियों के कलमों को लगाकर आजमा कर देख सकते हैं। वनस्पति-विविधता बढ़ाने की दिशा में आपका यह छोटा-सा क़दम आपके क्षेत्र को भी पोषण-सुरक्षा और नया स्वाद देगा।

पौष्टिक गुणों का भण्डार

इन फलों में पौष्टिक गुणों का भण्डार भरा हुआ होता है। इसके 100 ग्राम ताज़े गूदे में लगभग 74 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 7 .8 प्रतिशत प्रोटीन, 9 .3 प्रतिशत रेशा और 910 मि .ग्रा पोटैशियम पाया जाता है, साथ ही लाइकोपीन, ओमेगा-7 जैसे दुर्लभ फैटीएसिड और कई बॉयो-ऐक्टिव पॉलीफ़ेनॉल भी पाये जाते हैं।

इन फलों का स्वाद हल्का मीठा-खट्टा, टमाटर जैसा नरम-रसीला होता है, स्थानीय लोग इसे कच्चा, नमक-मिर्च के साथ या फिर चटनी बना कर खाने के लिए उपयोग करते हैं, साथ ही ये फल जैम-स्क्वैश-वाइन आदि बनाने में भी प्रयुक्त होते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह आपकी सामाजिक गतिविधियां अपने उच्च स्तर पर होंगी। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। सामाजिक संबंधों के बेहतर होने से आपकी कार्य कुशलता में भी सुधार होगा। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों की मदद से आपकी कार्यक्षमता उत्तम होगी।

वृष
इस सप्ताह आपके परिवार में आपसी लगाव और धन संचय में वृद्धि होगी। आप पारिवारिक समृद्धि की उम्मीद कर सकते हैं। वाणी में मधुरता बनाए रखने से आपको सभी का सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा। सप्ताह के मध्य में आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन
इस सप्ताह आपकी सारी ऊर्जा परिवार में समृद्धि, प्रगति और एकता को बनाए रखने में रहेगी। सप्ताह के शुरुआत में परिवार में अत्यधिक लगाव, सद्भाव और आपसी सहयोग के संकेत बन रहे हैं। सप्ताह मध्य में परिवार के सदस्यों का समर्थन आपको धन संचय करने में मदद करेगा।

कर्क
इस सप्ताह की शुरुआत में आपकी मानसिक स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपना आपा न खोयें। बेहतर होगा कि आप किसी भी प्रकार के वाद-विवाद में शामिल न हों। आप स्वयं को शांत रखें और नियमित रुप से योग और ध्यान करें।

सिंह
इस सप्ताह सौदों को मुनाफे में बदलने के लिए आप कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। आप बड़े भाई से सहयोग समर्थन की अपेक्षा करेंगे। वो आपको सहयोग और समर्थन देंगे परन्तु यह आपके लिए फायदेमंद साबित नहीं होगा। सप्ताह के मध्य दिनों में ग्रहों की स्थिति के प्रभाव से वित्तीय घाटा, ऊर्जा और धन का अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कन्या
इस सप्ताह आपके उच्चाधिकारी आपके कार्यों की सराहना करेंगे। आपके व्यापार और लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी पेशा व्यक्तियों को पदोन्नति से संबंधित कोई अच्छी खबर मिल सकती है। सप्ताह मध्य के दिनों में भगवान शिव की पूजा करने से हानिकारक ग्रहों के प्रभाव पर नियंत्रण पाने में फायदेमंद साबित होगी। इससे वित्तीय लाभ भी अधिक होने की संभावना बन रही है।

तुला
इस सप्ताह की शुरुआत में कार्य स्थिति में सुधार होने पर भी यह समय सेहत और मानसिक स्थिति के लिए शुभ नहीं है। इस समय आपको आक्रामक न होने की सलाह दी जाती है और कार्य को विश्वास के साथ करना होगा। संभव हो तो कुछ समय के लिए कार्य को टालना लाभकारी रहेगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह के शुरु का समय अधिक निराशाजनक रहेगा फिर भी अचानक वित्तीय लाभ होने से आपकी खुशी और विश्वास बना रहेगा। इस समय गुप्त लाभ होने से आपकी कुछ निराशा दूर होगी। सप्ताह का मध्य भाग पूजा आराधना के लिए शुभ है। इस समय भाग्य का सहयोग आपके साथ रहेगा।

धनु
इस सप्ताह आरम्भ में वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा परन्तु खुशियां आपकी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहेंगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध पहले से बेहतर होंगे। जहां तक संभव हो अपने जीवनसाथी के साथ किसी प्रकार की गलतफहमी न रखें। सप्ताह के मध्य दिनों में आपके स्वास्थ्य, खुशी, आत्मविश्वास और धैर्य के लिए बहुत बुरा रह सकता है।

मकर
इस सप्ताह आप स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, ऋण और मुकदमेबाजी से संबंधित मुद्दों को सुलझाने में पैसा खर्च हो सकता है। अचानक से आपके खर्च बढ़ सकते हैं और आप किसी यात्रा पर जायेंगे। यात्राएं भी आपकी आय में वृद्धि करेंगी। आपमें आत्मविश्वास कुछ कम रहेगा फिर भी आय में वृद्धि के उद्देश्यों को लेकर जीवनसाथी के साथ आपसी सहयोग और तालमेल अच्छा रहेगा।

कुंभ
इस सप्ताह की शुरुआत में आप शिक्षा, बच्चों,जोखिमपूर्ण क्षेत्रों में निवेश, मनोरंजन और प्रेम संबंध पर धन खर्च करेंगे। सप्ताह भर आपका स्वास्थ्य सही रहेगा और आत्मविश्वास भी नीचे नहीं आएगा। सप्ताह के मध्य में आप विश्वास के साथ शत्रुओं और खर्चों पर नियंत्रण रखेंगे। यात्राएं करना आपको प्रसन्नता देगा।

मीन
इस सप्ताह के शुरु में संकेत मिल रहे हैं कि आप अपनी मां के स्वास्थ्य, अपने वाहन और घर के रख-रखाव पर पैसा खर्च करेंगे। आपके अपने पैतृक स्थान पर जाने के संयोग बन सकते हैं लेकिन कुछ मानसिक परेशानियों के रहते आप खुश नहीं रहेंगे। आपके मिजाज (मूड) में शीघ्र परिवर्तन की समस्याएं सामने आ सकती हैं।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 21

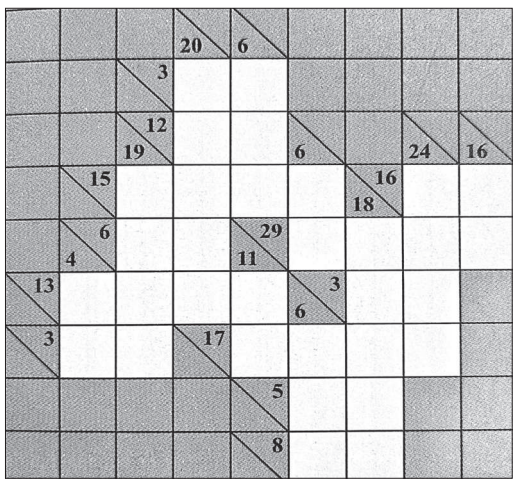

काकुरो 20 का हल

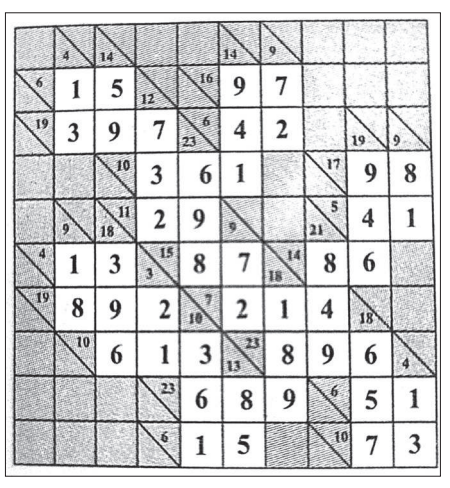

शब्द संसार

कहानी

ठहरे हुए बूढ़े

ये तीन बूढ़े सत्तर पार के हैं। रोजाना सुबह सावरकर उद्यान में घूमने आना, इनकी दिनचर्या में शामिल है। अपने घरों से ये उद्यान तक बाइक अथवा स्कूटरों से आते हैं और फिर जब तक थक नहीं जाते उद्यान की परिक्रमा करते हैं। फिर सुस्ताने के लिए बैंच पर बैठ देष-दुनिया की बातें बतियाते हैं। इस समय वे इतने बिंदास मूड में होते हैं कि इस भीड़ भरे उद्यान में बगल वालों को यह अनुभव नहीं होने देते कि उम्र उनके जिस्मों पर हावी हो रही है और वक्त मुट्ठी से रेत की मानिंद सरक रहा है। वार्तालाप करते-करते वे अपनी जिंदादिली को बेलौस ठहाकों से जाहिर भी करते रहते हैं। इन ठहकों से अकसर उन छात्रों का चित्त भटक जाता है, जो इसी उद्यान में चौबे सर द्वारा सालों से लगाई जा रही निशुल्क कोचिंग लेने आते हैं।

दरअसल ये बूढ़े सेवानिवृत्त हैं। बिना कुछ किए धरे शेषन के रूप में मोटी धनराशि मिल रही है। अपने बच्चों को निजी शिक्षा संस्थानों में अंग्रेजी शिक्षा दिलाकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सेटल कर चुके हैं। बच्चों की वैवाहिक जिम्मेबारियों से भी मुक्त हो चुके हैं। इनमें गुप्ता ऐसे वृद्ध हैं, जिनके बच्चों ने स्वेच्छा से अंतरजातीय प्रेम विवाह करके बिचारे गुप्ता को जिम्मेबारी निभाने का अवसर नहीं दिया। बच्चों की इस मनमानी ने गुप्ता को मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित किया हुआ है कि इस तनाव ने उनके शरीर में रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियां स्थायी रूप से घर कर गई हैं। इन घटनाओं को बीते दस साल हो चुके हैं, लेकिन उनकी पत्नी आज भी इतनी आहत हैं कि उनकी सोच लगभग ठहर गई है और दिमाग सुन्न हो गया हैं। गुप्ता तो मित्रों में हंसी-ठट्ठा करके मन बहला लेते हैं, लेकिन वह बेचारी मन किसके साथ बहलाए? घर में बेटा न बहू और नाती न पोते।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

चौबे जी इन बूढ़ों से भिन्न प्रकृति के हैं। वे चाहते तो ट्यूशन करके अच्छा धन कमा सकते थे, लेकिन उन्होंने व्याख्याता की नौकरी करते रहने के दौरान ही गरीब बच्चों को इस उद्यान में मुफ्त शिक्षा देने में इतना मान कमाया कि ये बूढ़े अपने वैभव पर इतारते हुए उनकी सादगी पर ईर्श्यावर्ष कटाक्ष करने से नहीं चूकते। इसके कारण भी हैं, चौबे जी अपने घर से दो किलोमीटर पैदल चलकर बच्चों को पढ़ाने के उद्देश्य से उद्यान आते हैं। बाइक उनके पास भी है, लेकिन व्यर्थ पेट्रोल फूंकना वे फिजूलखर्ची मानते हैं। जबकि ये बूढ़े घरों से बाइक से आते हैं और फिर उद्यान में पैदल घूमते हैं। एक बार चौबे जी ने इनसे कहा भी, "बड़े विचित्र हो तुम लोग, जो यहां तक गाड़ियों से आते हो और फिर घूमते हो। इससे तो अच्छा है, घर से यहां तक पैदल आओ और फिर लौट जाओ। पेट्रोल की बचत भी होगी और देश को पेट्रोल आयात करने में विदेशी मुद्रा भी कम खर्च करनी होगी।" तब पहले तो तीनों बूढ़े ठहाके लगाकर खूब हंसे और फिर उनमें से एक शर्मा बोले, "अरे चौबे तुम भी क्या बुढ़ापे में भी बच्चों को पढ़ाकर मगजमारी में लगे हो? हमारी तरह ऐश करो। सरकार जब चालीस-पचास हजार रुपए पेंशन बैठे की दे रही है, तो खर्च की चिंता क्यों करे? क्यों न जिंदगी के मौज उड़ाएं?" फिर वर्मा ने अपना आर्थिक दर्शन बघारा, "इन छात्रों

में मुफ्त में खटने की बजाय, ट्यूशन किए होते तो लाख रूपए माह कमा रहे होते। खुद को अर्थ से वंचित करके न तो इस तरह अपनी संतान के लिए खटना चाहिए और न ही परायों के लिए? समझे कुछ चौबे जी..?" चौबे जी कुछ बोले नहीं। अपनी निरोगी कृशकाया को आगे बढ़ाने को उद्यक हुए कि गुप्ता बोले, ''चौबे जी, बुढ़ापे में सुदृढ़ आर्थिक आधार व्यक्ति के आत्म-सम्मान को बनाए रखने और सुख से जीने में बड़ा काम आता है। अब देखो, मेरी इच्छा के विरुद्ध मेरे बेटे-बेटी शादी करके अमेरिका और कनाडा में जा बसे, लेकिन मुझे भी उनकी कोई परवाह नहीं है, बीस-पच्चीस हजार पेंशन मिल रही है। तहसीलदार और एसडीएम की रीडरी करते हुए खूब कमाई की। बैंक बैलेस बनाया। प्रोपर्टी बनाई। लिहाजा अब मुझे न उनकी दौलत की जरूरत है और न सहारे की? इसलिए चौबे कुछ कमा लो, बुढ़ापे में बच्चे साथ छोड़ गए तो आपके पढ़ाए विद्यार्थी कुछ भी बन जाएं, काम आने वाले नहीं हैं।"

भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति का अहंकार गुप्ता के सिर चढ़कर बोला था, लेकिन चौबे निर्लिप्त रहे। वे अपने चिर-परिचितों की अव्यावहारिक उद्दण्डता पर मुस्कराए और समय जाया किए बिना आगे बढ़ गए। क्योंकि वे अपने अनुभव से जानते हैं कि दरबारी विदूशक अकसर विद्वान मंत्री पर भारी पड़ते रहे हैं। फिर चौबे तो उस प्रकृति के रहे हैं कि उन्हें न सुविधाओं में सुख की अनुभूति हुई और न दुविधाओं में दुख की पीड़ा हुई।

खैर, जिंदगी के सफर में प्रौढ़ावस्था की ढलान पार कर लेने के बावजूद ये बूढ़े ऐसा अहसास कराते कि सांझ का धुंधलका जैसे उनके जीवन में छाने को कभी आतुर दिखाई देगा ही नहीं। सो तीनों चौबे गुरू के चले जाने के बाद फिर शुरू हो गए। शर्मा बोले, "अब देखो, मैंने तो जीवन की आपाधापी में रहते हुए भी कभी अपनी नौकरी में इतना काम हाथ नहीं लिया कि खुद और अपने बीबी-बच्चों से मिलने की फुरसत ही न मिले। जितना किया तो किया, नहीं तो टालने के लिए नाटषीट पर झूठी-सच्ची टीप लगाकर छुट्टी पा ली। कौन से अपने बाप का काम था, जो चिंता करते।" अब वर्मा की बारी थी। बोले, "इंजीनियर रहते हुए कमाया तो मैंने भी खूब, इसलिए रिटायरी के बाद कुछ अतिरिक्त करने की इच्छा नहीं होती। बच्चे पुणे-बैंग्लुरू में सेटल हैं। कंपनियां अच्छे पैकेज दे रही हैं। इसलिए अब प्रभु से इतनी प्रार्थना जरूर रहती है कि शरीर में खून दौड़ता रहे, स्फूर्ति बनी रहे और और तुम लोगों का साथ बना रहे। मौज-मस्ती के लिए रात्रिकालीन दारू-सारू की पार्टी चलती रहे, तो सोने में सुहागा है। यदि चौबे की तरह अनावश्यक समाज सेवा में लग गया तो मुझे लगता है, शरीर के जर्जर होने में देर नहीं लगेगी?" प्रतिउत्तर में गुप्ता बोले, "बिल्कुल ठीक कहते हो वर्मा बुढ़ापे में फिजूल की भाग-दौड़ और सिर पर बोझ की तरह लाद लीं गईं चिंताएं शरीर में अनेक समस्याएं पैदा कर देती हैं। इसलिए चौबे की तरह इस उम्र में कोई सामाजिक दायित्व संभालना, अपने शरीर को नुकसान पहुंचाने जैसा है। फिर अब तो सांतवां वेतनमान भी लग गया है, सो धन की चिंता तो है ही नहीं।"

दिलचस्प संवाद-प्रतिसंवाद चल ही रहा था कि वर्मा के मोबाइल की घंटी बजी। कुर्ते की जेब से मोबाइल निकालकर कान से लगाया। रिटायर तहसीलदार चौहान बोल रहे थे, "सुनो गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर ओपी सक्सेना का निधन हो गया है। उनका लड़का अमेरिका में है। उसे समय पर फ्लाइट मिल भी जाती है तो आने में दो दिन तो लग ही जाएंगे। ऐसे में लाश को सुरक्षित रखने के लिए डी-फ्रीजर की जरूत है। इस छोटे शहर में तो इस तरह के फ्रीजर की सुविधा है नहीं, इसलिए ऐसा करो ग्वालियर से किराए का फ्रीजर मांगने का इंतजाम करो।" फोन कटने के बाद गुप्ता जी बड़बड़ाए, "ये राजस्व के अधिकारी रिटायरमेंट के बाद भी चैन नहीं लेने देते। हुक्म देने और उस पर फौरन अमल कराने की पुरानी आदत अभी बनी हुई है। बेटा अमेरिका में रहकर क्या मेरे लिए कमा रहा है, जो मैं उनके बाप का शव सड़े नहीं, इसलिए डीप-फ्रीजर का इंतजाम कराऊं।" खुद से ही प्रश्न और खुद ही उत्तर देने की ऊहपोह में गुप्ता तत्काल तो परेशान हो गए। वे अपनी निम्न-स्तरीय सोच के चलते फिर बड़बड़ाए "डी-फ्रीजर की व्यवस्था करने में अभी मोबाइल बेलैंस में पचास-पचपन रुपए चूना लग जाएगा।" बात करने से कहीं ज्यादा गुप्ता को मोबाइल में पैसा कम होने की चिंता सताने लगी थी।

छूसरी तरफ नैसर्गिक मौत के बावजूद शव-सुरक्षा के लिए डी-फ्रीजर जरूरत ने वर्मा को भी झकझोर दिया। वर्मा सोच रहे थे, 'उनके बच्चे भी तो पूना और बैंग्लुरू में हैं। मौत तो आनी ही है। मोक्ष तो बेटे द्वारा चिता को मुखाग्नि देने से ही मिलेगा? इस छोटे शहर में पूना-बैंगलॉर से सीधी हवाई सुविधा भी नहीं है। रेल भी सप्ताह में एक दिन है। ऐसे में मौत चाह उनकी पहले हो या पत्नी की बेटे को यहां आने में दो दिन तो लग ही जाएंगे? तब क्या उन्हें लाश के लिए फ्रीजर की जरूरत नहीं पडेगी? और यह गुप्ता इसके बच्चे तो अमेरिका और कनाडा में हैं। यह मरा तो इसका शव तो चार दिन सुरक्षित रखना होगा।'मौत की निश्चितता और पुत्र के हाथों लगे दाग से मोक्ष-प्राप्ती के संस्कारों की दुविधा ने वर्मा के चेहरे पर शिकनों को अनायास ही उभार दिया। शर्मा के बच्चे उनके साथ तो नहीं रहते, परंतु इतनी दूरी वाले शहरों में रह रहे हैं कि खबर मिलने के बाद चार-पांच घंटे का सफर तय करके यहां आसानी से पहुंच जाएंगे। सो, वे थोड़ा निश्चिंत तो थे, लेकिन डी-फ्रीजर की वर्तमान में आवश्यकता जरूर अनुभव कर रहे थे।

सो तीनों चिंतित बूढ़े, जो इस उद्यान में जिंदादिली और दरियादिली के लिए जाने जाते थे, एकाएक परेशान हो गए। मृत्यु का अनजाना, अंधकार की खोह का वह भयावह सफर, जिसकी कल्पना ही असहनीय है, उसकी कल्पना कर बूढ़ों को मृत्यु और शव-सुरक्षा की चिंताएं, अपने सनातन अर्थबोध के साथ सन्निकट दिखाई देने लगी। यहां उद्यान में उम्र झुठलाकर उनके जिंदादिली के दावे, उन्हें ही एक झटके में खोखले लगने लगे। ऐसे में उम्र को पराजित करने की उनकी अदम्य इच्छा, उन्हें ही बेदम नजर आने लगती।

खैर, चिंताएं अपनी जगह थीं, सो उनसे मुक्ति के उपाय भी तलाशना जरूरी थे। इस दृष्टि से वर्मा बोले, "ऐसा करते हैं, सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की ओर से कलेक्टर को ज्ञापन देकर रेड क्रॉस सोसाइटी के लिए डी-फ्रीजर की मांग करते हैं। यहां फ्रीजर आ जाता है तो हम जैसे शहरवासियों को मुफ्त में शव रखने की सुविधा मिल जाएगी।"

"हां सो तो है। ऐसा करते हैं, ज्ञापन के लिए चौबे गुरू को भी लिए चलते हैं। चौबे से कलेक्टर बेहद प्रभवित हैं। पिछले सप्ताह ही इस संस्था की वर्षगांठ के अवसर पर कलेक्टर ने भागीदारी की थी। मध्यम व गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने संबंधी चौबे जी के उपायों की कलेक्टर ने खूब प्रशंसा की थी।" शर्मा बोले थे। इधर सक्सेना के शव के लिए डी-फ्रीजर के इंजजाम में लगे गुप्ता ने भी बात पूरी की और जेब में मोबाइल डालते हुए बोले, "यही ठीक रहेगा। वरना मैं तो राजस्व अधिकारियों की मौत पर फ्रीजरों की व्यवस्था करते-करते मर जाऊंगा, तब मेरी लाश के लिए कौन फ्रीजर का इंतजाम करेगा? मेरा बेटा तो अमेरिका में है। इस नाते मुझे तो फ्रीजर की जरूरत पड़नी ही है। चलो चौबे से मिलकर आज बारह बजे ही कलेक्टर को ज्ञापन दिए देते हैं।"

उनके साथ ही, सामने बैठा एक सोलह-सत्रह साल का किशोर भी खड़ा हो गया। तीनों बूढ़ों की और मुखातिब होकर एकाएक ही वह किशोर बोल पड़ा, "अंकल.., वैसे तो आप रोजाना यहां बैठे-बैठे, बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। मैंने इतना कमाया.., मैंने उतना कमाया। मेरे बेटे-बहू को लांखों का पैकेज मिल रहा है। तब क्या आप तीनों मिलकर अपने शवों के लिए एक डी-फ्रीजर भी नहीं खरीद सकते? सरकार की ओर मुंह तांकने का रुख क्यों कर रहे हैं ?"

उस किशोर ने उन बूढ़ों द्वारा डींगें हांकने पर तीखा सवाल कर दिया। सवाल सुन कर तीनों बूढ़े वहीं ठिठक गए। उन्हें अनायास ही अहसास हुआ कि समाज से कटे रहने की तकलीफ समाज में क्या होती है? यह सीख उन्हें उनकी उम्र से कई गुने छोटे किशोर ने जता दी थी। गोया, ठहरे हुए बूढ़ों के कदम चौबे जी की और नहीं बढ़ पाए ?

कविताएं/गीत

जिनके हाथों में सिर्फ पंक

कितनी कुंठा, कितना विषाद?
मन में उसके कितना प्रमाद !
गाथाएं गढ़ता मनगढ़ंत,
यद्यपि बनता है बड़ा संत।
जब निहित स्वार्थ, तब अनुगामी,
जब स्वार्थ सिद्ध तो संग्रामी।
कैसा दुहरा पाया चरित्र?
है कभी शत्रु, है कभी मित्र।
यह नहीं जानता है, गज पर,
श्वानों का कब पड़ता प्रभाव?
यह व्यर्थ भौंकना है उसका,
है वृथा सखे, उसका दुराव।
क्षण भंगुर जीवन को साथी !
ऐसे बर्बाद नहीं करते।
जिनके हाथों में सिर्फ पंक,
हम उनको याद नहीं करते।
फिर भी उर में यह चाह सदा,
वह करे प्रगति, पाए सुयोग।
क्षमताओं का उपयोग करे,
कुत्सित मन हो जाए निरोग।

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'
शाहजहांपुर

पिता

एक विश्वास हो आप एक स्तंभ हो आप,
मेरे जीवन का अनमोल तोहफा हो आप।
खुशियां है आप,
खुशहाल जीवन की पहली सीख है आप...।

हर दर्द में साया बनकर खड़े रहते हो आप,
जीवन की मुश्किल मोड़ की ढाल हो आप।

हमारी जिंदगी रोशन रहे
खुद जलते हो आप,
सिर पर हाथ है आपका तो
सुरक्षा है आप।

बच्चों की पूरी उम्र की

रजत यादव
कानपुर

नारी

नारी मन को आहत करना,
आसान नहीं था, न हो पायेगा।
छली गयी है वो तब तब,
जब भी प्रेम की अभिलाषी थी।

वो हृदय नहीं था पत्थर था,
जब जब उसको ठुकराया था।
पाषाण बनाकर नारी को,
क्यों दोषी उसी को माना था।

प्रकृति की अनुपम देन भी है,
काली के रूप में संहारक भी।
देवी के रूप में गर पूजित है,
क्यों संबोधन उसका अबला ही।

व्यथित हुई तो जल जाओगे,
फिर सुकून कहां से पाओगे।
नारी का जीवन कठिन हुआ,
क्या तुम पुरुष रह पाओगे।

है हिम्मत आज भी उसमें
सामना कैसे कर पाओगे।
नारी कोमल है पर अबला नहीं।
क्या सच को स्वीकार कर पाओगे।

वर्षा वार्ष्णेय
अलीगढ़

लघुकथा

फोटो क्लिक

अर्नव के फेसबुक प्रोफाइल में बार-बार लाइक्स और कमेंट्स आ रहे थे। आज उसने ऐसी पोस्ट डाली कि सब वाह-वाह कर उठे। उसने अपने जन्मदिन पर सड़क पर कचरा बीनने वाले छोटे बड़े चार-पांच बच्चों को रेस्टोरेंट में खाना खिलाया और उनके साथ अपनी सेल्फी लेकर फेसबुक पर अपलोड कर दी। इस नेक कार्य के लिए पूरी मित्रता सूची तारीफ पर तारीफ किए जा रही है, विशेषतः फीमेल फ्रेंड्स बहुत प्रभावित हुई है। एक अच्छा दिन बिताकर वह अपने फ्लैट में पहुंचा ही था कि उसने बैग से लैपटॉप गायब पाया। अब तो उसे उन बच्चों पर बड़ा गुस्सा आया। "जरूर उनमें से ही किसी ने लैपटॉप चुराया होगा...।"

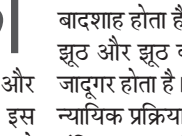

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको) बरेली

शहर के चलते पुर्जा सरकारी वकील का बेटा अर्नव उसी रेस्टोरेंट जा पहुंचा। रेस्टोरेंट मालिक ने सभी बच्चों को बुलवा लिया। पुलिस आ गई। गलियों में भटकने वाले बच्चे कुछ और जाने या न जाने पर पुलिस का रवैय्या खूब जानते थे। डरे-सहमे सब एक ओर खड़े कर दिए गए। सिपाही ने पूंछ तांछ से पहले ही सबको मुर्गा बन जाने की सजा सुना दी।

"शहर की इस गंदगी को बाहर निकालना बहुत जरूरी है।" रेस्टोरेंट स्वामी ने अपनी राय जाहिर की।

"आप कहां भलाई के चक्कर में पड़ गए, ये स्साले सब शातिर चोर होते हैं।" जजमेंटल हो गए सिपाही ने अर्नव से बोला। बच्चों पर सख्ती की जा रही थी कि सड़क के पार चाय की टपरी चलाने वाले रविन्दर ने अर्नव को आवाज दी। झुंझलाया हुआ अर्नव उसके पास पहुंचा, 'क्या बात है? क्यों बुला रहे हो? लकड़ी की पेटी से एक लैपटॉप निकालकर उसे दिखाते हुए रविन्दर बोला "क्या यही है आपका कंप्यूटर?" अर्नव की आंखें हर्षातिरेक में फैल गई "हां हां यही है मेरा लैपी... पर तुम्हें कैसे मिला?"

"यहां से जाते वक्त आप इसे सड़क पर गिरा गए थे, सबसे पहले मेरी नजर इस पर पड़ी, लेकिन मैं इसके मालिक को नहीं देख पाया था। मैंने इसे उठाकर रख लिया। अभी आप सब की बातों से तस्दीक हुई कि यह आपका है तो मैंने आपको बुला लिया" रविन्दर ने पूरी बात बताई। अर्नव ने रविन्दर के साथ अपना सेल्फी लिया, कैप्शन के साथ उसे फेसबुक पर अपलोड किया। उसका यह कृत्य काबिले-ए-तारीफ था ही। धड़ाधड़ लाइक्स और कॉमेंट्स आने लगे। पुलिस वाले ने मुर्गा बने रोते हुए बच्चों को धीरे से भगा दिया।

बतकही

रील

"आप मुझे रील बनाने से रोक नहीं सकते।" ये स्टेटमेंट पढ़ते ही उत्सुकता जागी न? रील संस्कृति धीरे-धीरे समाज में इतनी गहराई से पैठ बनाती जा रही है, जिसका अभी हमें अनुमान भी नहीं है। ऊपर दिया गया ये बोल्ड स्टेटमेंट एक छात्रा का है। स्कूल में ही बनाया गया उसका एक वीडियो वायरल हो गया। बात प्रिंसिपल तक पहुंची। शिकायत मिलते ही कक्षाध्यापिका ने उसका बैग चेक करवा के मोबाइल कब्जे में ले लिया। दूसरे दिन उसके पेरेंट्स को बुलाया गया। हैरत में डाल देने वाली बात यह थी वह छात्रा प्रिंसिपल और पेरेंट्स के समक्ष ज़रा सा भी भयभीत और ग्लानि में नहीं थी। उसके अनुसार रील बनाना कोई ग़लत कार्य नहीं है। अध्यापिका ने कहा- "रील बनाने में कोई बुराई नहीं है, पर रील कहां बनाई जा रही है, इसका ध्यान रखना चाहिए। स्कूल की यूनिफॉर्म में कक्षा के अंदर बनाये गए वीडियो से स्कूल की छवि पर असर पड़ सकता है।"

दरअसल स्कूल के अन्दर बनाये गए वीडियो की भी इतनी बाढ़ आ चुकी है कि सबको लगता है यह न्यू नार्मल है। इसलिए उसे यह बात समझ ही नहीं आ रही कि उसने कुछ ग़लत किया है। जिस दिन उसने यह वीडियो शूट किया था उस दिन वह तैयार होकर आयी थी, कैप लगाकर, थोड़ा मेकअप करके, थोड़ा हेयर स्टाइल बनाकर। अर्थात उसका उस दिन पढ़ने से अधिक इस बात पर फोकस था कि जैसे ही अंतिम वादन आये, मौका मिले, वीडियो शूट कर लिया जाए। क्या रील बनाने में अटके मन पढ़ने में एकाग्र हो सकते हैं? क्या स्कूल भी इनके लिए एक 'कंटेंट' हो चला है? रील्स आज के समय में ड्रग्स का स्थान लेती जा रही है। सड़क पर, स्कूल में, चौक-चौराहों पर हर जगह रील्स बन रहीं हैं, और इन्हें रोकने का अर्थ है इनके 'अग्रेसिव बिहेवियर' को झेलना। लड़की ने प्रिंसिपल से स्पष्ट रूप से कह दिया-"आप चाहे तो मेरा नाम काट दीजिए, मुझे परवाह नहीं, आप मुझे रील बनाने से रोक नहीं सकते और मेरा मोबाइल वापस कर दीजिए।" अध्यापिका ने कहा कि तुम कुछ ज़्यादा ही ढीठ नहीं हो। उसका बेलाग जवाब था-"इतनी ढीठ न होती, तो रील कैसे बनाती?"

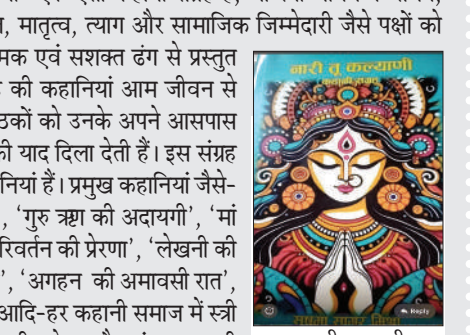

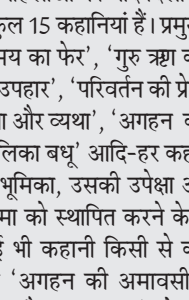

ट्विंकल तोमर सिंह
शिक्षिका, लखनऊ

रील्स 'न्यू नार्मल' ही नहीं 'न्यू करियर' भी है। इतना हठ तभी हो सकता है जब इसके साथ पैसा और प्रसिद्धि जुड़ी हो। वायरल होना आज के समय की सबसे बड़ी उपलब्धि है। पढ़ाई को लात मारकर रील्स बनाने में जुटी पीढ़ी को यह नहीं मालूम कि हर एक चीज़ का एक काल होता है, फ़ैशन होता है, उत्थान होता है, उसके बाद उसका 'डाउनफॉल' आना निश्चित है। वायरल होना करियर नहीं है। यदि होता तो कई इंफ्लुएंसर आत्महत्या न कर रहे होते।

व्यंग्य

महिमा काले कोट धारी की

कहते हैं कि बुरे वक्त में सगा-संबंधी और साया भी साथ छोड़ देता है, किंतु इस ब्रह्मांड मे एक जीव ऐसा भी है, जो बुरे से बुरे समय में बुरे से बुरा इंसान का भी साथ देता है। चोर, हत्यारा, बलात्कारी, भ्रष्ट हो अथवा उच्च स्तरीय अत्याचारी, भले ही घर-परिवार, समाज की नजरों में पतित बहिष्कृत और दोषी हो, लेकिन इन सारे दुर्गुणों और अवगुणों को नज़रंदाज़ कर उनको निर्दोष मानने और साबित करने का वैधानिक दृष्टिकोण सिर्फ और सिर्फ न्यायिक जीव के पास होता है, जिसे हम वकील के नाम से जानते हैं। वकील, मुवक्किल और न्यायमूर्ति के बीच का कनेक्टिंग लिंक या संयोजक कड़ी होता है। संभवतः अधिनियम को जानने से ज्यादा बहस के दौरान अधिक बकने की प्रवृत्ति के कारण इन्हें अधिवक्ता भी कहा जाता है।

दूसरे शब्दों में इन्हें कलयुग का कर्ण अथवा डिजिटल शकुनि कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि यह सारा सच जानते हुए भी दोषी, अपराधी अथवा गलत का ना केवल साथ देते हैं, बल्कि उसे सही साबित करने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा देते हैं।

ये कवच कुण्डल के स्थान पर काला कोट धारण करते हैं। जिस प्रकार काला रंग अपने में सभी रंगों को अवशोषित कर लेता है, संभवतः इनका काला कोट न्यायिक प्रक्रिया के दौरान झूठ, गलत सहित अभियुक्तों के सभी काले कारनामों को अपने अंदर समाहित कर लेने में सक्षम होता है। वह शब्दों का बादशाह होता है। शब्दों के साथ खेलते हुए सच को झूठ और झूठ को सच साबित करने वाला अद्भुत जादूगर होता है। अगली तारीख, जमानत, बरी आदि न्यायिक प्रक्रिया के द्वारा गैर कानूनी गतिविधियों में संलिप्त असमाजिक तत्वों को भी समाज में रहने और बने रहने का सम्मान और अवसर दिलाता है।

इनके एक सुनवाई की फीस पचास रुपए से लेकर पांच लाख रुपए तक होती है, जो केस की संजीदगी और मुवक्किल की आर्थिकी के हिसाब से तय होता है। आशय है कि निम्न वर्गीय, मध्यम वर्गीय और उच्च वर्गीय मुवक्किलों के लिए अलग-अलग पैकेज होता है। इनके न्याय की दुकान दीवारों और पेड़ की शाखाओं पर इनके नाम से लटकी तख्तियां और चार कुर्सी से घिरे एक टेबल के क्षेत्रफल वाले कचहरी परिसर से लेकर एसी कक्ष अथवा फोर स्टार अपार्टमेंट में अवस्थित इनका निवास स्थल होता है।

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

चर्चित और समृद्ध न्यायदूतों के कार्यालय में सैकड़ों न्यायिक पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय एवं महिला असिस्टेंट उनके कार्यालय की विशेष शोभा होते हैं। जिस प्रकार मार्केट में बिसलेरी के नाम पर बेलसारी, बिसेलेरी, बिल्सरी, बिसलोरी, बिसालेरी आदि मिलते-जुलते दर्जनों नाम और पहचान वाली नक़ली मिनरल वॉटर उपलब्ध हैं और उसकी असली पहचान सिर्फ बादल नामक ऊंट को होती है ठीक उसी प्रकार अनंत एल.एल.बी. डिग्री और काले कोट धारियों में से कुछ न्यायजीवी ही दीवानी और फ़ौजदारी मामले में विशेषज्ञ होते हैं। जिसकी पहचान मुवक्किल को बादल बनकर करनी पड़ती है।

इनके पास सबूतों के फ्रेम और गवाहों के ग्लास से निर्मित रंग-बिरंगे चश्मा होते हैं। जिसे सुविधा अनुसार न्यायमूर्ति को पहनाते हैं और उसी चश्मे के आधार पर मुलजिम को मुजरिम या निर्दोष होने का प्रमाण-पत्र और न्याय मिलता है। ऐसा नहीं है कि सभी काले कोट धारी न्यायिक कार्य ही करते हैं, बल्कि कुछ जनहित याचिका दायर करने, एफिडेविट बनाने और प्रमाण पत्र अभिप्रमाणित करने जैसा सामाजिक कार्य भी संपादित करते हैं।

यदि आपको भी ऐसे काले कोट धारी यशस्वी मानव का दर्शन करना है और उनकी छुपी हुई प्रतिभा का साक्षात्कार करना है, तो किसी भी झूठे, फर्जी या सही पुलिसिया केस में नामजद होकर देख लीजिए।

समीक्षा

नारी शब्दों की संजीवनी

"नारी तू कल्याणी" एक ऐसा कहानी संग्रह है, जो स्त्री जीवन के संघर्ष, पीड़ा, आत्मबल, मातृत्व, त्याग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे पक्षों को अत्यंत भावनात्मक एवं सशक्त ढंग से प्रस्तुत करता है। संग्रह की कहानियां आम जीवन से जुड़ी हैं और पाठकों को उनके अपने आसपास की महिलाओं की याद दिला देती हैं। इस संग्रह में कुल 15 कहानियां हैं। प्रमुख कहानियां जैसे- 'समय का फेर', 'गुरु ऋण की अदायगी', 'मां का उपहार', 'परिवर्तन की प्रेरणा', 'लेखनी की कथा और व्यथा', 'अगहन की अमावसी रात', 'बालिका बधू' आदि-हर कहानी समाज में स्त्री की भूमिका, उसकी उपेक्षा और अंततः उसकी गरिमा को स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोई भी कहानी किसी से कम नहीं है परन्तु मुझे 'अगहन की अमावसी रात', 'बालिका बधू' और 'अनपढ़ मां' ने अत्यधिक प्रभावित किया। लेखिका की विशेषता यह है कि उन्होंने इस मासूम मन की उलझनों को बहुत ही सरल, लेकिन गहराई लिए शब्दों में ढाला है। लाड़ो की आंखों से देखी गई दुनिया, उसके भोले सवाल- "क्या यह ब्याह कहा होता है?" और मां के विवश उत्तर, पाठक के हृदय में गूंजते रहते हैं। यह कहानी किसी बड़ी क्रांति की नहीं, बल्कि एक बालिका की चुप आहों की दास्तान है। 'बालिका वधू' हमें यह सोचने को बाध्य करती है कि क्या सचमुच एक लड़की का जीवन केवल सामाजिक रस्मों के हवाले कर देना ही उसकी नियति है? यह कहानी सिर्फ लाड़ो की नहीं, उस समाज की भी कहानी है जो अपने ही बच्चों की मुस्कान पर परंपरा का पर्दा डाल देता है। पुस्तक की भाषा सहज, प्रवाह पूर्ण और संवेदनशील है। कथानक अधिकतर ग्रामीण और कस्बाई जीवन से जुड़े हैं, जिससे पाठक एक आत्मीय जुड़ाव महसूस करता है। "नारी तू कल्याणी" केवल कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि एक युगबोध है। यह संग्रह हर उस पाठक के लिए अनिवार्य है जो स्त्री जीवन की विविधता, गरिमा और संघर्ष को समझना चाहता है। यह पुस्तक शिक्षकों, विद्यार्थियों, साहित्य प्रेमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बन सकती है।

पुस्तक समीक्षा : "नारी तू कल्याणी" (कहानी संग्रह)
लेखिका :सुषमा सागर मिश्रा
प्रकाशक : आकल्प प्रकाशन, लखनऊ
मूल्य : 250/-
समीक्षक- वीना सिंह, लखनऊ

स्वतंत्रता और समान अधिकारों के संघर्ष में महिला शक्ति

देश वर्ष 2025 में स्वतंत्रता दिवस की 79 वीं वर्षगांठ मना रहा है। 78 वर्षों का भारतीय लोकतंत्र का सफर अनेक उपलब्धियो, अनुभूतियां और भविष्य के प्रति असीम संभावनाओं व आशाओं का सफर है। इन 78 वर्षों में सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं का यही प्रयास रहा है कि देश के अंतिम पायदान पर स्थित व्यक्ति के स्वतंत्रता व अधिकारों की रक्षा की जा सके, जिससे भारतीय संविधान में वर्णित पवित्र भावनाओं, मूल्यों व आदर्शों की रक्षा कर लोकतंत्र की नींव को सुढ़ढ़ बनाया जा सके। भारत मे स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात से ही बिना किसी भेदभाव के महिलाओं को भी प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के समान स्वतंत्रता, अधिकार और अवसरों की समानता के प्रावधान किए गए। इसके लिए संविधान में महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए अनेक अनुच्छेदों के तहत लाभकारी प्रावधान भी किए गए।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

भारत की इन 78 वर्षों की स्वतंत्रता की यात्रा में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक सभी स्थितियों में सकारात्मक बदलाव हुआ है। आज की नारी पुरुषों के समान स्वतंत्रता, समानता, अवसरों और सरकार तथा भारतीय कानून द्वारा प्रदत्त अनेक सुविधाओं का उपभोग कर सफलता के नित नए सोपान चढ़ रही है और सभी क्षेत्रों में पूर्व में स्थापित मानकों को ध्वस्त कर नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

परंतु सतही तौर से भारतीय मानचित्र पर महिलाओं की स्थिति स्वतंत्रता और अधिकारों के संदर्भ में जितनी गुलाबी प्रतीत होती है, अंदरुनी तौर पर यह उतनी ठोस नहीं है। भारतीय समाज में आज भी महिलाएं कानून से ज्यादा पितृसत्तात्मक व्यवस्था द्वारा शासित और संचालित है। वह उतने ही अधिकारों और स्वतंत्रता का उपभोग कर पा रही है, जितनी पितृसात्मक व्यवस्था ने उनके लिए निर्धारित की है। जहां समाज खुला है, साक्षर और लचीला है वहां की महिलाओं की स्थिति और बंद समाज जहा साक्षरता का स्तर कम है, रूढ़ियों और अंधविश्वास की जड़े गहरी है उन समाजों में महिलाओं की स्थिति के मध्य गहरी खाई है जिसे पाटने में अभी लंबी दूरी तय करनी होगी।

इन 78 वर्षों में आर्थिक दृष्टि से बेशक स्वावलंबी महिलाओं की संख्या में साल दर साल बढ़ोतरी हो रही है, परंतु उच्च पदों, राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में उनकी भागीदारी का स्तर व प्रतिशतता उतना नहीं है जितना संवैधानिक व कानूनी प्रावधानों द्वारा आशा की गई थी।

महिलाओं की कामकाजी स्थिति को कई बार पारिवारिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। विवाह उपरांत संतान के लालन पालन में उचित सहयोग न मिलने, घर व नौकरी में तालमेल के अभाव के कारण कई बार महिलाओं को उच्च पद व आय वाली नौकरी छोड़कर पारिवारिक जिम्मेदारियां को प्राथमिकता देनी होती है जिससे कई बार महिलाएं तनाव, अवसाद और मनोरोगों से ग्रस्त हो जाती है। शोध के अनुसार महिलाओं में तनाव अवसाद के मामले पुरुषों से अधिक होते हैं।

भारतीय महिलाएं शिक्षित, मेहनती, सक्षम और नौकरी पेशा होने के बावजूद द्वन्द्व की स्थिति से रोजाना गुजरती है जिसमे कार्य स्थल के प्रति प्रतिबद्धता के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियां और बच्चे जिनका विकल्प पितृसात्मक व्यवस्था में केवल महिलाएं ही हैं।

कामकाजी महिलाओं के लिए बाहर की थकान व तनाव के साथ पूरा घर व बच्चों की संभाल उनकी नैतिक जिम्मेदारी है, जबकि पुरुष के लिए उसका स्वैच्छिक निर्णय है कि वह घर संभालने में महिला का हाथ बटाएं या तटस्थ स्थिति में रहे क्योंकि भारतीय समाज में पुरुषों व महिलाओं के लालन-पालन और गढ़े गए मूल्यो में भारी अंतर है।

परिवार और राजनीति में महिलाओं की स्थिति

- परिवार, समाज, अर्थव्यवस्था और राजनीति में महिलाओं की स्थिति में सुधार आवश्यक हुआ है परंतु लगभग हर क्षेत्र में पुरुषों के निर्णय को प्राथमिकता दी जाती है। यद्यपि भारतीय राजनीति में ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक विभिन्न प्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में बढ़ोतरी हुई है तथापि पंचायत और निगम स्तर पर महिला प्रतिनिधि की सत्ता का प्रयोग अक्सर उनके पति किसी रिश्तेदार द्वारा किया जाना महिलाओं के प्रतिनिधित्व की भावना को कमजोर करता है।
- भारतीय संविधान और विभिन्न कानूनों द्वारा महिलाओं को प्रदत्त अधिकार और स्वतंत्रता मे सबसे बड़ा बाधक महिलाओं की सुरक्षा संबंधी चुनौतियां हैं। समाज में शिक्षा और जागरूकता का ग्राफ पढ़ने के बावजूद महिलाओं के प्रति बलात्कार, हिंसा, घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, मानव तस्करी और अपहरण आदि मामलों में साल दर साल वृद्धि हो रही है, जिसका परिणाम यह है कि महिलाएं कानून द्वारा प्रदत्त सुविधाओं और अवसरों का समुचित उपभोग नहीं कर पा रही है। स्वतंत्रता और अधिकारों के उपभोग के लिए एक समुचित सामाजिक और सुरक्षात्मक वातावरण की आवश्यकता है जो हमारा परिवेश और कहीं ना कहीं प्रशासन भी देने में विफल रहा है।
- द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के खिलाफ अपराध की दर के मामले में असम पहले स्थान पर, दिल्ली दूसरे स्थान पर, और ओड़िशा तीसरे स्थान पर है।
- यौन हिंसा के मामले में भारत की स्थिति के आंकड़े भयावह है। महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक 2023 में भारत 177 देश में 128 में स्थान पर है।
- भारत की महिलाएं बेहद कर्मठ, नियति और यथास्थिति के साथ सामंजस्य बैठने में माहिर है जिसके लिए अधिकार और स्वतंत्रता शब्द कई बार बेमानी हो जाते हैं।
- भारत के कई राज्यों में ग्रामीण इलाकों में रहने वाली महिलाओं पर संयुक्त परिवार के रूप में खेती-बाड़ी और पूरी गृहस्थी का बोझ है जिसमें कई बार विपरीत शारीरिक परिस्थितियों में भी कठोर श्रम के साथ पानी की किल्लत वाले इलाकों में कई किलोमीटर दूर जाकर पानी ढोकर लाना आजादी के कितने वर्षों बाद भी महिला अधिकारों की पोल खोल देता है। यह भारत की वे महिलाएं हैं जिन्हें मानव अधिकार और स्वतंत्रता तो क्या अपने मनुष्य होने का भी शायद भान नहीं है।
- वर्ष 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या चीन को पछाड़कर नंबर वन की रैंकिंग पर पहुंच गई है। सभी स्तरों की सरकारों और विभिन्न एजेंसी द्वारा परिवार नियोजन कार्यक्रमों द्वारा जनसंख्या नियंत्रण के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं, जो विकास के लिए आवश्यक भी है परंतु हम दो हमारे दो की योजना को असली जामा पहनने में हम लैंगिक चयनात्मक प्रक्रिया को अपनाते हैं जिसका परिणाम होता है बेलगाम कन्या भ्रूण हत्या, जो कि ग्रामीण परिवेश में तो क्या, धनाढ्य और शहरी उच्च वर्गीय परिवारों में भी आम बात है जिससे महिलाओं का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी लंबे समय तक नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है। विश्व आर्थिक मंच की वर्ष 2025 की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट में भारत 148 देश में 131 में स्थान पर है।

कानून और संवैधानिक रूप से पूर्णतः स्वतंत्र हैं महिलाएं

कानून और संवैधानिक रूप से महिलाएं पूर्ण रूप से स्वतंत्र और अधिकार संपन्न नागरिक है परंतु भारतीय समाज को उन्हें स्वतंत्र रूप मे आत्मसात करने में और पुरुषों के बराबर समझने में अभी कम से कम 50 वर्ष का सफर और तय करना होगा। भारतीय महिलाओं के लिए मर्यादाएं और नैतिक मूल्यो के बंधन इतने अदृश्य और जटिल है कि कई बार महिला के नजदीक से नजदीक व्यक्ति भी जान नहीं पाते की महिला घुटन की किस स्थिति से दो-चार हो रही है।

घरों में रहने वाली अनेक सुघड़ गृहणिया जिनके श्रम का कोई मूल्य और वेतन नहीं है और जिन्होंने अपना पूरा जीवन पुरुष की आश्रितता में बिता दिया, अनेको बार घरेलू हिंसा, दुराचार और अपमान से दो चार होती है तो लगता है कि कहां है महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों का घोषणा पत्र जो कागजों में महिलाओं के प्रति सम्मान और उपलब्धियां को दर्शाता है। सामाजिक बहिष्कार और ताड़ना के भय से महिलाएं अपने साथ होने वाले अपराधों के विरुद्ध आवाज तक नहीं उठाती है। पिछले दो दशक से महिला साक्षरता दर में इजाफा हुआ है। माता-पिता अपनी बेटियों को बेटों के बराबर ही शिक्षित कर रहे हैं और बेटियां उच्च पद और गरिमामय वेतन प्राप्त कर रही है परंतु आजादी के इतने वर्षों बाद भी महिलाएं यथार्थ रूप से पुरुषों के समान स्वतंत्रता और अधिकारों का उपभोग नहीं कर रही है। आज आवश्यकता है महिलाओं के प्रति कुप्रथाओं और कुरूतियो पर लगाम लगाने की, दहेज उत्पीड़न को रोकने की, कार्यस्थल पर उन्हें काम के लचीले घंटे प्रधान करने की और साथ ही उन्हें घर और बाहर दोनों स्थान पर बेहतर सुरक्षात्मक और मानसिक वातावरण प्रदान करने की। साथ ही महिला और पुरुष दोनों को यह आत्मसात करना होगा कि स्वतंत्रता और स्वछंदता में भारी अंतर होता है। स्वतंत्रता व्यक्तित्व को निखारती है और पंख देती है वही बेलगाम स्वच्छंदता मूल्य और व्यक्तित्व का कई बार ह्रास भी करती है।

भारतीय महिलाओं को कानून और संविधान द्वारा अनेक अधिकार और स्वतंत्रता दी गई है और पहले के मुकाबले महिलाओं की स्थिति मैं काफी हद तक सुधार भी हुआ है अब आवश्यकता है महिला को उच्च शिक्षा और जागरूकता के साथ उन्हें आगे बढ़ाने के उचित अवसरों के साथ मजबूत आत्मबल की जिससे महिलाएं भावी भारत की पीढ़ियों का निर्माण संवैधानिक आदर्श और प्रावधानों के अनुसार कर सके, साथ ही भारतीय संस्कृति और सनातन का गौरव भी चिरकाल तक स्थायी बना रहे, तभी सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता का अर्थ सार्थक होगा।

बच्चों में क्राफ्ट मेकिंग से बढ़ती है रचनात्मकत क्षमता

बच्चों के लिए क्राफ्ट बनाना बहुत पसंद होता हैं। और यह बच्चों की रचनात्मकता क्षमता को बढ़ाता हैं। साथ ही इससे पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट, रीसाइकिल्ड क्राफ्ट से बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ती हैं और बच्चों की मोटर स्किल्स को भी सुधारती हैं। यह क्राफ्ट बच्चें घर पर बहुत आसानी से बना सकते हैं।

पत्तों और फूलों की पेंटिंग

इसके लिए जरूरी सामान सूखे पत्ते और फूल, सफेद चार्ट पेपर, पेंट या वॉटरकलर, पेंट ब्रश, स्पंज चाहिए होगा।

बनाने की विधि : सबसे पहले पत्तों और फूलों को अच्छे से साफ करें। फ़िर पेपर पर अपनी पसंद की डिज़ाइन में पत्तों और फूलों को रखें। स्पंज या ब्रश की मदद से उन पर रंग भरें। अब पत्तों को धीरे से हटा लें। सूखने के बाद इसे फ्रेम में लगाकर वॉल आर्ट के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

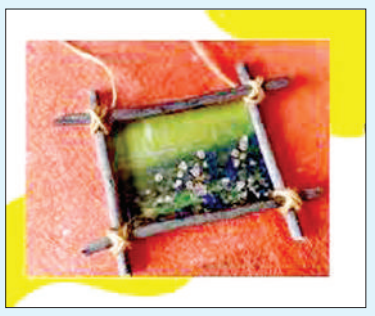

ट्विग और ब्रांच फोटो फ्रेम

इसके लिए जरूरी सामान सूखी टहनियां, कार्डबोर्ड, गोंद (फेवीकोल), कैंची, फोटो प्रिंट चाहिए होगा।

बनाने की विधि : पहले कार्डबोर्ड को अपनी पसंद के आकार में काट लें। फ़िर बीच में फोटो के साइज का कटआउट बनाएं। टहनियों को समान आकार में काटकर कार्डबोर्ड फ्रेम पर चिपकाएं। गोंद सूखने के बाद इसे फोटो को फ्रेम में लगाएं। अब इसे कमरे की दीवार पर लटका सकते हैं।

स्टोन पेंटिंग

ये स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए जरूरी सामान चिकने पत्थर, एक्रेलिक पेंट, पेंट ब्रश, वार्निश (शाइन और सुरक्षा के लिए) चाहिए होगा।

बनाने की विधि : सबसे पहले पत्थरों को धोकर सुखा लें। फ़िर एक्रेलिक पेंट से अपनी पसंद के अनुसार जैसे फूल, पक्षी या मंडला डिज़ाइन बनाएं। पेंट सूखने के बाद उस पर वार्निश की कोटिंग करें। इसे पेपरवेट या गार्डन डेकोर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

खाना खजाना

मोहनथाल मिठाई

मोहनथाल गुजरात की एक प्रसिद्ध मिठाई है, जो बेसन, घी, चीनी और सूखे मेवों से बनती है। यह एक पारंपरिक मिठाई है जो अक्सर त्योहारों और विशेष अवसरों पर बनाई जाती है। इसे "मोहनभोग" या "बेसन बर्फी" भी कहा जाता है, लेकिन गुजरात में इसे "मोहनथाल" के नाम से जाना जाता है।

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर, लखनऊ

सामग्री

दानेदार बेसन का मिश्रण

- मोटा बेसन, घी 2 चम्मच/25 ग्राम
- दूध 2 चम्मच/30 एमएल

खाना पकाने के लिए बेसन

- घी 3/4 कप/150 ग्राम
- दूध 1/2 कप/115 ग्राम

चीनी की चाशनी

- चीनी 1 कप / 200 ग्राम
- पानी 1/2 कप /115 ग्राम
- इलाइची पाउडर 1/2 छोटा चम्मच
- केसर कुछ धागे
- जायफल एक चुटकी (कद्दूकस किया हुआ)

गार्निश के लिए

- बादाम (कटा हुआ) आवश्यकतानुसार
- पिस्ता (कटा हुआ) आवश्यकतानुसार

बनाने की विधि

एक बड़े कटोरे में घी और दूध के साथ बेसन डालें, बेसन को अपने हाथों के बीच मिलाएं और रगड़ें फिर बेसन को कटोरे में दबाएं, ढंक दें और 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बार आराम करने के बाद, अपने हाथों से सेट आटे को तोड़ें और फिर एक बड़े छेद वाली छलनी (गेहूं की छलनी) का उपयोग करके इसे दूसरे बड़े कटोरे में छान लें, बारीक छलनी का उपयोग न करें अन्यथा आप सही बनावट प्राप्त नहीं कर पाएंगे, अगर आटे की कोई सख्त गांठ रह जाती है, तो बस उन्हें मिक्सर ग्राइंडर का उपयोग करके पीस लें और फिर छलनी से छान लें। अगर आपके पास छलनी नहीं है तो आप मिक्सर ग्राइंडर का उपयोग करके सीधे मिक्सर को छोटे दानों में पीस सकते हैं। बेसन पकाने से पहले, घी और बटर पेपर का उपयोग करके एक ट्रे या एक बड़ी थाली को लाइन करें, मैंने 9x7 इंच के एल्युमिनियम केक टिन का उपयोग किया। एक कढ़ाई में घी की आधी मात्रा डालें और इसे तेज़ आंच पर पिघलने दें, फिर तैयार बेसन का मिश्रण डालें और अच्छी तरह से हिलाएं, जब आटा सारा घी सोख ले तो बचा हुआ मिश्रण डालें और अच्छी तरह से हिलाएं। बेसन को धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए पकाएं जब तक कि यह बिस्किट जैसा रंग न ले, मिश्रण थोड़ा ढीला हो जाएगा और पकने की प्रक्रिया के दौरान झाग बनेगा, इसमें लगभग 20-25 मिनट लगेंगे।

जब यह बिस्किट जैसा रंग ले ले, तो आंच बंद कर दें और धीरे-धीरे दूध डालें, शुरुआत में एक बार में केवल एक चम्मच, क्योंकि मिश्रण में बुलबुले उठेंगे, इसलिए बहुत सावधानी बरतें। जब आप कुछ चम्मच डाल दें और मिश्रण में बुलबुले उठना बंद हो जाए तो आप बचा हुआ सारा दूध एक बार में डाल सकते हैं, सुनिश्चित करें कि आप इसे लगातार हिलाते रहें। आंच को फिर से धीमा कर दें और मिश्रण को 4-5 मिनट तक पकाएं या जब तक कि हल्का सा चमकीलापन न दिखने लगे, घी पूरी तरह से अलग नहीं होना चाहिए। फिर आंच बंद कर दें, मिश्रण को 2-3 मिनट तक चलाते रहें और इसे थोड़ा ठंडा होने दें, अगर आप इसे कढ़ाई में ही रहने देंगे तो बची हुई गर्मी के कारण मिश्रण काला हो जाएगा।

एक अलग पैन में चाशनी की सारी सामग्री डालें और इसे तेज़ आंच पर उबालें, फिर आंच धीमी कर दें और चाशनी को एक तार की स्थिरता तक आने पर पकाएं। जांच करने के लिए, एक चम्मच पर थोड़ी मात्रा में चाशनी लें और जलने से बचाने के लिए इसे कुछ सेकंड के लिए ठंडा होने दें, अपने अंगूठे और तर्जनी के बीच चाशनी को दबाएं, फिर अपनी उंगलियों को धीरे से अलग करें, अगर आपकी उंगलियों के बीच एक पतली तार बनती है, तो चाशनी एक तार की स्थिरता तक पहुंच गई है। आंच बंद कर दें और चाशनी को हिलाते रहें और इसे 2-3 मिनट तक ठंडा होने दें। पके हुए बेसन में चाशनी डालें, इसे 1-2 मिनट तक हिलाएं जब तक कि सब कुछ मिल न जाए। फिर मोहनथाल मिश्रण को ट्रे में डालें और इसे समान रूप से फैलाएं और फिर एक स्पैटुला या सपाट कटोरे का उपयोग करके सतह को समतल करें। आप चाहें तो इस अवस्था में मोहनथाल पर कटे हुए मेवे भी डाल सकते हैं और इसे कम से कम 3 घंटे या रात भर के लिए रख दें। एक बार जब यह जम जाए, तो इसे बटर पेपर से हटा दें और फिर टुकड़ों में काट लें। आपका स्वादिष्ट और मुंह में घुल जाने वाला मोहनथाल तैयार है।

कैसे करें बरसात के मौसम में स्किन की देखभाल

बरसात के मौसम में स्किन को लेकर कई समस्याएं उत्पन्न होती रहती है। फंगल इंफेक्शन और मुंहासे की समस्या काफी परेशान करती है। मानसून के मौसम में स्किन की देखभाल कैसे करें आइए जानते है। मानसून के मौसम में गर्मी से राहत तो मिल जाती है। लेकिन बारिश के कारण कई त्वचा संबंधित बीमारियां पैदा हो जाती है। बरसात के मौसम में उमस और गर्मी के कारण कई स्किन समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। मानसून में फंगल इंफेक्शन और पिंपल्स की परेशानियां काफी बढ़ जाती है। हवा में नमी और उमस बढ़ने से रोमछिद्र बंद हो सकते हैं, त्वचा पर अत्यधिक तेल का उत्पादन और बैक्टीरिया की वृद्धि हो सकती है, जो ये कारक सभी मुंहासे पैदा कर सकते हैं। आइए मानसून में मुंहासे से छुटकारा पाने के लिए क्या करना चाहिए।

चेहरे को साफ रखें- मानसून के सीजन में चेहरे को साफ रखना बेहद जरुरी है। बारिश के मौसम में फेस को दिन में दो बार जरुर धो लें। इसे चेहरे की गंदगी साफ होती है। अगर आप मेकअप करते हैं तो बिना मेकअप हटाएं न सोए, ऐसा करने मुहांसे निकाल सकते हैं। बरसात के समय फंगल इंफेक्शन काफी फैलता है जरुरी है कि चेहरे को 2 बार फेस वॉश से क्लीन करें।

एक्सफोलिएट करना जरूरी

बरसात के मौसम में चेहरे की देखभाल के लिए यह जरुरी है कि आप एक्सफोलिएट करें। किसी भी माइल्ड स्क्रब से अपने चेहरे को हफ्ते में 2 या 3 तीन बार जरुर करें। स्क्रब करने से चेहरे से डेड सेल्स और रोमछिद्रों खुल जाते हैं। अगर आपकी स्किन नॉर्मल या फिर कॉम्बिनेशन है तो ग्लाइकोलिक या सैलिसिलिक एसिड वाले स्क्रब का प्रयोग करें। ड्राई स्किन के लिए मॉइस्चराइजिंग स्क्रब का प्रयोग करें।

सही मॉइस्चराइजर का चयन

इस मौसम में त्वचा को मॉइस्चराइजिंग रखना जरुरी है। त्वचा को मॉइस्चराइजिंग रखने से स्किन हाइड्रेट रहती है, ड्राईनेस दूर होती है और स्किन हेल्दी नजर आती है। याद रखें कि बंद छिद्र और मुंहासे पैदा न करने वाला मॉइस्चराइजर न खरीदें।

खुद को हाइड्रेट रखें

अच्छी तरह से हाइड्रेटेड त्वचा कम तेल पैदा करती है और सुस्त त्वचा अक्सर निर्जलीकरण का संकेत देती है। अपनी त्वचा और कोशिकाओं को हाइड्रेटेड रखने के लिए, पानी से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे खीरा, तरबूज आदि से भरपूर आहार के साथ 'पानी का सेवन करें', जिससे स्थायी जलयोजन सुनिश्चित हो सके।

मेकअप करते समय न भूलें ये चीजें

अगर आप बरसात के मौसम में मेकअप करते हैं तो इन चीजों का ध्यान रखें। मेकअप आप मुंहासे पैदा न करने वाले ही प्रोडक्ट का प्रयोग करें। मेकआप लाइट ही करें और मिनरल बेस्ड मेकअप का प्रयोग न करें। इसके साथ ही ध्यान रहे कि आईलाइनर और मस्कारा वाटरप्रूफ हो।

बिस्मिल और अशफाक एक साथ करते थे हवन और नमाज

रियासत उल्लाह खान के पोते अफाक उल्लाह खान ने बताया दोनों एक ही थाली में खाते थे खाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : आजादी की लड़ाई की एक ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्लाह खान एक ही जगह हवन करते और नमाज पढ़ते थे और एक ही थाली में खाना खाते थे। वे हमेशा एक दूसरे के साथ खड़े रहते थे।

अशफाक और बिस्मिल की सौहार्द व भाईचारे की यह क्रांतिकारी कहानी मिसाल के तौर पर याद की जाती है। 9 अगस्त, 1925 को हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) के क्रांतिकारियों बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खान, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी ने लखनऊ जिले के काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन को रोककर गार्ड के केबिन से ब्रिटिश खजाने को लूट लिया था। ब्रिटिश सरकार ने इस योजना को अंजाम देने के लिए चारों को 19 दिसंबर, 1927 को फांसी दे दी थी। अशफाक उल्लाह खान के बड़े भाई रियासत उल्लाह खान के पोते अफाक उल्लाह खान (55) बताते हैं कि उन दिनों, जब बिस्मिल शाहजहांपुर के आर्य समाज मंदिर में हवन करते थे, अशफाक उल्लाह साहब उसी स्थान पर नमाज पढ़ते थे।

उन्होंने याद किया कि वे दोनों न केवल एक ही थाली में खाना खाते थे, बल्कि हर समय एक-दूसरे के साथ खड़े भी रहते थे। अफाक उल्लाह बताते हैं कि काकोरी ट्रेन एक्शन से कुछ महीने पहले, शाहजहांपुर में आर्य समाज मंदिर पर भीड़ के धावा बोलने के बाद सांप्रदायिक दंगा हुआ था। तब अशफाक उल्लाह साहब भीड़ का सामना करने वाले पहले व्यक्ति थे।

खजाना लूटने के बाद खड़ी हो गई थी मुसीबत

लखनऊ, अमृत विचार : 9 अगस्त, 1925 की शाम थी। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के लिए धन जुटाने के मकसद से युवा क्रांतिकारियों के एक समूह ने लखनऊ के निकट काकोरी में एक ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने की साहसिक योजना बनाई। उन्हें इस योजना को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हालांकि काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ ऐसी चीजें भी रहीं, जिनके बारे में बहुत कम जानकारी सामने आई है। इस वर्ष इस घटना की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण घटना थी। इस अवसर पर उन क्रांतिकारियों के परिजनों ने एजेंसी को काकोरी ट्रेन एक्शन के बारे में कुछ रोचक जानकारी दी। स्वतंत्रता सेनानी अशफाक उल्लाह खान के परपोते अशफाक उल्लाह खान ने ऐसे ही एक दिलचस्प वाकये के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जब क्रांतिकारियों को लगा कि ट्रेन डकैती को पूरी तरह से अंजाम दे दिया गया है, तो उन्हें एक अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पड़ा। अशफाक ने कहा कि वह समस्या यह थी कि 4,600 रुपये रखे, जिस संदूक को उन्होंने लूटा था, वह उनकी कल्पना से कहीं अधिक मजबूत था, जिससे अशफाकउल्ला खान समेत योजना में शामिल लोगों की जान जोखिम में पड़ गई। उन्होंने कहा, इसके बाद मेरे परदादा (अशफाक उल्लाह खान) ने एक हथौड़ा उठाया और दो जोरदार वार से संदूक को चीर दिया।" अशफाक ने मुस्कुरते हुए बताया कि ताला तोड़ने के बाद अशफाक उल्लाह खान ने हल्के-फुल्के अंदाज में अपने साथी शाकाहारी क्रांतिकारियों से कहा कि "यह ताला तोड़ना पूरी सब्जी खाने वालों के लिए संभव नहीं था।" अशफाकउल्ला खान रामप्रसाद बिस्मिल और दूसरे क्रांतिकारियों के साथ काकोरी ट्रेन एक्शन में प्रमुख रूप से शामिल थे। अशफाक (59) ने कहा, "मैंने भी उन लोहे के संदूकों को पहली बार तब देखा था जब मैं मात्र 15 वर्ष का था।" आज 4,600 रुपये की राशि का कोई खास मूल्य नहीं है, लेकिन उस समय यह राशि बहुत बड़ी थी।

मुख्यमंत्री ने काकोरी एक्शन के क्रांतिकारियों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन' के 100 वर्ष पूरे होने पर क्रांतिकारियों और वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'ब्रिटिश शासन की चूलें हिला देने वाले 'काकोरी रेल एक्शन' की वर्षगांठ पर सभी अमर क्रांतिवीरों को शत-शत नमन!' उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, 'मां भारती के सपूतों की यह शौर्य गाथा देश वासियों के लिए प्रेरणापुंज है। इन वीरों का त्याग, साहस और राष्ट्र प्रेम सदैव हमारे हृदयों को 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।' उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'काकोरी ट्रेन एक्शन' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में साहस, बलिदान व अटूट देशभक्ति का अमर प्रतीक है। 9 अगस्त 1925 को काकोरी में भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश राज के विरुद्ध क्रांति के लिए हथियार खरीदने के मकसद से ब्रिटिश सरकार का खजाना लूट लिया था।

काकोरी कांड के नायकों को मंत्री सुरेश खन्ना ने किया नमन

शहीद का प्रतिमा पर तिलक करते वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- संकल्प संस्था के तत्वावधान में बिस्मिल उद्यान में आयोजित हुआ स्मृति दिवस समारोह

अमृत विचार: रचनात्मक संस्था संकल्प के बैनर तले शनिवार को खिरनी बाग स्थित बिस्मिल उद्यान में काकोरी ट्रेन एक्शन स्मृति दिवस का आयोजन किया गया।

समारोह का शुभारंभ मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद महापौर अर्चना वर्मा, नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र, अपर नगर आयुक्त एसके सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता सहित उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शशि गुप्ता ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् प्रस्तुत किया, जबकि तेजवीर गुप्ता ने उद्यान में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। संचालन कवि डॉ. इन्दु अजनबी ने किया। इस अवसर पर विजय तुली, जीसी मिश्रा, गीता पांडे, डॉ. राजेन्द्र कुशवाहा समेत अन्य रहे।

न्यूज ब्रीफ

नौकरी लगवाने के नाम पर 23 लाख की ठगी

मुरादाबाद, अमृत विचार : रामपुर के सिविल लाइंस निवासी मुन्नीलाल ने सिविल लाइंस पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि 2021 में बेटे की खुदकुशी के बाद दो मंजिला मकान साकेत सक्सेना को 80 लाख में बेच दिया। इसी बीच परिचित रागिनी शर्मा निवासी रामपुर ज्वाला नगर सिविल लाइंस ने खुद को अधिकारी की बहन बताते हुए बेटे द्वारा की गई खुदकुशी की पुलिस द्वारा की जा रही जांच बंद कराने और बेटी की नौकरी नगर निगम में लगवाने का भरोसा दिलाया। रागिनी ने जांच खत्म कराने के लिए तीन लाख और बेटी की नौकरी के नाम पर तीन लाख 50 हजार, गिफ्ट के नाम पर दो लाख, जमीन दिलाने के नाम पर चार लाख, चकबंदी में मदद के नाम पर लाखों रुपये अलग-अलग माध्यम से वसूल लिए। आरोप है कि सुशील शर्मा निवासी ताड़ीखाना, अख्तर चांदपुर कटघर, शमशाद और ब्रजपाल समेत कई लोगों ने रागिनी के साथ मिलकर रकम ली, लेकिन काम नहीं किया।

स्कूटी फिसलने से डूबकर युवक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम किवाड़ में शुक्रवार को रक्षाबंधन के त्योहार की खुशियों को मातम में बदल दिया। ग्राम किवाड़ निवासी नितू (35 वर्ष) पुत्र बृजनंदन सिंह की डूबने से मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, नितू सुबह सहसपुर में बैंक से पैसे निकालने गया था। जयरामपुर और किवाड़ के बीच करूला नदी के पुल पर पानी का तेज बहाव था। पैसे निकालकर लौटते समयन स्कूटी फिसल गई और नितू पानी में गिर गया। लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन तेज धारा में वह बह गया। बाद में उसे निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वह शुक्रवार सुबह ही गुरुग्राम से अपने गांव रक्षाबंधन का त्योहार मनाने आया था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। बहनें और मां बिलखतीं रहीं।

मां-बाप व भाई के शवों को दी मुखाग्नि

रहरा, अमृत विचार : एक ही परिवार के तीन सदस्यों सड़क दुर्घटना में मौत के बाद शनिवार शाम करीब 4 बजे तीनों शवों का अनूपशहर के जेपी घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। सुरेंद्र ने मां पानकौर, पिता पूरन सिंह व छोटे भाई रवि को नम आंखों के साथ मुखाग्नि दी तो उसके हाथ कांप उठे। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत के बाद पूरे गांव में मातम छा गया।

साड़ी से गांठ बांध तीन बच्चों के साथ नहर में कूदकर दी जान

बांदा कार्यालय

- घरेलू कलह में बांदा में हुई दिल दहलाने वाली घटना, पुलिस ने पति को हिरासत में लिया

अमृत विचार: नरैनी कोतवाली अंतर्गत रिसौरा गांव में शनिवार सुबह मां ने अपने तीन छोटे-छोटे बच्चों को साड़ी से बांधकर नहर में छलांग लगा दी। इससे डूबने से चारों की मौत हो गई। जानकारी होने पर पुलिस ने नहर का पानी कम कराकर शवों को बरामद किया। आत्महत्या की वजह घरेलू कलह और पति की मारपीट बताई जा रही है। पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि रिसौरा गांव निवासी बीना (30) अपने पुत्रों हिमांशु (9), प्रिंस (3) और बेटी अंशी (5) के साथ शनिवार सुबह मायके जाने को कहकर घर से निकली थी। पर वह मायके नहीं पहुंची। बीना और बच्चों के गायब होने की जानकारी पर दोपहर बाद मायके और ससुराल वालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पुलिस को क्षेत्र की केन नहर के पास बीना के कुछ कपड़े, चप्पल, चूड़ियां पड़ी मिलने की जानकारी हुई। पुलिस टीम ने नहर का पानी कम कराया और गोताखोरों की मदद ली। काफी देर की मशक्कत के बाद बीना व तीनों मासूम बच्चों के शव नहर से मिले। मां ने बच्चों के हाथ अपनी साड़ी से बांध रखे थे। मायके पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि पति अखिलेश अक्सर नशेबाजी में बीना को पीटता था। बीना ने यह बात मायके वालों को बताई थी। अखिलेश को समझाया गया लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। मायके वालों की शिकायत पर पुलिस ने पति अखिलेश को हिरासत में ले लिया है। अपर एसपी शिवराज सिंह ने बताया कि बीना के परिजनों से तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

दुकान से खरीदी मिठाई में निकला कीड़ा, हंगामा

पीलीभीत, अमृत विचार : रक्षाबंधन की खरीदारी के बीच असम चौराहा पर व्यापारी नेता की दुकान से खरीदी गई सील पैक्ड मिठाई में कीड़ा रेंगता दिखा। जिसके बाद भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ता गुस्सा गए और जमकर हंगामा किया।

कार्यकर्ताओं ने सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए दुकान के बाहर ही धरना शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस और एफएसडीए टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया गया। इसके बाद एफएसडीए टीम ने दुकान से तीन सैंपल लिए। जांच के लिए लैब भेजा गया है।

सड़क पर फिसली बाइक बनी आग का गोला, एक जिंदा जला, साथी झुलसा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

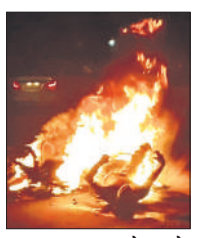

- जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा साथी, भर्ती

अमृत विचार: पीलीभीत बस्ती हाईवे पर शुक्रवार रात रामापुर चौराहे पर तेज रफ्तार बाइक फिसलकर पलट गई और आग का गोला बन गई। देखते ही देखते बाइक चालक युवक लपटों में घिरकर जल गया, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से झुलसकर जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहा है।

रात 11 बजे सदर कोतवाली के शहर से सटे गांव सलेमपुर निवासी राहुल और सीतापुर जिले के थाना हरगांव के गांव महादेव अटरा निवासी शांतनु दोस्त थे। दोनों बाइक से खमरिया की ओर से आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों ने शराब पी रखी थी और बाइक की रफ्तार काफी थी।

रामापुर चौराहे पर बाइक का संतुलन बिगड़ गया और घिसटती चली गई, पेट्रोल की टंकी का ढक्कन खुल गया। इससे बह रहे पेट्रोल में रगड़न से उठी चिंगारी से आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि शांतनु को बचने का कोई मौका नहीं मिला। वह मौके पर ही जल गया। हादसे की सूचना पर रामापुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से मोतीपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसकी गंभीर हालत देखते हुए मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। कोतवाल हेमंत राय ने बताया मृतक की पहचान उसके चाचा अमर वर्मा ने शांतनु (26) के रूप में की है। उसके साथी राहुल की भी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दिल्ली में बारिश से दीवार ढही, 8 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

घटनास्थल पर बचाव कार्य में जुटी जेसीबी।

- राजधानी के जैतपुर में हुआ हादसा, आईएमडी ने रेड अलर्ट किया था जारी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह भारी बारिश के बीच जैतपुर में मोहन बाबा मंदिर के पास दीवार गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। डीएफएस अधिकारियों के मुताबिक, अग्निशमन विभाग को शनिवार सुबह नौ बजकर 16 मिनट पर घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस दल के साथ दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं।

राष्ट्रीय राजधानी में रात भर भारी बारिश हुई और भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश शुक्रवार देर रात 11 बजे शुरू हुई थी। पुलिस ने बताया कि पीसीआर को सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर दीवार ढहने के बारे में पहली कॉल मिली, जिसमें फोन करने वाले ने कहा, बड़ी दीवार गिर गई है और मलबे के नीचे चार से पांच लोग फंसे हुए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही जैतपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) सभी उपलब्ध कर्मियों के साथ रस्सियां और अन्य बचाव उपकरण लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

11 घंटे की बारिश से 300 फ्लाइट्स लेट

तेज बारिश के चलते 300 से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से उड़ान भरी। कई इलाकों में पानी भर गया है। ऐसे में ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग ने आज दिनभर के लिए मौसम का रेड अलर्ट जारी किया है।

चौकी प्रभारी सहित सभी 9 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, संभल

- गंभीर शिकायतों के बाद पूरी पुलिस चौकी पर की गई कार्रवाई
- गुन्नौर कोतवाली के वाहन चालक को निलंबित किया

अमृत विचार: एसपी ने गंभीर शिकायतों पर कउड़ी कार्रवाई कर हयातनगर थाने की सरायतरीन पुलिस चौकी के प्रभारी सहित सभी 9 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। गुन्नौर कोतवाली के वाहन चालक को निलंबित किया गया है।

सरायतरीन पुलिस चौकी के प्रभारी सुधीर कुमार और पुलिस कर्मियों के खिलाफ कई शिकायतें मिली थीं। हैंडीक्राफ्ट कारोबारियों से वसूली के साथ ही एक बाइक को पकड़ने के बाद छोड़ देने की शिकायत थी। शिकायत की जांच पुलिस अधीक्षक ने संभल के सीओ आईपीएस आलोक कुमार भाटी को सौंपी थी। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने चौकी के प्रभारी सुधीर कुमार के साथ ही हेड कांस्टेबल तेज सिंह, हेड कांस्टेबल विकास चौधरी, सिपाही विश्वास चौधरी, मोहित तोमर, अक्षय पुंडीर, अरुण कुमार, हिमांशु चौधरी व रितेंद्र चौधरी को लाइन हाजिर कर दिया गया। इन सभी को पुलिस लाइन भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई से पुलिस विभाग में में हड़कंप मचा है। वहीं गुन्नौर कोतवाली में तैनात वाहन चालक प्रमोद कुमार के खिलाफ भी पुलिस अधीक्षक को गंभीर शिकायतें मिली थीं।

नदी में डूबे तीन में से एक का शव मिला

शाहजहांपुर, अमृत विचार: गर्रा और खन्नौत नदी में अलग-अलग दिन में डूबे तीन युवकों में एक का शव दनियापुर गांव के सामने खन्नौत नदी में उतराता मिला है। दो युवकों के शव नहीं मिले है। पीएसी की बाढ़ कंपनी स्टीमर लेकर दोनों की नदी में तलाश कर रही है। नदी में पानी बढ़ने से उनके सामने दिक्कत बढ़ गई है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बहादुरपुरा निवासी विजलेश (21) बुधवार शाम 6 बजे खन्नौत पुल की रैलिंग पर रील बनाने के लिए खन्नौत नदी में छलांग लगा दी थी। नदी में कूदने के बाद भूरे करीब 500 मीटर तक तैरता दिखाई दिया था और उसके बाद हाथ दिखाई दिए थे, फिर उसका पता नहीं चला था। गोताखोरों और पीएसी की बाढ़ कंपनी ने स्टीमर लेकर नदी में डूबे युवक की तलाश की।

2 सस्पेंड, एसएसआई सहित 2 लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: नशे में धुत सादे कपड़ों में आए पुलिसकर्मियों ने कैंटीन संचालक के साथ जमकर मारपीट की। उसे दौड़ाकर पीटा। शिकायत के बाद एसपी ने दो सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया तथा एसएसआई व दो अन्य सिपाहियों को लाइन हाजिर किया है।

घटना गुरुवार की रात थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव शकरपुर स्थित नेशनल हाईवे पर जीएमएस कॉलेज के पास कैंटीन की है। दरअसल कैंटीन चलाने वाले साकिब ने बताया कि एक सफेद रंग की कार में सिविल ड्रेस में पांच पुलिसकर्मी आए। वे सभी नशे में थे। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने थाने का महीना मांगा। उसने कहा कि वह कोई गलत काम नहीं करता, तो कैसा महीना। इस बात पर सभी पुलिसकर्मी आग बबूला हो गए।

उन्होंने लात-घूंसों से जमकर मारपीट की। मारपीट में पीड़ित की आंख फूटने से बाल-बाल बच गई। वीडियो बना रहे युवक को दौड़ाकर पीटा। पुलिसकर्मियों ने अपनी कार से पीड़ित के पिता शमसुद्दीन को रौंदने की भी कोशिश की।

प्रा. वि. कांकरटोला नगर क्षेत्र, बरेली

पत्रांक : एस.एस.ए./160-सी/2024-25

नीलामी सूचना

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बरेली के पत्रांक एस.एस.सी.निर्माण/2886-94/ 2024-25 दिनांक 26.9.24 के अनुपालन में प्रा. वि. कांकरटोला (निकट मॉडल टाउन पुलिस चौकी) नगर क्षेत्र बरेली के जर्जर कमरों की नीलामी 11 अगस्त, 12 अगस्त, 13 अगस्त 2025 को प्रातः 10 बजे प्रा. वि. कांकरटोला के प्रांगण में की जायेगी। नीलामी की शेष शर्तें व विषय विद्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है। नीलामी के समय बोलीदाता को जमा धनराशि के साथ मूल आधार लाना अनिवार्य है। नीलामी स्वीकृत होने पर 25% की धनराशि तीन दिन के अन्दर विद्यालय के SMC खाते में जमा करनी होगी।

ममता सक्सेना (सचिव) राधा देवी (अध्यक्ष)
विद्यालय प्रबन्ध समिति प्रा.वि. कांकरटोला नगर क्षेत्र, बरेली।

मजदूरी मांगने पर युवक को झूले से बांधकर पीटा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

मजदूर को बांधकर पीटता युवक।

अमृत विचार : मूंढापांडे थाना क्षेत्र में मजदूरी के पैसे मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। रेस्टोरेंट संचालक दो युवकों ने उसे झूले से बांधकर लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा, गालियां दीं और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पिटाई का वीडियो वायरल हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित संजू निवासी मूंढापांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार की सुबह वह अपनी मजदूरी के पैसे लेने हवाई अड्डा रेस्टोरेंट गया था। मूंढापांडे निवासी रेस्टोरेंट संचालक यशपाल और धीरज ने उसे पकड़ लिया और पार्क में लगे झूले से बांध दिया। इसके बाद दोनों ने गालियां देते हुए लाठी-डंडों से उसकी पिटाई की। उसके गुप्तांग के साथ छेड़छाड़ की और गला दबा दिया। पुलिस से शिकायत करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आरोपियों ने पिटाई के दौरान वीडियो बनाया जो वायरल हो गया। थाना प्रभारी मूंढापांडे राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रामगंगा के जलस्तर में आई कमी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

कटघर पुल के नीचे तेज गति से बहता रामगंगा का पानी। ● अमृत विचार

- बाढ़ के पानी से फसलों और संपत्ति को भारी नुकसान, हजारों बीघा फसल नष्ट

अमृत विचार: कई दिनों से नदियों के बढ़े जलस्तर से जिले में बाढ़ की स्थिति से लोगों को काफी नुकसान हुआ। घरों में रखा सामान नुकसान होने के साथ ही हजारों बीघा फसल नष्ट होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। हालांकि शनिवार को रामगंगा का जलस्तर घटते क्रम में रिकॉर्ड किया गया। जिससे बाढ़ बचाव व राहत कार्य में जुटे अधिकारियों व कर्मचारियों को सहूलियत मिली।

बाढ़ खंड विभाग के अधिशासी अभियंता के अनुसार शुक्रवार रात दो बजे से चार बजे तक रामगंगा का जलस्तर 191.45 से 191.46 मीटर के बीच स्थिर रहा। सुबह 4 बजे से पानी का स्तर धीरे-धीरे कम होना शुरू हुआ। सुबह 8 बजे तक जलस्तर घटकर 191.40 मीटर पर पहुंच गया और केंद्रीय जल संसाधन विभाग द्वारा कटघर पुल के नीचे लगाए गए गेज के अनुसार सुबह 10 बजे यह और घटकर 191.39 मीटर रह गया। अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर में कमी का रुझान जारी है, हालांकि अभी पूरी तरह से सामान्य होने में समय लग सकता है। फसलों और संपत्ति का भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि अब रामगंगा का पानी उतरने लगा है, लेकिन जिले के कई क्षेत्रों में बर्बादी के निशान छोड़ गया है। किसानों की हजारों बीघा धान, मक्का और सब्जियों की फसल बर्बाद हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई घर और कच्ची सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी. पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:- **क्रम सं.-1,** ई-प्रापण निविदा संख्या: NER-GKP-RSP-2025-02, कार्य का नाम: गोण्डा-गोण्डा कचहरी रेलवे स्टेशनों के बीच किमी 661/4-5 पर नियंत्रण रेखा संख्या 264/बी 1 के स्थान पर दो लेन वाले अंत-से-अंत सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) का निर्माण, जिसमें आरई दीवार/पीएससी गर्डर/संयुक्त गर्डर शामिल हैं और पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के रेलवे भाग में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग किया जायेगा। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹56,78,58,537.43, बयाना राशि: ₹29,89,300/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 (चौबीस) माह।
- बिड प्रारम्भ करने की तिथि: दि. 18-08-2025
- उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि: दिनांक 01-09-2025, 15:00 बजे तक,
- उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 01-09-2025, 15:00 बजे
- निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखा जा सकता है।
- निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।
- कार्य का प्लान हेड-30 तथा एलोकेशन 26304603 है।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.,
मुजाधि/डब्लू-199 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय ग्राम पचायत मोहसनपुर वि.ख. इस्लामनगर बदायूं

अल्पकालीन निविदा सूचना दिनांक : 09.08.2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र राज्य/मनरेगा, स्वच्छ मिशन (ग्रा.)/RGSA योजनाओ अंतर्गत प्राप्त धनराशी से ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार निम्न कार्य कराये जाने है। सीसी रोड निर्माण कार्य , नाली निर्माण एवं नाली मरम्मत, खडंजा निर्माण एवं मरम्मत, मिट्टी भराव कार्य, फर्नीचर क्रय, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट स्थापना/अनुरक्षण, हैंड पंप रिबोर कार्य हैंडपंप मरम्मत कार्य, वाल पेंटिंग, प्राथमिक स्कूल शौचालय निर्माण/मरम्मत, उच्च प्राथमिक विद्यालय शौचालय निर्माण कार्य, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण व मरम्मत, प्राथमिक स्कूल बाउन्ड्रीवॉल निर्माण एवं मरम्मत, उच्च प्राथमिक विद्यालय बाउंड्री वॉल नि. कार्य, पंचायत घर निर्माण एवं मरम्मत, जन सुविधा केंद्र नि.कार्य, पशु शेड निर्माण, शोकपिट निमाण, फिल्टर चैम्बर नि. कार्य कूडादान नि.कार्य, सार्वजनिक शौचालय मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल नव निर्माण एवं मरम्मत, गौशाला निमाण व रखरखाव, वृक्षारोपण कार्य आंगनबाड़ी भवन निर्माण एवं मरम्मत, स्कूल कायाकल्प कार्य, वाटर हर्वेस्टिंग, पानी की टंकी निर्माण, पंचायत घर की बाउण्ड्रीवॉल निर्माण, खाद के गड्ढ़ों का निर्माण, नाडेप नि. कार्य प्रशासनिक व्यय, नाली जाल नि.कार्य, सफाई कार्य, गौ सेवक सेवा हेतु उक्त सभी कार्यो के प्राक्कलन अनुसार सामग्री क्रय जिसमें ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, मौरंग, सरिया, वजरी, टाइल्स, पॉलीथिन पाइप, हैंडपंप सामग्री इंटरलॉकिंग ईट, हयूम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, स्टेशनरी प्रचार प्रसार बोर्ड, मिट्टी, राख, सैनिटाइजर व फागिंग कार्य, सफाई कार्य हेतु ठेली क्रय मरम्मत, स्प्रे मशीन, सफाई किट, पी.पी. आई. किट, लोहे की चादर, इंगल, जाली आदि प्राक्कलन अनुसार सामग्री वस्तुओं की आपूर्ति के फर्मो से सील बन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर दोपहर 1 बजे तक दिनांक 13.08.2025 आमंत्रित की जाएगी जिसे उक्त दिनांक को ही 4:00 बजे फर्म प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जायेगा। फर्म प्रतिनिधि या अन्य किसी भी समय निविदाओ के सम्बन्ध में पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। बिना किसी अग्रिम सूचना के टेंडर को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित है जो किसी भी मा. न्यायलय में बाद योग्य नही है।

प्रधान सचिव

अमृत विचार

रविवार, 10 अगस्त 2025

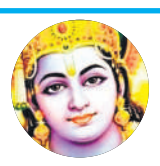

ध्यायतो विषयान्पुंस: सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गात्संजायते काम: कामात्क्रोधोऽभिजायते॥

गीता में श्री कृष्ण जी कहते हैं, विषय-वस्तुओं के बारे में सोचते रहने से मनुष्य को उनसे आसक्ति हो जाती है। इससे उनमें कामना पैदा होती है और कामनाओं में विघ्न आने से क्रोध की उत्पत्ति होती है। कोशिश करें कि विषयाशक्ति से दूर रहते हुए कर्म में लीन रहा जाए।

गिरते रुपये के बीच निर्यातकों के लिए एक उम्मीद

ट्रंप के टैरिफ ने विश्व व्यापार में अनिश्चितता का माहौल बनाया है। चीन भी टैरिफ विवाद में कूद पड़ा है। इसकी वजह से विश्व व्यापार युद्ध में तब्दील होता जा रहा है। नतीजे में वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं। उन्होंने डॉलर को सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए, इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है।

साल 2025 की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में है। अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ युद्ध ने विश्व व्यापार को अस्थिर कर दिया है। अमेरिका ने हाल ही में चीन, भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल्स और स्टील उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिए हैं। चीन ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी कृषि उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिए हैं। इस टकराव के कारण वैश्विक निवेशक डरे हुए हैं और उन्होंने डॉलर को एक सुरक्षित निवेश विकल्प मानते हुए इसमें भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। इस निवेश की प्रवृत्ति ने डॉलर को मजबूत किया है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं- जैसे भारतीय रुपया, ब्राज़ीलियन रियल और थाई बात को कमजोर कर दिया है। जनवरी 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया 82.10 के स्तर पर था, लेकिन अगस्त 2025 तक यह गिरकर 85.34 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच चुका है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की मुद्रा 2025 की दूसरी तिमाही में एशिया की सबसे अधिक गिरावट वाली मुद्राओं में शामिल रही है। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। मुख्य कारण यह है कि भारत अपने कुल आयात का लगभग 23% केवल कच्चे तेल पर खर्च करता है। जून 2025 में ब्रेंट क्रूड की कीमत $88 प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जिसका मतलब रुपये में 7500 प्रति बैरल से अधिक की लागत है। कमजोर रुपया इस आयात को और महंगा बना रहा है, जिससे सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति जुलाई 2025 में बढ़कर 5.8% पर पहुंच गई, जो आरबीआई के 4% के लक्ष्य से काफी अधिक है।

इसके अतिरिक्त, कमजोर रुपया भारत के चालू खाता घाटे को भी बढ़ा रहा है। अभी चालू खाता जीडीपी का 2.1% है, लेकिन यदि तेल और सोने का आयात ऐसे ही बढ़ता रहा तो वित्त वर्ष 2025-26 में यह 3% तक जा सकता है। इसका असर देश की विदेशी मुद्रा स्थिति और बजट संतुलन पर भी पड़ सकता है। वहीं, विदेशी निवेशकों में भी अस्थिरता देखी जा रही है। जुलाई 2025 में एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) ने 12,300 करोड़ की निकासी की है, जिससे सेंसेक्स में 800 अंकों की गिरावट देखी गई। विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज की लागत भी बढ़ गई है। भारतीय कॉरपोरेट्स पर इस समय $115 बिलियन का विदेशी मुद्रा आधारित कर्ज है और रुपये की गिरावट के चलते इन कंपनियों पर 10-12% तक अतिरिक्त भुगतान दबाव बनने की संभावना है।

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

हालांकि, हर चुनौती के साथ एक अवसर भी छिपा होता है। रुपये की गिरावट भारतीय निर्यातकों के लिए एक सुनहरा अवसर बनकर सामने आई है। जब डॉलर मजबूत होता है और रुपया कमजोर, तब एक डॉलर के बदले निर्यातक को अधिक रुपये मिलते हैं। उदाहरण के तौर पर, जनवरी 2024 में जब डॉलर 82.10 का था, तब एक डॉलर पर उतनी ही राशि मिलती थी, लेकिन अब वही डॉलर 85.34 का हो गया है—इसका मतलब है 3.24 प्रति डॉलर का अतिरिक्त लाभ। यह सीधा फायदा आईटी कंपनियों, टेक्सटाइल निर्यातकों, फार्मा सेक्टर और जेम्स एंड ज्वेलरी उद्योग को हो रहा है।

आईटी कंपनियों की बात करें तो इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियों की 90% आय डॉलर में होती है। इन्फोसिस ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 8.3% की आय वृद्धि दर्ज की है, जिसमें रुपये के गिरने का बड़ा योगदान है। इसी तरह भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर ने जुलाई 2025 में 12% की निर्यात वृद्धि दर्ज की है। टेक्सटाइल और रेडीमेड गारमेंट्स सेक्टर में 6.2%, जबकि फार्मास्युटिकल्स में 9% की वृद्धि दर्ज हुई है। खासकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के बाजारों में। इन लाभों के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चुनौती है कि वह रुपये की अत्यधिक गिरावट को रोकने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करे, लेकिन इतने स्तर पर कि निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती रहे। जुलाई 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने बाजार में $18 बिलियन की डॉलर बिक्री की है, ताकि रुपये को और गिरने से रोका जा सके। इससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर $590 बिलियन रह गया है, जो मार्च 2024 में $610 बिलियन था।

सरकार को भी चाहिए कि वह इस अवसर का फायदा उठाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीतियों को सशक्त बनाए। एमएसएमई को निर्यात प्रक्रिया सरल करके, लॉजिस्टिक्स में सब्सिडी देकर और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं के माध्यम से वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान की जाए। पीएलआई स्कीम (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) को अधिक निर्यात-केंद्रित बनाकर भारत एक बड़ा निर्यातक बन सकता है।

गिरता रुपया भारत के लिए दोहरी चुनौती लेकर आया है। एक तरफ यह महंगाई और विदेशी कर्ज की लागत बढ़ाकर केंद्रीय बैंक के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह निर्यातकों के लिए एक लाभदायक अवसर बन रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय रिजर्व बैंक और सरकार मिलकर एक संतुलित नीति बनाएं, जिसमें न तो रुपया अत्यधिक गिरे और न ही निर्यात की संभावनाएं कम हों। यही रणनीति भारत को वैश्विक टैरिफ युद्ध की चुनौतियों से बाहर निकालकर आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बना सकती है।

स्त्री ही चरित्रहीन क्यों! पुरुष क्यों छूट जाते हैं?

हाल ही में एक धार्मिक प्रवचन के दौरान अनिरुद्धाचार्य जी ने कहा, 'कलियुग में वेश्या को वेश्या नहीं कह सकते'। साथ ही उन्होंने महिलाओं के 'लिव-इन' में रहने पर भी टिप्पणी की। अनिरुद्धाचार्य जी, यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने यहां तक कह डाला कि पहले तो 14 साल की उम्र में लड़कियों की शादी हो जाती थी अब तो 25 साल की उम्र में शादी होती है। इस दौरान वह कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं। अनिरुद्धाचार्य जी, का यह बयान अमर्यादित और निंदनीय होने के साथ ही बाल विवाह को भी प्रोत्साहित करता है। यह कोई चूक नहीं है, बल्कि महिलाओं के प्रति वही पुरानी सड़ी-गली सोच है।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह गाहे-बगाहे कुछ धर्म गुरु महिलाओं के खिलाफ विवादित बयान देते रहे हैं, जो महिलाओं के प्रति शायद समाज में नैतिकता के गिरते स्तर और दोहरे मापदंड को दर्शाता है।

भारतीय समाज में नैतिकता की परिभाषा अकसर एकतरफा ही रही है। जब चरित्र पर भाषण होता है तो केंद्र में होती है सिर्फ स्त्री। चाहे बात कपड़ों की हो। संबंधों की या संस्कार की। अगर धर्म गुरु नैतिकता की बात करते हैं, तो यह समान रूप से पुरुष और स्त्री दोनों पर लागू होनी चाहिए। किसी कारणवश लड़की देर से घर लौटे तो सवाल। मुस्कराए तो शक। कपड़े छोटे हों तो चरित्र पर टिप्पणियां होती हैं। वहीं पुरुष देर रात बाहर रहे, रिश्तों में बेवफाई करे या हिंसा करे तो उसे 'पुरुष स्वभाव' कहकर टाल दिया जाता है। मर्द की गलती मर्दानगी और औरत की गलती चरित्रहीनता। ऐसी मानसिकता लैंगिक असमानता को बढ़ावा देती है। इतिहास गवाह है, माता सीता को भी अग्निपरीक्षा देनी पड़ी थी। समय बदला, समाज बदला, लेकिन नारी के चरित्र पर संदेह की परंपरा आज भी जारी है। बस मंच और माइक बदल गए हैं। क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? यह पितृसत्तात्मक सोच है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

> क्या चरित्र की कसौटी सिर्फ महिलाओं के लिए ही है? आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं तो ये सोच शायद और असहज हो जाती है, इसलिए उनके चरित्र को निशाना बनाकर उसे नियंत्रित करने की कोशिश की जा रही है।

जब किसी मंच से यह संदेश दिया जाता है कि महिला चरित्रहीन है तो यह सोच समाज में हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव को वैधता देती है। यही कारण है कि अदालतों में भी कभी-कभी पीड़िता से पूछा जाता है कि आप वहां क्यों गईं थीं? कुछ धर्म गुरुओं द्वारा गाहे-बगाहे ऐसा बयान दिया जाना कतई क्षम्य नहीं है। यह सोच, बलात्कार के बाद कपड़ों पर सवाल उठाती है। यह सिर्फ बयान नहीं, मानसिक जहर है। धर्म गुरुओं के लाखों करोड़ों अनुयाई होते हैं, जो उनकी बातों को धर्म ग्रंथ की तरह मान लेते हैं। धर्म का काम तोड़ना नहीं जोड़ना है, लेकिन जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ अशोभनीय, असंवेदनशील भाषाओं की झड़ी लगा दी जाए, तो सवाल उठना लाजिमी है कि यह धर्म का वास्तविक स्वरूप है या पुरुष वर्चस्व को बढ़ावा देना है। जब धर्म के मंच से महिलाओं के खिलाफ शब्दों के बाण छोड़े जाते हैं, तो ये सिर्फ एक महिला नहीं, बल्कि पूरे स्त्री समाज की गरिमा पर चोट पहुंचाता है।

अति महत्वाकांक्षा के दुष्परिणाम

आज के आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में, अति महत्वाकांक्षा, केवल अपने निजी स्वार्थ, ज्यादा से ज्यादा और जल्दी से जल्दी सब कुछ भोग लेने की संस्कृति से उपजा अधकचरा ज्ञान अधिसंख्य व्यक्तियों के धैर्य को समाप्त कर चुका है। सब कुछ जान लेने के दंभ, व्यक्तिगत स्वार्थ और अति महत्वाकांक्षा के मानसिक प्रदूषण ने मानव जीवन को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति इस वातावरण से उत्पन्न समस्याओं से जबरदस्त मानसिक दबाव में है। इस कारण से आज मानव का जीवन बहुत ही कठिन और अस्थिर हो गया है। प्रत्येक व्यक्ति आज इन मानव जनित समस्याओं के कारण जो कि कई बार उसके स्वयं अथवा किसी नजदीकी कारणों से निर्मित होती हैं, व्यक्ति को अंततः अत्यंत मानसिक तनाव के साथ-साथ गहरे अवसाद में ले जाने का कारण बनती हैं। वर्तमान समय में ये समस्याएं एक त्रासदी का रूप लेती जा रही हैं। आए दिन समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों में हत्या, आत्महत्या, हिंसा, घरेलू हिंसा विभिन्न प्रकार के अपराध, आपसी वैमनस्यता, नैतिक पतन, रिश्तों का खून, जाति, धर्म और संप्रदाय के झगड़े इत्यादि ढेरों समस्याएं हमारे समाज को अत्यधिक विकृत करती जा रही हैं। इसकी रोक-थाम के लिए अभी हमारा समाज तैयार नहीं है। वैश्विक दूरी कम होने और नई आधुनिक तकनीकी से उत्पन्न विलासिता की सामग्री बाजार में उपलब्ध होने से उसे पाने के लिए हर कोई लालायित रहता है। कई बार उसे पाने की चाह में अपनी क्षमता से आगे जाकर इसके मकड़जाल में फंस जाता है।

मोहन सिंह बिष्ट
वरिष्ठ पत्रकार

आज की आधुनिक बाजार संस्कृति इस प्रवृति को और बढ़ावा देने का कार्य करती है। सरकारें भी अपनी इकनॉमी को बढ़ाने के लिए इसके दुष्परिणामों को अनदेखा कर देती हैं। इस बाजार संस्कृति से सामाजिक ताना-बाना भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पूरा समाज एक भेड़ चाल के माफिक बढ़ा चला जा रहा है। सभी को आगे बढ़ने, अपने ऊंचे ख्वाबों को हकीकत में बदलने की जल्दी है। उसके फलस्वरूप अपनी इच्छा और चाहतों को न पूरा कर पाने अथवा आने वाली चुनौतियों से न निपट पाने पर वे बुरी तरह टूट जाते हैं। उन्हें गलत कदम उठाना ही आसान रास्ता नजर आता हैं। समाज का प्रबुद्ध वर्ग भी इस चक्रव्यूह से प्रभावित है, जिसके कारण इसके समाधान पर कोई गंभीर चर्चा या बहस नहीं होती है। समस्या गंभीर है तो उसके समाधान के प्रयास भी उतने ही गंभीरता से होने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति आज एक भ्रम और अनजाने भय में जी रहा है। मानसिक रूप से अत्यधिक व्यथित है। अति महत्वाकांक्षा और भोगवादी संस्कृति के चलते अपने ऊपर विलासिता के सामान जुटाने और उच्च श्रेणी के जीवन की चाह में अत्यधिक कर्ज और अपराध के दलदल में धंसने से भी लोग परहेज नहीं करते। आए दिन हमें विभिन्न प्रकार के गंभीर अपराध और हृदय विदारक घटनाओं के समाचार सुनने को मिल जाते हैं, जिससे पूरे समाज में भय और अनिश्चितता का माहौल बन जाता है। ऐसे में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। समाज को व्यवस्थित रूप से इस भ्रम और भय से बाहर निकालने के लिए नैतिक प्रयासों की आवश्यकता है।

इस भ्रम को तोड़ने के लिए मानव मात्र की वास्तविक आवश्यकता और व्यवस्था के लिए सभी विषयों को उनके समक्ष प्रस्तुत करना होगा। वर्तमान में यह कार्य प्राचीन साहित्य से लेकर आधुनिक साहित्य के विचारकों की किताबों, महापुरुषों द्वारा लिखे गए ग्रंथों के अध्ययन के साथ-साथ यथार्थ मानवीय मूल्यों और व्यवहारों का विस्तृत रूप में वास्तविक सत्य अध्ययन के द्वारा किए गए विश्लेषण को आम जन मानस के समक्ष उसी सत्य रूप में प्रस्तुत करने तथा उसके पठन-पाठन को बढ़ावा देकर ज्यादा से ज्यादा उसे मानव व्यवहार में लाए जाने से काफी हद तक इन समस्याओं में सुधार की संभावनाएं हैं।

लोकतंत्र पर उभरते कुछ अहम सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। इससे पूरे देश में राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। उनके आरोपों से कई सवाल पैदा हुए हैं और आने वाले समय में इनके जवाब तलाशा जाना जरूरी होगा।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जो दस्तावेज़ और आंकड़े सार्वजनिक किए, वे किसी एक निर्वाचन क्षेत्र की विसंगतियों तक सीमित नहीं थे। वे भारत की चुनावी प्रणाली की कुछ संरचनात्मक कमज़ोरियों की ओर संकेत करते हैं। ऐसी कमज़ोरियां जो लोकतंत्र की वैधता की जड़ों को छूती हैं। यह केवल एक राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी है। क्या हमारा मतदाता सत्यापन तंत्र भरोसे के काबिल है या फिर उसमें कुछ खामियां हैं, जिन्हें दूर किया जाना जरूरी है? राहुल गांधी ने अपने आरोपों का केंद्र कर्नाटक का महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र बनाया। बेंगलुरु का एक तेजी से शहरीकृत इलाका, जिसकी जनसांख्यिकी प्रवासी आबादी, अनियंत्रित रियल एस्टेट विकास और बदलते सामाजिक-आर्थिक ढांचे से बनी है। गांधी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 1,00,250 कथित फर्जी वोटों का लाभ मिला, जिसके चलते वह बेंगलुरु सेंट्रल सीट पर विजयी हो सकी। उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में 40,009 संदिग्ध पते, 11,965 फर्जी नाम, एक ही पते पर सैकड़ों मतदाता, और 'हाउस नंबर 0' पर 27 वोटर जैसे विवरण शामिल हैं, जो केवल तकनीकी त्रुटियां नहीं, बल्कि गहरी प्रशासनिक चूक की ओर इशारा करते हैं।

महादेवपुरा कोई नया विवाद स्थल नहीं है। 2022 में चिलुमे ग्रुप नामक एक निजी संस्था को बीबीएमपी (बेंगलुरु महानगर पालिका) द्वारा मतदाता डेटा एकत्र करने का ठेका दिया गया था। कांग्रेस का आरोप था कि यह संस्था भाजपा से जुड़ी हुई थी और इसका उद्देश्य मतदाता सूची में पक्षपातपूर्ण छेड़छाड़ करना था। बाद में चुनाव आयोग ने इस पर जांच करवाई। यद्यपि सीधे फर्जी वोटिंग के प्रमाण नहीं मिले, पर यह सामने आया कि चिलुमे ने एक अनधिकृत ऐप (डिजिटल समीक्षा) के जरिए मतदाता डेटा इकट्ठा किया था, जिसे एक विदेशी सर्वर पर संग्रहीत किया गया। यह न केवल निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि नागरिकों की निजता और डेटा सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था।

यह मामला भले ही दो वर्ष पुराना हो, लेकिन इसकी परछाई आज भी चुनावी पारदर्शिता पर मंडरा रही है। वर्तमान में उठे सवाल उसी पुराने ढांचे की कमजोरियों को उजागर कर रहे हैं। इन पर आज विचार करना पहले से कहीं अधिक ज़रूरी है। महादेवपुरा जैसे क्षेत्रों में, जहां प्रवासी और अस्थिर जनसंख्या का दबाव है, मतदाता सूची को लेकर हमेशा संवेदनशीलता बनी रहती है। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूचियों में जोड़-घटाव सत्ता पक्ष की शह पर होते हैं। मुद्दा यह नहीं है कि कौन चुनाव जीतता है और कौन हारता है। मुद्दा यह है कि क्या चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास आज भी कायम है। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर अपेक्षित सरकारी शैली में प्रतिक्रिया दी है। 'लिखित शिकायत दें' और 'सार्वजनिक मंचों पर संस्थाओं की गरिमा का ध्यान रखें', लेकिन जब इतने ठोस आंकड़े और विश्लेषण सामने आए हैं, तब आयोग की भूमिका केवल प्रक्रियागत औपचारिकता निभाने तक सीमित नहीं रह सकती।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

यदि राहुल गांधी के आरोप निराधार हैं, तो आयोग को तथ्यों के साथ सार्वजनिक खंडन करना चाहिए। यदि इन आरोपों में दम है, तो एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच अनिवार्य है। भाजपा द्वारा इन आरोपों को 'राजनीतिक हताशा' कहकर नकारना या कांग्रेस द्वारा निर्वाचन आयोग पर पक्षपात का आरोप, ये सब बातें तब तक केवल बयानबाज़ी ही रहेंगी जब तक तथ्य सामने नहीं आते।

मतदाता सूची मात्र एक प्रशासनिक दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वही दस्तावेज़ है, जिससे चुनाव की वैधता तय होती है। यदि इसमें बार-बार अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे और उन्हें गंभीरता से न लिया जाए तो न केवल चुनाव की प्रक्रिया, बल्कि उस पर आधारित सरकार की साख पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थागत संरचनाओं पर नहीं, बल्कि उस भरोसे पर टिकी होती है, जो जनता इन संस्थाओं पर करती है। यह भरोसा अचानक नहीं बनता। यह समय के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता की ठोस मिसालों से खड़ा होता है। अगर मतदाता सूची जैसे बुनियादी दस्तावेज पर उठे सवालों को बार-बार टाल दिया गया तो यह खतरा वास्तविक है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी धीरे-धीरे औपचारिकता बनकर रह जाएगी।

मनुष्य जीवनः शरीर आनंदधाम है न कि दुखधाम

मनुष्य जीवन आनंद, उल्लास एवं उमंग के परिणाम स्वरूप प्राप्त हुआ है, इसलिए जितना अधिक आनंद, उल्लास, उमंग जीवन में एकत्र किया जा सके, करना चाहिए। ऐसा करने वाला व्यक्ति बुद्धिमान एवं विवेकवान माना जाएगा, जबकि क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष, घमंड करने वाला व्यक्ति महामूर्ख ही कहा जाएगा। भौतिक वस्तुओं से तुलना की जाए तो होता यही है कि जब कोई भौतिक वस्तु बाजार से खरीद कर लाई जाती है तो उसकी बहुत हिफाजत की जाती है! उदारण के तौर पर मान लीजिए कि एक एंड्रॉयड फोन ही खरीद कर बाजार से ले आए, तब सबसे पहले उसका कवर दुकानदार से लेते हैं, ताकि फोन में धूल आदि न जा सके।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यदि हाथ से छूटकर फोन गिरे भी तो टूटे नहीं। दुःसंयोगवश फोन हाथ से गिर पड़ा और उस पर स्क्रैच पड़ जाता है तो मन दुःखी होता है। पुनः दुकानदार के पास जाकर स्क्रैच ठीक करने का अनुरोध करते हैं। इसके अलावा फोन में इलेक्ट्रॉनिक स्तर पर कचरा भर जाता है तो क्लीनर का उपयोग करते हैं। यह तो एक साधारण भौतिक पदार्थ की बात है। जिस मकान में रहते हैं, उसमें समय-समय पर रंग-रोगन करते हैं। कहीं टूट-फूट हो गया है तो उसकी मरम्मत करते है। इन सारे भौतिक पदार्थों के पास न मन है और न सोचने-समझने की क्षमता, फिर भी ये पदार्थ हमें बाध्य कर देते हैं कि इनकी सलामती के लिए हम सजग रहें, वरना इन पदार्थों का भरपूर उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

अब यहां यह सोचना चाहिए कि इतना उत्तम मानव शरीर मिला है, उसका उपयोग किस रूप में हम कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ से लेकर योग विशेषज्ञ तक सलाह दे रहे हैं कि स्वस्थ जीवन के लिए ब्रह्म-मुहूर्त में सो के उठ जाना चाहिए, लेकिन बहुतेरे दिन निकलने के बाद सो के उठेंगे। उठते ही तनाव शुरू होने लगता है। कभी घर के लोगों पर तो कभी बाहरी लोगों पर क्रोध शुरू होने लगता है, जबकि क्रोध आपका शत्रु है। अब तो स्वास्थ्य विशेषज्ञ तक कहने लगे हैं कि क्रोध करने से लीवर, किडनी, हार्ट, ब्रेन पर जबर्दस्त नुकसान पहुंचता है।

बायोफ्यूल बन रहा है हरित भविष्य की नई आशा

पिछले कुछ वर्षों से पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव झेल रही है और जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आ रही प्राकृतिक आपदाओं की संख्या एवं तीव्रता निरंतर बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के ही कारण हमारा पारिस्थितिक तंत्र बिगड़ गया है, जिसका असर अब जीवन के लगभग हर क्षेत्र में स्पष्ट देखने को मिल रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण मनुष्यों द्वारा पारंपरिक जीवाश्म ईंधन का बड़े स्तर पर दोहन किया जाना भी है, जिसका पर्यावरण पर बेहद खतरनाक प्रभाव देखा जा रहा है। यही कारण है कि पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के बजाय अपरंपरागत जीवाश्म ईंधन को इस्तेमाल करने की जरूरत महसूस की जा रही है और पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के विकल्पों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए ही प्रति वर्ष 10 अगस्त को 'विश्व जैव ईंधन दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाने का उद्देश्य वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास का समर्थन करने में जैव ईंधन के महत्व को पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के एक स्थायी विकल्प के रूप में उजागर करना है। जलवायु परिवर्तन में होती वृद्धि के साथ वैश्विक ऊर्जा खपत पैटर्न में बदलाव अब समय की बड़ी मांग है, इसीलिए जैव ईंधन दिवस के माध्यम से दुनिया भर में लोगों को अक्षय ऊर्जा स्रोतों को गैर-नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन से बदलने के लिए प्रोत्साहन देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में विश्व जैव ईंधन दिवस पहली बार अगस्त 2015 में पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय द्वारा मनाया गया था। देश में जैव ईंधन का विकास स्वच्छ भारत अभियान और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाओं के अनुरूप ही है। दुनिया भर में अब जैव ईंधन को हमारा भविष्य बचाने के लिए एक उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। दुबई में हुए 'कॉप-28' में 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने और जीवाश्म ईंधन से दूर रहने का आह्वान किया गया था और संयुक्त राष्ट्र जलवायु कांफ्रेंस के इतिहास में ऐसा सुझाव पहली बार दिया गया था। यह अलग बात है कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से चलन से बाहर करने का इसमें कोई उल्लेख नहीं था। इससे पहले नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के अवसर पर नौ सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस' (वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन) की शुरुआत भी की गई थी। जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भारत की पहल पर बनाए गए इस गठबंधन के प्रमख उद्देश्यों में प्रौद्योगिकी प्रगति को सुविधाजनक बनाना, टिकाऊ जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, हितधारकों के व्यापक स्पेक्ट्रम की भागीदारी के जरिए मजबूत मानक सेटिंग, बायोफ्यूल मार्केट को मजबूत करना, वैश्विक बायोफ्यूल कारोबार को सुविधाजनक बनाना, तकनीकी सहायता प्रदान करना इत्यादि शामिल हैं।

जैव ईंधन को ऊर्जा के किसी भी स्रोत, जो जैविक सामग्री हो, जैसे कृषि अपशिष्ट, फसल, पेड़ अथवा घास से निकाला जाता है। जैव ईंधन पर्यावरण के अनुकूल ईंधन हैं, जो कम समय में उत्पादित होते हैं और तरल अथवा गैसीय रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। जीवाश्म ईंधन के विपरीत, जैव ईंधन प्रकृति में नवीकरणीय, बायोडिग्रेडेबल और टिकाऊ होते हैं। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन की तुलना में जैव ईंधन में सल्फर नहीं होता और कार्बन मोनोऑक्साइड तथा विषाक्त उत्सर्जन भी कम होता है। कार्बन के किसी भी स्रोत से जैव ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है। चूंकि जैव ईंधन को बायोमास संसाधनों की मदद से बनाया जाता है, इसीलिए इसे पुनः बनाया जा सकता है। एक ओर जहां जीवाश्म ईंधन के जलने से कार्बन उत्सर्जन होता है, वहीं जैव ईंधन न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है, बल्कि कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करने की कुंजी भी है।

पारंपरिक ईंधन का वैकल्पिक संस्करण जैव ईंधन पर्यावरण को बेहतर बनाता है। जैव ईंधन ऊर्जा का नवीकरणीय और जैव निम्नीकरणीय स्रोत होता है, जो नवीकरणीय संसाधनों से बनता है और जीवाश्म डीजल की तुलना में अपेक्षाकृत कम ज्वलनशील है। यह कृषि अपशिष्ट अथवा पेड़-पौधों और फसलों, वनस्पति, पशु अपशिष्ट, शैवाल, औद्योगिक अपशिष्ट इत्यादि किसी भी प्रकार की जैविक सामग्री से उत्पन्न हो सकता है, जिसमें काफी बेहतर चिकनाई वाले गुण होते हैं। एक ओर जहां कोयले अथवा तेल के जलने से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है और ये ईंधन ग्लोबल वार्मिंग का बहुत बड़ा कारण बनते हैं, वहीं जैव ईंधन मानक डीजल की तुलना में कम हानिकारक कार्बन उत्सर्जन का कारण बनता है और ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव को कम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यह एक सच्चाई है कि फैशन कभी भी सिर्फ कपड़ों के बारे में नहीं रहा है। इसका सफर एक जीवंत, सांस लेने वाली भाषा जैसा है। एक सांस्कृतिक दर्पण की तरह फैशन यह दिखाता है कि हम खुद को कैसे देखते हैं, और हम कैसा दिखना चाहते हैं। बात कुछ ऐसी भी है कि फैशन के जरिए हम दुनिया में किन बातों या मूल्यों को पेश करना चाहते हैं। प्राचीन राजघरानों के चमक-दमक और पंखों वाले लिबासों से लेकर आज के फ्यूजन और डिजिटल तक, फैशन की रंग-बिरंगी यात्रा प्रेम, सौंदर्य, आकर्षण, पहचान और अपनेपन की तमाम कहानियों से भरी पड़ी है।

जैसा पहनोगे, वैसा बनोगे और जियोगे

हम कौन हैं और दुनिया में खुद को क्या दिखाना चाहते

- दरअसल, फैशन और जीवन शैली लंबे समय से आपस में जुड़े हुए हैं। जिस तरह के लोग कपड़े पहनते हैं और जीवन शैली के जो विकल्प चुनते हैं, वह उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहता है, जो उनके मूल्यों, आकांक्षाओं और भावनाओं को दर्शाता है। यह केवल बाहरी दिखावे से कहीं अधिक है, यह एक गहरा संबंध है जो यह बताता है कि हम कौन हैं और दुनिया में खुद को कैसा प्रस्तुत करना चाहते हैं। जैसे एक सदी पहले बाजार, रेस्तरां, गैलरी और किसी के घर जाने के लिए अलग-अलग प्रकार के कपड़े होते थे, जो कठोर सामाजिक बाधाओं को दर्शाते थे। लेकिन आज फैशन ने रचनात्मकता और व्यक्तित्व के एक शक्तिशाली माध्यम में खुद को बदल दिया है। यह पारंपरिक विरासत और अत्याधुनिक तकनीक के प्रभावों का सम्मिश्रण बन गया है। अब यह केवल फिट होने के बारे में नहीं है, बल्कि बाहर खड़े होने और बिना एक शब्द बोले अपने आंतरिक चेहरे को व्यक्त करने के बारे में है।

> फैशन ने बदली लोगों की जीवन शैली: अब पहनावा बन रहा है सोच और पहचान का आईना

हर फैशन कुछ कहता है हर लुक नया दिखता है

- फैशन अब सिर्फ खूबसूरत दिखने या स्टाइल का मामला नहीं रहा है। यह आपकी सोच, सेहत, पर्यावरण और रिश्तों तक को प्रभावित कर रहा है। पुरानी कहावत 'जैसा खाओ अन्न, वैसा बने मन' की तरह आप 'जो पहनते हैं, वही बन जाते हैं' यह बात आने वाले समय में हकीकत बन जाएगी। आज के दौर में फैशन सिर्फ विकसित नहीं हो रहा है, इसे नए सिरे से परिभाषित किया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस (एआई) के साथ निजी अनुभवों को आकार देने, स्थिरता को अपरिहार्य बनाने और समावेशिता को प्रतीकात्मकता से आगे बढ़ाने के साथ, हम जो पहनते हैं वह सब कुछ अब केवल स्टाइल के बारे में नहीं है, बल्कि हर फैशन कुछ कहता है, हर लुक नया दिखता है।

'वियर योर वैल्यूज' बना लाइफ स्टाइल की क्रांति

एआई के माध्यम से डिजाइन किए गए आउटफिट्स के जरिए अब किसी भी व्यक्ति की सोच, मूड और मूल्यों को व्यक्त करने का काम शुरू हो चुका है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो पर्यावरण के लिए चिंतित है, वह बायोडिग्रेडेबल और रीसायकल कपड़े ही पहनना पसंद करेगा। यह न केवल स्टाइलिश होंगे, बल्कि एक संदेश भी देंगे। वैसे भी फैशन अब केवल कपड़े नहीं, जीवन की सोच, सेहत और समाज का प्रतिबिंब बन चुका है। जिस तरह के आप कपड़े चुनते हैं, वही तय करता है कि आप किस तरह जीते हैं। "वियर योर वैल्यूज" आज के दौर में केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि लाइफ स्टाइल की क्रांति है।

डिजिटल फैशन के साथ डिजिटल लाइफस्टाइल भी

मेटावर्स वर्चुअल रियल्टी में पहनने के लिए लोग डिजिटल कपड़े खरीदते हैं, जो उनका वर्चुअल अवतार दर्शाते हैं। इससे दुनिया में एक नई तरह की डिजिटल जीवन शैली उभर रही है, जिसमें फैशन लोगों की ऑनलाइन पहचान बनता जा रहा है।

डॉ. क्षमा त्रिपाठी प्रोफेसर डीजीपीजी कॉलेज, कानपुर

जैकेट बताएगी आप थक गए हैं थोड़ा आराम कर लें

दुनिया भर में जीवन शैली को हेल्थ आधारित बनाने की होड़ लगी है। ऐसे में जल्दी ही अब फैशन भी यह संदेश देता नजर आएगा कि अमुक परिधान पहनिए और हेल्दी रहिए। ऐसी जैकेट्स आने वाली हैं, जो बताएंगी 'अब बहुत हुआ काम थोड़ा आराम कर लो।' ऐसे पहनावे पर जोर रहेगा जो आपकी फिटनेस और माइंड फुलनेस दोनों सुधारेंगे।

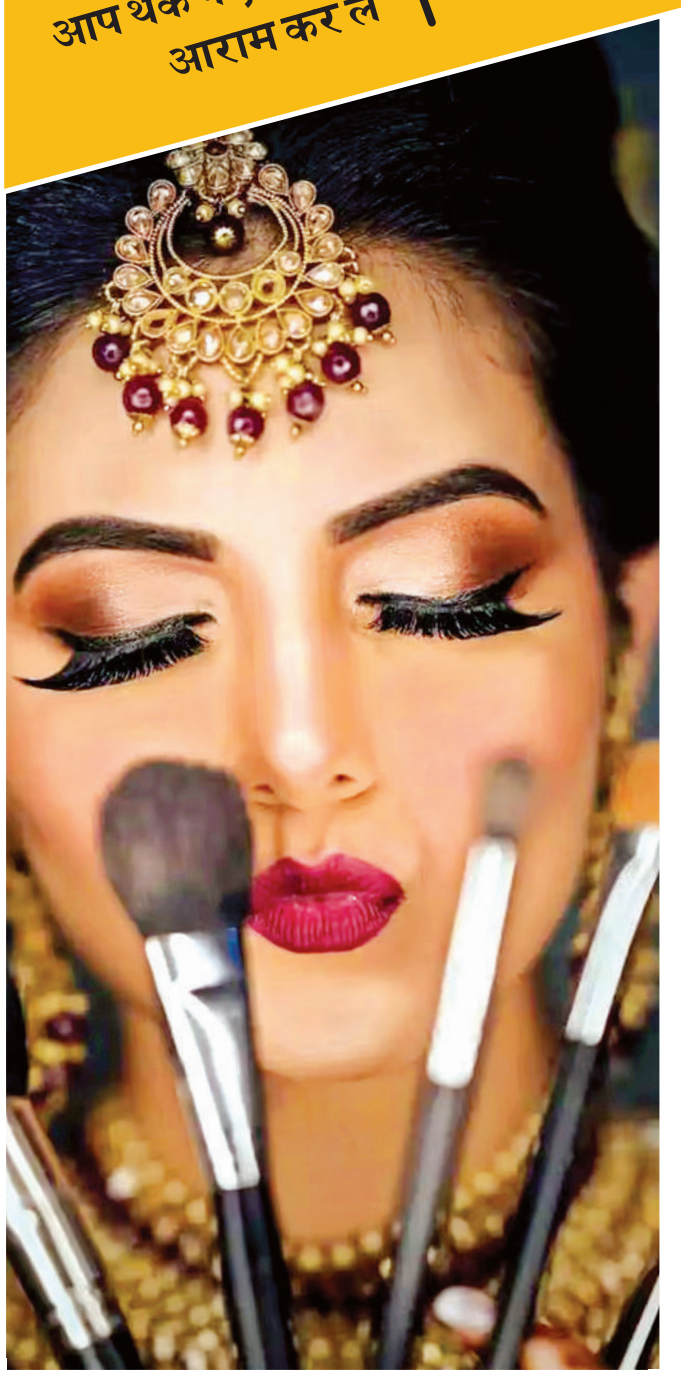

मेकअप हुआ पुराना मेकओवर का जमाना

बीते दो दशक में शादी समारोह की साज-सज्जा और पहनावे में जिस तेजी से बदलाव आया है, उसी तरह महिलाओं के मेकअप में भी बदलाव आया है। पहले दुल्हन बनने के लिए युवतियां चमक-धमक भरे मेकअप को तवज्जो देती थीं, लेकिन अब उन्हें न्यूड मेकअप यानि नेचुरल लुक ज्यादा भा रहा है। पहले सुंदरका दिखाने के लिए मेकअप होता था, अब सौंदर्य निखारने के लिए मेकओवर हो रहा है। पहले के मुकाबले युवतियां अब त्वचा की अधिक केयर कर रही हैं, ताकि केवल शादी या समारोह में ही नहीं, हर मौके पर त्वचा सुंदर दिखे। शादी से छह माह पहले ही प्री-वेडिंग फेशियल इसीलिए शुरू कर देती हैं। बीस साल पहले दुल्हन पर कई तरह के प्रयोग किए जाते थे, चेहरे पर अत्याधिक रंगों का इस्तेमाल किया जाता था। जितना भारी लहंगा होता था, मेकअप भी उसी तरह किया जाता था। लेकिन अब भारी लहंगे पर भी नेचुरल मेकअप का जोर है। त्वचा पर विशेष ध्यान दिए जाने के कारण अब पार्लर जाना मेकअप नहीं मेकओवर कहलाता है।

गजरा गायब, अब चलन में आर्टिफिशियल फूल

- फिल्मी सितारों की शादी में अत्यधिक हल्के मेकअप का इस्तेमाल नजर आने के बाद सॉफ्ट मेकअप का दौर चल पड़ा है। युवतियां मेकअप, कपड़ों और गहनों में हल्केपन को प्राथमिकता देने लगी हैं। पहले मेकअप का अभिन्न अंग गजरा आज गायब हो चुका है। इसकी जगह आर्टिफिशियल फूल चलन में हैं। ये लगाने में आसान हैं, कम पिनों का इस्तेमाल होता है। पहले मांग टीका चलता था, अब शीशपट्टी चलती है।

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट की मांग ज्यादा

स्किन केयर के लिए हर्बल प्रोडक्ट बेहतर रहते हैं, हालांकि मेकअप में हर्बल प्रोडक्ट लंबा नहीं टिकते विशेषज्ञ बताते हैं मेकअप के प्रोडक्ट से अधिक जरूरी है क्रियेटिविटी होना।

> फिल्मी सितारों के ट्रेंड बदलने से लोगों की पसंद भी बदल गयी है। महिलाएं मेकअप, ज्वेलरी और कपड़े सब हल्का पसंद कर रही हैं।
>
> -हर्ष, मेकअप आर्टिस्ट

> पहले मेकअप में काफी प्रयोग होते थे, अब ग्राहक के ऊपर क्या अच्छा लगेगा, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है।
>
> -रिचा, मेकअप आर्टिस्ट

> पहले उत्पादों की ज्यादा जानकारी नहीं थी। केवल सुंदर दिखाने की कोशिश होती थी, अब सौंदर्य निखारना प्राथमिकता रहती है।
>
> -नेहा, मेकअप आर्टिस्ट

लेखिका
शब्या सिंह तोमर, बरेली

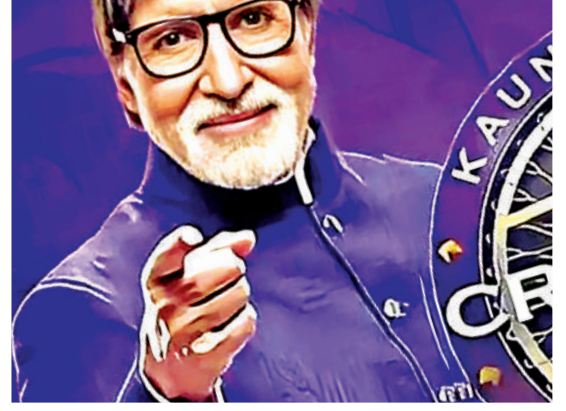

'जहां अकल है, वहां अकड़ है' 'केबीसी' - 17 की पंच लाइन

महानायक अमिताभ बच्चन 11 अगस्त से रात 9 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर 'कौन बनेगा करोड़पति' का 17वां सीजन लेकर आएंगे। इस बार 'केबीसी' शो की टैगलाइन है, 'जहां अकल है वहां अकड़ है'। सीजन-16 की टैग लाइन 'जिंदगी है, हर मोड़ पर सवाल पूछेगी, जवाब तो देना होगा' थी। सीजन 17 के साथ शो के 25 साल पूरे होने के मौके पर अमिताभ ने खास नया तोहफा भी पेश किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा है कि ' मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं और साथ ही घबराया हुआ भी हूं। काम शुरू... सुबह जल्दी उठना, जल्दी काम शुरू... केबीसी के नए सीजन का पहला दिन... हमेशा की तरह घबराहट और कांपते हुए।

रहस्य, रोमांच और भय की सिहरन से भरी है 'वेपन्स'

हॉलीवुड की मिस्ट्री हॉरर फिल्म 'वेपन्स' इसी हफ्ते रिलीज होगी। इसमें एक छोटे से कस्बे की कहानी है, जो एक खौफनाक रहस्य से थर्रा उठता है। 17 बच्चे रात में अचानक नींद से जाग उठते हैं। वे घर छोड़कर भाग जाते हैं, और फिर कभी नजर नहीं आते। उन्हें किसी अदृश्य शक्ति द्वारा अपहृत कर लिया जाता है। सबका शक टीचर जस्टिन गैंडी (जूलिया गार्नर) की तरफ जाता है, क्योंकि सभी बच्चे उनकी ही कक्षा के होते हैं। जब पूरा शहर उस टीचर के खिलाफ हो जाता है, तो वह आर्चर ग्राफ (जोश ब्रोलिन) से हाथ मिला लेती है, जो एक हताश पिता है। इसके बाद फिल्म फिल्म खौफ और रोमांच का जाल बुनती है। फिल्म का लेखन, निर्माण और निर्देशन जैक क्रेगर ने किया है। फिल्म में कैरी क्रिस्टोफर, एल्डेन एहरनेरिच, ऑस्टिन अब्राम्स, बेनेडिक्ट वोंग ने अभिनय किया है।

संचार साथी एप 6 महीने मे 50 लाख बार किया गया डाउनलोड

नई दिल्ली। दूरसंचार सुरक्षा बढ़ाने और आम लोगों को सशक्त करने के उद्देश्य से जनवरी में जारी संचार साथी एप को 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया गया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश की व्यापक भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजी, हिंदी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करके एप की पहुंच का विस्तार किया है। इस एप ने धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्टिंग को और आसान बना दिया है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनबीसीसी का लाभ बढ़कर 135 करोड़ पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि बेहतर आय से चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत बढ़कर 135 .03 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 107 .19 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,465 .48 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 2,196 .20 करोड़ रुपये थी। एनबीसीसी लिमिटेड परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) और रियल एस्टेट व्यवसायों में सक्रिय है।

लॉजिस्टिक्स पार्क को डेवलपर का चयन जल्द

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में 174 एकड़ में फैले मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना के लिए जल्द ही डेवलपर का चयन करेगी। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने हाल ही में इस परियोजना के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। इसका मकसद 1,200 करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित करना, 5,000 नौकरियां पैदा करना और माल ढुलाई में तेजी लाना है। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, सुपर हैंडलर्स और एम्पेजार लॉजिस्टिक्स ने अपनी बोलियां सौंप दी हैं। एक उच्चस्तरीय समिति उनके प्रस्तावों पर विचार करेगी और उसके बाद निर्णय लेगी।

प्रेस्टीज ने 102 एकड़ भूमि का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लि. ने आवास परियोजनाओं के निर्माण के लिए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 102 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है, जिससे कंपनी को से 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई होने की संभावना है। बेंगलुरु की कंपनी ने जमीन खरीदने के साथ भू-स्वामियों से साझेदारी भी की है, ताकि अपने आवासीय कारोबार का विस्तार किया जा सके। कंपनी के अनुसार, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई में कुल 102 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया।

निर्यात संवर्धन मिशन जल्द होगा शुरू

2,250 करोड़ के निर्यात को लेकर सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार जल्द ही 2,250 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन के तहत सहायता उपायों की घोषणा कर सकती है, ताकि उद्योग को ट्रंप टैरिफ से पैदा हुईं वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं से बचाया जा सके।

एक अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगाने के लिए निर्यातकों के साथ बात कर रहे हैं कि उन्हें कारोबारी सुगमता जैसे विभिन्न तरीकों से कैसे सबसे अच्छी तरह मदद दी जा सकती है। हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि घरेलू खपत को कैसे बढ़ावा दिया जाए। हम नई आपूर्ति शृंखलाओं, नए बाजारों और नए उत्पादों पर विचार कर रहे हैं। इस मिशन में छोटे और मझोले उद्योगों और ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए आसान ऋण योजनाएं, विदेश में गोदाम की सुविधा और उभरते निर्यात अवसरों का लाभ उठाने के लिए वैश्विक ब्रांडिंग पहल जैसे उपाय शामिल हो सकते हैं। सरकार ने एक फरवरी को 2,250 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इस मिशन की घोषणा की थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) 30 अप्रैल को निर्यात संवर्धन परिषदों के प्रतिनिधियों और अन्य प्रमुख हितधारकों के समक्ष इस मिशन पर एक प्रस्तुति दे चुका है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार इस मिशन को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है - व्यापार वित्त सहायता प्रदान करना (निर्यात प्रोत्साहन) और अंतर्राष्ट्रीय समग्र बाजार पहुंच को बढ़ावा देना (निर्यात दिशा) पहल।

भारत, ओमान में जल्द मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर की संभावना

नई दिल्ली। भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, व्यापार समझौते के मसौदे का ओमान में अरबी भाषा में अनुवाद किया जा रहा है, जिसके बाद, दोनों देशों की मंत्रिपरिषद द्वारा समझौते को मंजूरी दी जाएगी। अधिकारी ने कहा, "दोनों देशों ने सैद्धांतिक रूप से समझौते के पूरा होने और उस पर हस्ताक्षर करने की घोषणा एक साथ करने का फैसला किया है।" जब उनसे पूछा गया कि क्या इसमें दो से तीन महीने लगेंगे तो अधिकारी ने कहा, "इससे भी बहुत कम समय लगेगा।" इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई थी।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी सरकार का ध्यान

सरकार निर्यात संवर्धन मिशन के तहत डिजिटल व्यापार प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाने, उत्पाद गुणवत्ता मानकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने पर भी ध्यान दे सकती है। इसके लिए पोर्ट कनेक्टिविटी में सुधार, कस्टम क्लियरेंस की प्रक्रिया को और तेज व पारदर्शी बनाना तथा निर्यातकों को वैश्विक व्यापार नियमों और अवसरों पर प्रशिक्षण देना शामिल हो सकता है। साथ ही, नए उत्पादों के अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन देकर भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सुनिश्चित की जाएगी, जिससे निर्यातकों को नए बाजारों में प्रवेश और ब्रांड वैल्यू बढ़ाने में मदद मिलेगी।

बचत खाते की न्यूनतम राशि

नियम, कारण और बदलाव

बचत खाते में न्यूनतम राशि वह बैलेंस है जो ग्राहक को खाते में रखना होता है। यह सीमा रिज़र्व बैंक तय नहीं करती, बल्कि हर बैंक अपनी नीति के अनुसार तय करती है। परिचालन लागत, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर व आर्थिक परिस्थितियों पर बैंक इसे बदल सकते हैं। हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने बड़ी राहत देते हुए न्यूनतम बैलेंस को समाप्त किया है, जिससे ग्राहकों को पेनल्टी से छुटकारा मिला है। वहीं, निजी बैंक राशि की सीमा रखते हैं और इसे बढ़ा भी चुके हैं।

नियम और कानून

- **आरबीआई :** न्यूनतम बैलेंस पर अनिवार्य सीमा नहीं ; निर्णय बैंक का।
- **बैंक का अधिकार :** अपनी नीति के अनुसार सीमा तय करना।
- **पारदर्शिता नियम :** बदलाव से पहले लिखित/डिजिटल सूचना देना अनिवार्य।
- **पेनल्टी :** न्यूनतम सीमा से कम बैलेंस होने पर शुल्क वसूला जा सकता है।

राशि बढ़ाने के कारण

- **परिचालन लागत में वृद्धि :** शाखा, स्टाफ, मेंटेनेंस का खर्च।
- **डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश :** नेटबैंकिंग, मोबाइल ऐप, साइबर सुरक्षा।
- **मुद्रास्फीति :** रुपये की क्रय शक्ति में गिरावट आती है।
- **ग्राहक सेगमेंट बदलाव :** प्रीमियम सेवाओं के लिए बैलेंस की मांग।

ग्राहकों पर असर

- **लाभ :** बेहतर सेवाएं और सुविधाएं। लोन प्रोसेसिंग, बीमा, वेल्थ मैनेजमेंट में प्राथमिकता। बैंक की वित्तीय स्थिरता से जमा की सुरक्षा।
- **हानि :** न्यूनतम राशि न रखने पर पेनल्टी। ग्रामीण/कम आय वर्ग को असुविधा। नकदी तरलता में कमी।

बैंकों पर असर

- **लाभ :** अधिक पूंजी उपलब्धता। परिचालन लागत वसूली। लाभदायक ग्राहक प्रोफाइल।
- **हानि :** ग्राहक पलायन, सेवा सुधार न होने पर नकारात्मक छवि।

सार्वजनिक और निजी बैंक

बैंक प्रकार	न्यूनतम बैलेंस नीति	बढ़ोतरी (%)
सार्वजनिक बैंक	आवश्यकता हटाई	नील
निजी बैंक	एमएबी बढ़ाया	मेट्रो : 400%, ग्रामीण : 500%

सार्वजनिक बनाम निजी बैंक के न्यूनतम बैलेंस को लेकर मानक

सार्वजनिक बैंक : पीएम जन-धन योजना में शून्य बैलेंस खाता ; एसबीआई ने 2020 में सभी खातों के लिए न्यूनतम बैलेंस हटा दिया। केनरा बैंक ने मई 2025 में सभी बचत खातों से औसत शेष राशि की आवश्यकता समाप्त कर दी। अधिकांश पीएसबी में अब कोई पेनल्टी नहीं। **निजी बैंक :** उदाहरण के लिए आईसीआईसीआई बैंक ने नए खातों के लिए एमएबी मेट्रो क्षेत्रों में 400% और ग्रामीण में 500% बढ़ाया।

कृषि नीति को नैतिक अवधारणा की ओर बढ़ना चाहिए : कृषि सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

- **बोले- खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है भारत**

केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने शनिवार को देश की कृषि नीति में विशुद्ध उपयोगितावादी की जगह नैतिक सिद्धांतों पर आधारित दृष्टिकोण अपना कर भारत खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण स्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में चतुर्वेदी ने कहा कि भारत की हरित क्रांति उपयोगिता-केंद्रित तरीकों से प्रेरित थी, जिसमें पर्यावरण चिंताओं के स्थान पर उत्पादन को प्राथमिकता दी गई थी। जैसे-जैसे हम हरित क्रांति में आगे बढ़े, हम उपयोगितावादी अवधारणा के साथ आगे बढ़े। अब हमें उपयोगितावादी से नैतिक अवधारणा की ओर जाना होगा। चतुर्वेदी ने यह बात, उन नैतिक ढाँचों का उल्लेख करते हुए कहा जो कार्यों का मूल्यांकन केवल उनके परिणामों के बजाय नैतिक नियमों के आधार पर करते हैं। कृषि सचिव ने मौजूदा कृषि पद्धतियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या देश उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अत्यधिक कीटनाशकों, सिंचाई और भूमिगत जल का उपयोग कर रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि नीतिगत बदलावों से ऐसी सतत उत्पादन पद्धतियां सुनिश्चित होनी चाहिए जो उत्पादकता के स्तर को बनाए रखते हुए पर्यावरण की रक्षा करें। नीतिगत पहलुओं में सुनिश्चित करना होगा कि हम उपयोगितावादी में बदलाव लाएं ताकि उच्च उत्पादन व उत्पादकता के लिए ऐसी पद्धतियां अपनाएं जो न केवल सतत उत्पादन और आजीविका सुनिश्चित करें बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करें।

सेबी ने म्यूचुअल फंड वितरकों के लिए लेनदेन शुल्क किया समाप्त

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड वितरकों को दिए जाने वाले लेनदेन शुल्क को समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही वह प्रावधान भी खत्म हो गया है, जिसके तहत संपत्ति प्रबंधन कंपनियां(एएमसी) एक तय सीमा से ऊपर के निवेश पर यह शुल्क देती थीं। सेबी ने कहा कि यह निर्णय मई 2023 में सार्वजनिक परामर्श और इस वर्ष जून में उद्योग परामर्श के बाद लिया गया। पहले के नियमों के तहत, सेबी ने कहा था कि यदि वितरक किसी निवेशक से न्यूनतम 10,000 रुपये की सदस्यता राशि म्यूचुअल फंड में लाते हैं, तो वे ऐसे लेनदेन शुल्क पाने के पात्र होंगे।

रक्षाबंधन पर हुआ 17 हजार करोड़ का कारोबार: कैट

नई दिल्ली, एजेंसी

- **चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहारों की हुई बिक्री**

रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। खास बात यह रही कि बाजार में चीन के सामान नहीं दिख रहे थे।

अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ (कैट) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि शनिवार को रक्षाबंधन पर देश भर में 17 हजार करोड़ का कारोबार हुआ। इसमें लगभग चार हजार करोड़ रुपये की मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, फल एवं अन्य अनेक प्रकार के उपहार का भी व्यापार हुआ। उन्होंने कहा कि यह सारा व्यापार भारतीय वस्तुओं का ही हुआ और चीन के सामान को लेकर ग्राहक उत्साहित नजर नहीं आए वहीं, बाजार में में वह कम ही थे।

कैट शुरू करेगा अभियान

खंडेलवाल ने बताया कि कैट के नेतृत्व में देश के सभी राज्यों के व्यापारी संगठन रविवार, 10 अगस्त से देश भर में स्वदेशी वस्तुएं ही बेचने एवं खरीदने के लिए भारतीय सामान-हमारा स्वाभिमान राष्ट्रीय अभियान शुरू कर रहे हैं। साथ ही 15 अगस्त तक देश भर में तिरंगा उत्सव भी मनाएंगे, जिसके अंतर्गत दुकानों पर तिरंगे झंडे लगाए जाएंगे और बाजारों में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

राष्ट्रीय

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर किया लाठीचार्ज

आरजी कर मामला : पहली बरसी पर बंगाल सचिवालय नबान्न तक निकाले गए मार्च में हुई झड़प

कोलकाता, एजेंसी

सरकारी आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना की बरसी पर मार्च के दौरान कोलकाता और निकटवर्ती हावड़ा की सड़कों पर शनिवार को अराजकता का माहौल रहा। पुलिस की कार्रवाई में घायल हुईं पीड़िता की मां को सिर में चोट लगने से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर राज्य सचिवालय तक 'नबान्न चलो अभियान' के दौरान पुलिस-प्रदर्शनकारियों में झड़प कई चरणों में और कई स्थानों पर हुई। कोलकाता और हावड़ा में प्रदर्शनकारियों ने तीन रैलियां निकलीं। इस दौरान पुलिस ने व्यापक व्यवस्था की थी, जिसमें प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए 10 फुट ऊंचे लोहे के अवरोधक लगाए थे। हिंसा और अराजकता के ये दृश्य रक्षाबंधन के दिन देखने को मिले। दक्षिण कोलकाता में हाजरा क्रॉसिंग पर, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास से सौ मीटर की दूरी पर है, एक अलग प्रदर्शन में, मंच पर दो शोक संतप्त माताएं न्याय की मांग करते हुए एकजुट हुईं। जून में नदिया जिले के कालीगंज में उपचुनाव परिणामों के बाद टीएमसी के जश्न के दौरान फेंके बम से मारी गई 13 वर्षीय तमन्ना खातून की मां कई संगठनों द्वारा आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुईं। तमन्ना की मां सबीना ने कहा, मैं विरोध रैली का हिस्सा बनने आई हूं, क्योंकि एक मां होने के नाते मैं उस मां का दर्द महसूस कर सकती हूं, जिसे अब तक न्याय नहीं मिला, जिसकी बेटी की भी मेरी बेटी की तरह हत्या हुई। 'नबान्न' तक मार्च का आह्वान महिला डॉक्टर के माता-पिता ने किया था, जिन्होंने नागरिकों से न्याय के लिए उनके साथ शामिल होने का आग्रह किया था। इस आह्वान पर हजारों लोग मार्च में शामिल हुए। वहीं विपक्ष के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी भी विधायकों के साथ रैली में शामिल हुए। रैली में लोग हाथों में तिरंगा और अभया के लिए न्याय की मांग वाले पोस्टर लिए हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की। वहीं पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। भीड़ अवरोधक को तोड़कर सचिवालय पहुंचने के लिए विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने की कोशिश कर रही थी। उपायुक्त (पोर्ट) हरिकृष्ण पई ने कहा, पुलिस द्वारा पीड़िता के माता-पिता की पिटाई की कोई जानकारी नहीं है।

कोलकाता में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या की बरसी पर निकाले मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठी भांजती पुलिस। एजेंसी

पुलिस ने बिना उकसावे के मेरे साथ बदसलूकी की, मेरी चूड़ियां तोड़ीं : पीड़िता की मां

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने शनिवार को आरोप लगाया कि बंगाल राज्य सचिवालय नबान्न तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनसे दुर्व्यवहार किया। यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के एक साल पूरे होने पर बुलाया गया था। पीड़िता की मां ने दावा किया कि हाथापाई में उनका शंख (पारंपरिक शंख चूड़ी) टूट गया और उनके सिर में चोट पाहुंची। वे हमें इस तरह क्यों रोक रहे हैं? हम तो बस 'नबान्न' पहुंचना चाहते हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय मांगना चाहते हैं। रैली में शामिल लोगों ने महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। मृतक चिकित्सक के पिता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण रैली के लिए अदालत की अनुमति के बावजूद पुलिस ने परिवार को मार्च में शामिल होने के लिए डोरीना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की।

संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए किए अनेक प्रयास : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विश्व संस्कृत दिवस पर अपने संदेश में कहा कि उनकी सरकार ने पिछले एक दशक में इस प्राचीन भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए अनेक प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत ज्ञान और अभिव्यक्ति का एक शाश्वत स्रोत है तथा इसका प्रभाव हर क्षेत्र में देखा जा सकता है।

मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सामने रखते हुए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, इस भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए एक मिशन की शुरुआत जैसे विभिन्न उपायों का हवाला दिया।

उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों समेत कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं। लेकिन संस्कृत अब ऐसी भाषा बनकर रह गई है जो बड़े पैमाने पर धार्मिक कार्यों में ही सीमित हो गई है।

ब्रह्माकुमारी सदस्यों ने मोदी को बांधा रक्षासूत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया, जहां स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संगठन 'ब्रह्माकुमारी' की सदस्यों ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। यह त्योहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। मोदी ने इस उत्सव की वीडियो क्लिप साझा की, जिसमें युवा छात्राओं के समूह ने अपनी खुशी और भावनाओं को व्यक्त किया है। एक छात्रा ने उन्हें योद्धा और रक्षक कहकर सराहा, तो कुछ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। एक स्कूली छात्रा ने कहा कि वह मोदी अंकल के लिए मोर वाली राखी लाई है, जबकि एक अन्य ने उनकी तरह प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई। प्रधानमंत्री ने छात्रा की प्रशंसा की, जिसने कई सरकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्हें एक कविता में शामिल किया था। मोदी ने 'एक्स' पर वीडियो क्लिप पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, आज रक्षाबंधन के एक बेहद खास उत्सव की झलकियां यहां प्रस्तुत हैं।

ईसी ने नियमों के उल्लंघन पर 334 दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नियमों के उल्लंघन पर आयोग ने की पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों पर की कार्रवाई**

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शनिवार को कहा कि उसने 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटा दिया है, जो 2019 से छह साल तक एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। इन दलों के कार्यालय भी कहीं नहीं मिले।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि ये 334 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल (आरयूपीपी) देश भर के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इस कवायद के बाद कुल 2,854 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अब 2,520 ही बचे हैं। वर्तमान में, छह राष्ट्रीय दल और 67 राज्य स्तरीय दल हैं। इस साल जून में निर्वाचन आयोग ने 345 ऐसे दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की थी और अंततः 334 को सूची से हटा दिया। अधिकारियों ने बताया कि 2001 से अब तक, निर्वाचन आयोग निष्क्रिय आरयूपीपी को तीन से चार बार हटा चुका है। शीर्ष अदालत ने पहले यह कहते हुए निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द करने से रोक दिया था कि यह कानून के तहत निर्धारित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने राजनीतिक दलों को सूची से हटाने का तरीका खोज लिया है।

'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लापता उपराष्ट्रपति के बारे में नहीं : सिब्बल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ को लेकर चिंताओं को दूर करने का किया आग्रह**

पूर्व कानून मंत्री और राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाते हुए शनिवार को कहा कि उन्होंने फिल्म 'लापता लेडीज' के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने गृह मंत्री अमित शाह से धनखड़ के स्वास्थ्य और कुशलक्षेम को लेकर चिंताओं को दूर करने के लिए उनकी स्थिति और वह कहां है इस संबंध में बयान देने का आग्रह किया।

धनखड़ ने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। सिब्बल ने कहा कि 22 जुलाई को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। उस दिन से हमें नहीं पता कि वह कहां हैं। वह अपने आधिकारिक आवास में नहीं हैं। पहले दिन मैंने उनसे संपर्क करने की कोशिश की और उनके निजी सचिव ने फोन उठाया और कहा कि वह आराम कर रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि कई राजनीतिक सहयोगी भी धनखड़ से संपर्क नहीं कर पाए हैं। सिब्बल ने कहा, मैंने 'लापता लेडीज़' के बारे में तो सुना है, लेकिन 'लापता उपराष्ट्रपति' के बारे में कभी नहीं सुना। सिब्बल ने कहा कि धनखड़ उपराष्ट्रपति थे और उन्होंने पूरे कार्यकाल में सरकार का समर्थन किया, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को उनका बचाव करना होगा।

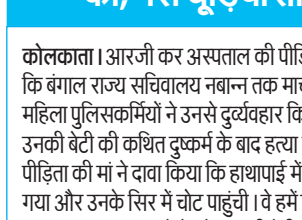

दो मालगाड़ियां पटरी से उतरीं, ट्रेन सेवाएं प्रभावित

जमशेदपुर। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में चांडिल के पास शनिवार तड़के दो मालगाड़ियों के 20 से अधिक डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दक्षिण पूर्व रेलवे के चांडिल-टाटानगर खंड के बीच ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (आद्रा मंडल) विकास कुमार ने बताया कि मालगाड़ी के पटरी से उतरने से चांडिल के आसपास ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। ट्रेन सेवा बहाल करने का काम जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। कई रेलगाड़ियों का या तो मार्ग बदल दिया गया है या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया है या रद्द कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का प्रमाण

पुणे, एजेंसी

- **डीआरडीओ अध्यक्ष ने कहा- भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता**

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) अध्यक्ष समीर कामत ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की ताकत को दर्शाता है। कामत ने डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर अत्यंत समन्वित एवं बहुआयामी अभियान ने न केवल सैनिकों के साहस को प्रदर्शित किया, बल्कि उस प्रौद्योगिकी को भी रेखांकित किया, जिसने उनका समर्थन किया। ऑपरेशन सिंदूर मिशन से कहीं अधिक था और यह आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता व स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की ताकत को प्रदर्शित करता है। ये अभियान दुनिया को संदेश था कि भारत में स्वदेशी प्रौद्योगिकी से सीमाओं की रक्षा करने की क्षमता है। सेंसर, ड्रोन व सुरक्षित संचार से लेकर एआई आधारित निर्णय लेने में सहायक प्रणाली और सटीक हथियारों तक, स्वदेशी संसाधनों ने अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रक्षा का वचन

रक्षा बंधन के अवसर पर शनिवार को अमृतसर जिले के अटारी-वाघा बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को राखी बांधतीं युवतियां। एजेंसी

देश का रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि देश का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2024-25 में 1,51 लाख करोड़ के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि गत वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ के रक्षा उत्पादन की तुलना में 18% की अभूतपूर्व वृद्धि को दर्शाती है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 2024-25 में देश का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर 1,50,590 करोड़ के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। यह गत वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ की तुलना में 18% की वृद्धि को दर्शाती है।

सीमेंट लेकर कश्मीर पहुंची पहली मालगाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर रेलवे ने शनिवार को पहली बार पंजाब के रूपनगर से कश्मीर के अनंतनाग तक सीमेंट ले जाने वाली मालगाड़ी चलाई। जो 600 किलोमीटर की यात्रा तय करके 18 घंटे में अनंतनाग पहुंची।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची मालगाड़ी कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज (नौ अगस्त) को पहली मालगाड़ी पंजाब से कश्मीर घाटी में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पहुंची, जो कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेलवे नेटवर्क द्वारा माल ढुलाई से कश्मीर घाटी में रहने वाले नागरिकों के लिए लागत कम हो जाएगी।

- कश्मीर तक मालगाड़ी पहुंचाना महत्वपूर्ण उपलब्धि : अश्विनी
- 18 घंटे में पूरी की 600 किलोमीटर की यात्रा

उत्तर रेलवे ने कहा कि मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन थे। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने कहा लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर समाप्त हुई। कहा कि सीमेंट लेकर पहली बार मालगाड़ी वहां पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र में रसद और आर्थिक विकास के एक नए दौर का समर्थन करने को लेकर रेलवे की तत्परता को रेखांकित करता है। उपाध्याय के अनुसार, इस मालगाड़ी से पहुंचाए गए सीमेंट का इस्तेमाल घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण में किया जाएगा।

कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी का पहुंचना महत्वपूर्ण मील का पत्थर : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी के आने की सराहना करते हुए कहा कि घाटी को मालगाड़ी के राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ने में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पोस्ट पर मोदी ने कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर में प्रगति और समृद्धि दोनों बढ़ेगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर में वाणिज्य और कनेक्टिविटी के लिए शानदार दिन! इससे प्रगति और समृद्धि दोनों बढ़ेगी। इससे पहले वैष्णव ने एक्स पर लिखा, कश्मीर घाटी पहुंची पहली मालगाड़ी। नए शुरू किए गए कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड में आज पंजाब से पहली मालगाड़ी पहुंची। यह कश्मीर घाटी को राष्ट्रीय माल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

ब्रीफ न्यूज

नासा अंतरिक्ष यात्री जिम लवेल का निधन

वाशिंगटन। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के कई अंतरिक्ष मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिम लवेल का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लवेल 1970 में चंद्रमा पर उतरने के अपने प्रयास को तकनीकी कारण छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे। उन्होंने अपोलो 13 मिशन का नेतृत्व किया था। नासा की विज्ञप्ति के अनुसार लवेल का 7 अगस्त को इलिनोइस के लेक फ़ॉरेस्ट में निधन हो गया।

मराठी-विरोधी टिप्पणी को लेकर मारपीट

ठाणे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने ठाणे जिले के कल्याण इलाके में फूड स्टॉल संचालक पर मराठी लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए हमला किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारी ने बताया कि कानून व्यवस्था की निगरानी बढ़ा दी गयी है।

माऊंट आबू में महसूस हुए भूकंप के झटके

माउंट आबू। राजस्थान में पर्यटन स्थल माउंट आबू में शनिवार रात नौ बजकर तीन मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माउंट आबू की पहाड़ियों से तेज आवाज आने के साथ धरती कांप उठी। करीब 30 सेकंड से अधिक समय तक धरती कांपती रही। फिलहाल कहीं से किसी तरह के जानमाल का नुकसान होने के समाचार नहीं है।

अमरनाथ गुफा पहुंची छड़ी मुबारक, यात्रा पूर्ण

श्रीनगर। केसरिया वस्त्र में लिपटी पवित्र छड़ी मुबारक को शनिवार को पारंपरिक पूजा और अनुष्ठान के लिए अमरनाथ पवित्र गुफा ले जाया गया, जिसके साथ वार्षिक तीर्थयात्रा औपचारिक रूप से संपन्न हो गई। अधिकारियों ने बताया कि 'श्रावण पूर्णिमा' के अवसर पर एक रात के विश्राम के बाद छड़ी मुबारक सुबह पंचतरणी शिविर से रवाना हुई।

नागपुर में मंदिर के द्वार का स्लैब ढहने से 17 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर के कोराडी में शनिवार को महालक्ष्मी जगदंबा देवस्थान मंदिर के निर्माणाधीन द्वार का स्लैब गिरने से 17 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। यह घटना रात आठ बजे हुई। अधिकारियों ने कहा, 17 मजदूर घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। पुलिस, दमकल विभाग और एनडीआरएफ के जवान भी घटनास्थल पर मौजूद हैं।

रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखेगा भारत

डोभाल ने रूस के उप-प्रधानमंत्री से सैन्य-तकनीकी संबंधों पर चर्चा की

मॉस्को, एजेंसी

रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात करते अजीत डोभाल।

भारत ने दोहराया है कि बाहरी दबाव के बावजूद वह सभी मोर्चों पर रूस का सहयोग जारी रखेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ मुलाकात के दौरान ये प्रतिबद्धता दोहराई दोहराई। इस दौरान द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई।

डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई।

रूसी सरकार की प्रेस सेवा ने एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने रूस और भारत के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग के सामयिक मुद्दों और नागरिक विमान, धातु विज्ञान और रासायनिक उद्योग समेत अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की।

डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी।

ट्रंप का फिर दवा- मैंने परमाणु युद्ध जैसी स्थिति को रोका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले सैन्य संघर्ष के बाद स्थिति को संभाला था। जो एक परमाणु युद्ध में बदल सकता था। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को यह भी दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान पांच या छह विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये विमान किस देश के थे, भारत या पाकिस्तान, या फिर वह दोनों देशों के कुल नुकसान की बात कर रहे थे। जबकि भारत यह कहता रहा है कि दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) ने अपनी सैन्य कार्रवाई आपसी बातचीत के जरिए रोकी थी और इसमें अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं थी। ट्रंप ने यह बयान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान की मौजूदगी में दिया। ये तीनों नेता एक त्रिपक्षीय हस्ताक्षर समारोह में शामिल थे, जहां अमेरिका की मध्यस्थता में एक शांति समझौते पर दस्तखत किए गए।

15 अगस्त को अलास्का में होगी ट्रंप-पुतिन की मुलाकात

- यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए संभावित शांति समझौते की शर्तों का पूर्वावलोकन करने के बाद अगले शुक्रवार को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे।

ट्रम्प ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा- अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित मुलाकात अगले शुक्रवार, 15 अगस्त को अलास्का में होगी।

बताया कि बैठक से जुड़ीं जानकारियां जल्द बताई जाएंगी। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि वह पुतिन से जल्द मिलकर यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति आखिरी बार जून 2021 में मिले थे। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी।

ट्रंप-पुतिन की बैठक का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने पर चर्चा के लिए अलास्का में अगले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाली शिखर वार्ता का शनिवार को स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने इसका समर्थन करते हुए कहा कि भारत इन प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी के इस निरंतर रुख को याद दिलाया कि यह युद्ध का युग नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत 15 अगस्त को अलास्का की बैठक के लिए अमेरिका-रूस के बीच बनी सहमति का स्वागत करता है। बैठक से यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने की संभावना मजबूत हो सकती है।

अमेरिका-रूस वार्ता में यूक्रेन की भागीदारी जरूरी: जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित बैठक को खारिज करते हुए शनिवार को चेताया कि अगर कोई शांति समझौता कीव को शामिल किए बिना किया गया तो यह समाधान बेमानी होगा। अलास्का में शुक्रवार को होने वाली बैठक को लेकर संभावना जताई जा रही है कि इसमें कुछ सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है। टेलीग्राम पर एक बयान में जेलेंस्की ने कहा कि संविधान में निहित यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता से कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्थायी शांति के लिए वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल किया जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन रूस को उसकी करतूतों के लिए कोई इनाम थोड़े ही देगा और यूक्रेनवासी अपने जमीन को जबरन कब्जे करने वाले को नहीं देंगे। यूक्रेन की यह चिंता है कि पुतिन और ट्रंप की बैठक से कीव और यूरोपीय हितों को नजरअंदाज किया जा सकता है। इस पर जेलेंस्की ने कहा, ''यूक्रेन को शामिल किए बिना जो भी हल निकाले जाएंगे, वे शांति के खिलाफ होंगे।

शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या माफी मांगें राहुल गांधी : ईसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस नेता के वोट चोरी के आरोपों पर निर्वाचन आयोग ने फिर जताई आपत्ति

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने शनिवार को एक बार फिर नेता प्रतिपक्ष से कहा कि या तो वह अपने दावों के समर्थन में शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर 'फर्जी' आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें।

तीन राज्यों में कथित वोट चोरी को लेकर गांधी और निर्वाचन आयोग के बीच हुई तीखी बयानबाजी के एक दिन बाद, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने फिर से कांग्रेस नेता से उनके दावों की पुष्टि के लिए हस्ताक्षरित शपथ पत्र देने पर जोर दिया। अधिकारी ने कहा, राहुल गांधी को या तो नियमों के अनुसार शपथ पत्र देना चाहिए या अपने झूठे आरोपों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। इस बीच भाजपा ने शनिवार को कहा कि यदि कांग्रेस नेता को निर्वाचन आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें नैतिक आधार पर लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा ने वोट चोरी के दावे के बारे में शपथ पत्र न देने के लिए भी गांधी पर निशाना साधा।

50% टैरिफ बड़ी गलती : बोल्टन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व एनएसए बोले- ट्रंप के कारण भारत हो रहा दूर

- कहा- गलत नीतियों के कारण चीन और रूस के करीब जा रहा भारत

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। एक साक्षात्कार में उन्होंने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को बहुत बड़ी गलती बताया। बोल्टन ने अंदेशा जताया है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त शुल्क कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है।

पूर्व ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें। बोल्टन ने कहा कि दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना बहुत बड़ी गलती है। उनके मुताबिक, 'दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने' से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे, और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है। बोल्टन ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में अमेरिकी सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। वे पिछले कुछ महीनों से ट्रम्प की नीतियों की लगातार आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि अमेरिकी सरकार बिजनेस और सुरक्षा के मुद्दों को अलग-अलग तरीके से देख रही है, जबकि भारत जैसे देशों के लिए दोनों चीजें जुड़ी हुई हैं।

वहीं, अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत हमेशा अमेरिका को शक की निगाह से देखेगा और कभी भी इन टैरिफ को नहीं भूलेगा।

आयरलैंड पुलिस ने भारतीयों को सुरक्षा का दिया आश्वासन

लंदन। आयरलैंड के पुलिस बल की विविधता इकाई ने शनिवार को कहा कि वह हाल के हफ्तों में राजधानी डबलिन और देश के अन्य हिस्सों में हुए हिंसक हमलों के मद्देनजर भारतवंशी समुदाय से बातचीत कर रही है। गार्डा नेशनल डायवर्सिटी यूनिट आयरलैंड में फेडरेशन ऑफ इंडियन कम्युनिटीज (एफआईसीआई) के साथ विचार-विमर्श कर रही है और अगले सप्ताह इस समूह द्वारा आयोजित किए जाने वाले भारतीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल होने वाली है।

आयरलैंड के राष्ट्रीय पुलिस बल एन गार्डा सिओचाना ने कहा कि भारतीय मूल के लोगों पर हमले की जांच जारी है। एन गार्डा सिओचाना ने कहा, गार्डा नेशनल डायवर्सिटी यूनिट मौजूदा चिंताओं को दूर करने के लिए आयरलैंड में भारतीयों के महासंघ के साथ बातचीत कर रही है। एफआईसीआई और आयरलैंड इंडिया काउंसिल भारत दिवस समारोह में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 12.09 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

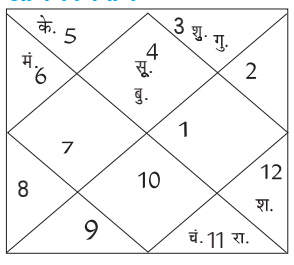

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 13.52 तत्पश्चात शतभिषा।

मेष — आज आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। प्रेम संबंधों में एक दूसरे की भावनाओं का ध्यान रखें। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा।

वृष — आज स्वजन आपका प्रोत्साहन बढ़ायेंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमन्द लोगों की मदद करेंगे। अव्यवहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ उठायें।

मिथुन — आज नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा। कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। व्यवसाय में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कर्क — आज परिवार में आपके सदगुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी और क्रोध के कारण काम रुक सकते हैं। मन में अभिनव विचार जन्म लेंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें।

सिंह — आज आप कहीं घूमने जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को ज्यादा तूल न दें। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे।

कन्या — आज घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहने वाला है। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। राजनीतिक संपर्क मजबूत होंगे। विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी।

तुला — आज आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण लोग आपसे खिन्न हो सकते हैं। अपने खानपान को संयमित रखें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनायेंगे।

वृश्चिक — आज अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके अधिकार बढ़ने के योग बन रहे हैं। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे।

धनु — आज पैतृक संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए। आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिये। प्रेमी जन के साथ संबंध मधुर रहने वाला है।

मकर — आज वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा।

कुंभ — आज अपनी दिनचर्या में बदलाव कर सकते हैं। ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में अच्छी आय बढ़ सकती है। मनोरंजक गतिविधियों की ओर आप आकर्षित रहेंगे। विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से शांति का अनुभव करेंगे।

मीन — आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। काम की उलझनों में आप फँस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

सुडोकू-65

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	5					8		2
		6			4			
	8					7	6	
	4		1		5			8
		3				9		
8			6		2		4	
	6	8					9	3
			7			2		
2		9					7	5

सुडोकू - 64 का हल

1	6	3	2	8	5	7	9	4
4	8	2	6	7	9	3	5	1
5	7	9	1	4	3	6	2	8
2	1	5	4	3	6	9	8	7
9	4	7	8	5	1	2	6	3
8	3	6	7	9	2	1	4	5
3	5	1	9	2	4	8	7	6
7	2	4	3	6	8	5	1	9
6	9	8	5	1	7	4	3	2

मुझे लगता है कि गंभीर को अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे, पर वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी।
-मैथ्यू हेडन

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 10 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मोहन बागान ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

कोलकाता : मोहन बागान सुपर जायंट्स ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मैच में डायमंड हार्बर एफसी को 5-1 से हराकर डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अनिरुद्ध थापा ने गोल कर मोहन बागान को आगे कर दिया लेकिन पांच मिनट बाद लुका माजसेन ने बराबरी का गोल दाग दिया। पर इसके बाद जेमी मैकलारेन, लिस्टन कोलाको, सहल अब्दुल समद और जेसन कमिंग्स ने गोल कर सुनिश्चित किया कि मोहन बागान ग्रुप विजेता के रूप में क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाए।

बोडोलैंड जीता, पंजाब डूरंड कप से बाहर

कोकराझार (असम) : कोलंबियाई फुटबॉलर रॉबिन्सन ब्लैंडन रेंडन के दूसरे हाफ में किए गए गोल की बदौलत बोडोलैंड एफसी ने शनिवार को यहां पंजाब एफसी को 1-0 से हराकर डूरंड कप से बाहर कर दिया। इस जीत से स्थानीय टीम टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर भी पहुंच गई। पंजाब एफसी ने ग्रुप चरण का अभियान दो मैच में चार अंकों के साथ समाप्त किया जबकि बोडोलैंड एफसी के दो मैचों में छह अंक हैं।

दीक्षा लंदन चैंपियनशिप में 10वें स्थान पर रहीं

लंदन (ब्रिटेन) : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफए लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं। अदिति ने चार बर्डी लगाई और इतनी ही बोगी कर बैठीं जबकि प्रणवी ने दो ओवर 75 के कार्ड में पांच बर्डी, तीन बोगी और दो डबल बोगी लगाई। अवनि ने 76 होल में एक बर्डी लगाई और चार बोगी कर बैठीं।

पाउला अमेरिकी ओपन से हटीं

न्यूयॉर्क : पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। वह पिछले साल अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

हरियाणा, उत्तर प्रदेश सेमीफाइनल में

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश) : हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को यहां हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

एरिगेसी तीसरे दौर के बाद दूसरे स्थान पर

चेन्नई : भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन को हराकर क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स के तीसरे दौर के बाद अकेले दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि अमेरिकी ग्रैंडमास्टर रे रॉबसन शीर्ष पर काबिज हैं। मास्टर्स वर्ग में राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में छह दौर और बाकी हैं। पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी के 2.5 अंक हैं जबकि कीमर क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट में कार्तिकेयन मुरली के खिलाफ एक और जीत हासिल करने के बाद तीन अंक के परफेक्ट स्कोर के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

अंतिम टेस्ट मैच से पहले पिच पर क्या कर रहे थे क्यूरेटर

गंभीर से हुई थी तीखी बहस, हेडन बोले- इंग्लैंड में क्यूरेटरों का दबदबा आम

मेलबर्न, एजेंसी

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे। हालांकि क्यूरेटर पिच पर ऐसा क्या कर रहे थे, जिससे बहस की नौबत आई।

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए। हेडन ने ऑल ओवर बार द क्रिकेट कार्यक्रम में कहा वे (क्यूरेटर) पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे। हेडन ने कहा पर मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी। चौथे टेस्ट के बाद इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा था और भारत को पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी को ड्रॉ कराने के लिए जीत की दरकार थी। भारत ने आखिर में यह मैच जीत कर श्रृंखला बराबर की थी। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक के अनुसार, यह बहस तब शुरू हुई जब फोर्टिस ने भारतीय कोचिंग स्टाफ को मुख्य पिच से 2.5 मीटर दूर रहने को कहा, जबकि उन्होंने कील वाले जूते नहीं पहन रखे थे। गंभीर ने तब जवाब दिया था आप हममें से किसी को यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना है। आपको हमें बताने का कोई अधिकार नहीं है। आप सिर्फ एक मैदानकर्मी हैं, इससे ज्यादा कुछ भी नहीं।

ओवल में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और क्यूरेटर के बीच बहस का दृश्य। एजेंसी (फाइल फोटो)

फिट होने के लिए रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं वोक्स

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस साल के अंत में होने वाली एशेज श्रृंखला तक फिट होने के लिए कंधे की सर्जरी कराने के बजाय रिहैबिलिटेशन का विकल्प चुन सकते हैं। वोक्स भारत के खिलाफ ओवल में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे पर चोट लगी थी। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी का स्कैन हो चुका है और वह नतीजों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि आठ सप्ताह का रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम उन्हें 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए तैयार कर सकता है। वोक्स ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा मैं यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि चोट कितनी गंभीर है लेकिन मुझे लगता है कि विकल्प सर्जरी या रिहैबिलिटेशन हो सकता है। मैं मानता हूं कि यह चोट मुझे दोबारा परेशान कर सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक ऐसा जोखिम हो सकता है जिसे आप लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मैंने फिजियो और विशेषज्ञों से जो सुना है, उसके अनुसार सर्जरी के बाद फिट होने में लगभग चार महीने या तीन से चार महीने लगेंगे। जाहिर है, यह एशेज और ऑस्ट्रेलिया से जुड़ा है, इसलिए यह मुश्किल है। रिहैबिलिटेशन में आठ सप्ताह का समय लगेगा इसलिए यह एक विकल्प हो सकता है लेकिन मैं कोई भी फैसला रिपोर्ट आने के बाद करूंगा।

ऑस्ट्रेलिया ए ने महिला टी20 में भारत ए को हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया) : तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही। उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई। हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और उनकी सलामी जोड़ीदार उमा छेत्री के विकेट तब गंवा दिए जब टीम का स्कोर केवल तीन रन था। भारत इससे उबर नहीं पाया और उसे बड़ी हार का सामना करना पडा। भारत की केवल दो खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच सकीं, जिनमें वृंदा दिनेश और मिन्नू ने क्रमशः 21 और 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ए की तेज़ गेंदबाज गार्थ ने तीन ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए।

जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को पारी और 359 रनों से रौंदा

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

- रिकॉर्ड बनाने के साथ 2-0 से जीती श्रृंखला

न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में 117 रन पर सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने पहली पारी तीन विकेट पर 601 रन पर घोषित की थी और जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाए थे। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलक्स ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अपने यादगार पदार्पण टेस्ट में 10 विकेट लेने से एक विकेट से चूक गए। लेकिन फिर भी फाउलक्स का मैच 75 रन देकर नौ विकेट झटकने का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा और उन्होंने पिछले साल हैमिल्टन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विल ओरूर्के के एक मैच में 93 रन देकर नौ विकेट लेने के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया। तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी जिसमें रचिन रविंद्र (165) और हेनरी निकोल्स (150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का सर्वोच्च स्कोर है।

टी20 विश्व कप में हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

मिचेल मार्श।

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने कहा- हेड के साथ हमारे बीच है बहुत अच्छा तालमेल

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

अब टी-20 टीम की कमान संभाल रहे इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच मैचों में पारी का आगाज करने के बाद शीर्ष क्रम में बने रहेंगे। कैरेबियाई दौरे से पहले उन्होंने ऐसा सिर्फ एक बार किया था। मार्श ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा निकट भविष्य में मैं और हेडी पारी की शुरुआत करेंगे। हम दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी क्रिकेट खेली है और हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। हालांकि मार्श और हेड ने अभी तक टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में एक साथ पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन वनडे जोड़ी के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है। पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद डेविड वार्नर के संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई सलामी बल्लेबाजों को आजमाया है।

पाकिस्तान ने वनडे में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

टारूबा (त्रिनिदाद) : हसन नवाज की नाबाद 63 रन की पारी की मदद से पाकिस्तान ने पहले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 280 रन बनाए। पाकिस्तान ने इसके जवाब में 48.5 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन बनाकर जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में खेली गई टी-20 सीरीज 2-1 से जीती थी। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और तीन छक्के लगाए। उनके अलावा पाकिस्तान की तरफ से कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 53, बाबर आजम ने 47 और हुसैन तलत ने नाबाद 41 रन का योगदान दिया। इससे पहले, वेस्टइंडीज के लिए एविन लुईस (60), कप्तान शाई होप (55) और रोस्टन चेज़ (53) ने अर्धशतक जमाए। पाकिस्तान की तरफ से अफरीदी ने 51 रन देकर चार और नसीम शाह ने 55 रन देकर तीन विकेट लिए।

बुधियाल ने सर्फिंग में रचा इतिहास

चेन्नई, एजेंसी

एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल। एजेंसी

शीर्ष भारतीय सर्फर रमेश बुदिहाल ने महाबलीपुरम में आयोजित एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में पहुंचने वाला पहला भारतीय बनकर इतिहास रच दिया। इस स्पर्धा के छठे दिन शानदार प्रदर्शन, असाधारण प्रदर्शन और एक ऐसा क्षण देखने को मिला जो भारत के खेल इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो जाएगा।

कल चार भारतीय सर्फरों के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के अभूतपूर्व प्रदर्शन के बाद, आज सभी की निगाहें महाबलीपुरम के प्रसिद्ध राइट-हैंड पॉइंट ब्रेक पर थीं क्योंकि प्रतियोगिता निर्णायक नॉकआउट चरणों में प्रवेश कर गई। ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल, ओपन महिला सेमीफाइनल, अंडर-18 लड़कों के क्वार्टरफाइनल और अंडर-18 लड़कियों के क्वार्टरफाइनल जैसे प्रमुख हीट के साथ, यह दिन नॉकआउट मुकाबलों, उच्च दबाव वाले प्रदर्शनों और इतिहास रचने वाले क्षणों से भरा रहा। टीम इंडिया ने ओपन पुरुष क्वार्टरफाइनल में तीन सर्फरों के साथ दिन की शुरुआत की और यह एक ऐसा दिन बन गया जो भारतीय सर्फिंग इतिहास में दर्ज हो जाएगा।

भारत के शीर्ष सर्फर, रमेश बुदिहाल ने क्वार्टरफाइनल हीट 1 में दबाव में लहरों के चयन और संयम का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और नील सांचेज (पीएचएल) - 12.80 को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में आगे बढ़ते हुए, रमेश ने एक सटीक समय पर, उच्च स्कोरिंग प्रदर्शन के साथ अपनी गति बनाए रखी जिससे उन्हें एक तनावपूर्ण हीट में दूसरा स्थान मिला और उन्होंने फाइनल में जगह पक्की कर ली - किसी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे पहले भारतीय सर्फर बन गए। भारत के किशोर कुमार (10.50) ने क्वार्टरफाइनल हीट 4 में कड़ी टक्कर दी, जिसमें उन्होंने कठिन मोड़ और महत्वपूर्ण चालें चलीं।

10 भारतीय मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई

अंडर-19 एशियाई चैंपियनशिप

बैंकॉक, एजेंसी

सात महिलाओं सहित दस भारतीय मुक्केबाज शुक्रवार को बैंकॉक, थाईलैंड में चल रही अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला मुक्केबाज निशा (54 किग्रा), मुस्कान (57 किग्रा), विनी (60 किग्रा), निशा (65 किग्रा), आरती कुमारी (75 किग्रा), पार्ची टोकस (80+ किग्रा) के साथ-साथ पुरुषों की स्पर्धा में मौसम सुहाग (65 किग्रा), राहुल कुंडू (75 किग्रा) और हेमंत सांगवान (90 किग्रा) फाइनल में पहुंच गए हैं। कृतिका (80 किग्रा) को सीधे फाइनल में प्रवेश मिला है।

अंडर-19 और अंडर-22 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप, जो एक साथ आयोजित की जा रही हैं, जो भारत के उभरते सितारों को एशिया के कुछ सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करती हैं। भारत ने 40 मुक्केबाजों का एक मजबूत दल उतारा है - प्रत्येक आयु वर्ग में 20 - जिसमें सिद्ध चैंपियन और घरेलू सर्किट में प्रभावित करने वाली संभावित प्रतिभाओं का एक बेहतरीन मिश्रण है। भारत ने अंडर-22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें पांच मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। 54 किग्रा सेमीफाइनल में, निशा ने जापान की हिमारी वतनबे पर पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए 5:0 से जीत हासिल की।

फुटबॉल महासंघ रेफरियों के अनुबंध का नवीनीकरण करेगा

नई दिल्ली : आगामी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र के भविष्य को लेकर अनिश्चितता से जूझ रहे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को अपने रेफरियों को आश्वासन दिया कि उनके अनुबंध स्थापित प्रक्रिया के अनुसार नवीनीकृत किए जाएंगे।

एआईएफएफ ने कहा कि उसे पांच अगस्त को नौ रेफरियों का एक संयुक्त पत्र मिला जिसमें 31 अगस्त को समाप्त होने वाले उनके पेशेवर मैच आधिकारिक अनुबंधों को बढ़ाने का अनुरोध किया गया था। एआईएफएफ ने नोटिस में कहा एआईएफएफ यह आश्वासन देना चाहता है कि इन अनुबंधों का नवीनीकरण स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार किया जाएगा जो एलीट रेफरी विकास कार्यक्रम की मौजूदा प्रक्रिया के अधीन होगा। महासंघ ने कहा, एआईएफएफ सभी पक्षों से शांत रहने का आग्रह करता है क्योंकि प्रतियोगिताएं चल रही हैं।

प्रतिस्पर्धा | भारत के अन्य कंपाउंड तीरंदाजों ने किया निराशाजनक प्रदर्शन

विश्व खेल में ऋषभ यादव ने जीता कांस्य पदक

चेंगदू (चीन), एजेंसी

ऋषभ यादव।

युवा ऋषभ यादव के कांस्य पदक को छोड़कर भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों के लिए विश्व खेलों में शनिवार का दिन निराशाजनक रहा जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम शुरुआती दौर में ही हार गई।

कोई भी महिला तीरंदाज पोडियम तक नहीं पहुंच सकी। 10वीं वरीयता प्राप्त यादव ने पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड कांस्य पदक मैच में अपने सीनियर साथी और कई विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता अभिषेक वर्मा को 149-147 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। सेमीफाइनल में यादव को अमेरिकी कर्टिस ली ब्रॉडनेक्स से 145-147 से हार का सामना करना पड़ा था जबकि वर्मा को नीदरलैंड के शीर्ष वरीय माइक श्लोएसर से 145-148 से हार मिली थी। महिला व्यक्तिगत कंपाउंड वर्ग में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गई। 12वीं वरीय परनीत कौर को कोलंबिया की चौथी वरीय अलेजांद्रा उस्क्विआनो से 140-145 से हार मिली जबकि तीसरी वरीय मधुरा धामनगांवकर को एस्टोनिया की छठी वरीय लिसेल जाटमा से 145-149 से पराजय का सामना करना पड़ा।

भारतीय दल को सबसे बड़ी निराशा मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में हुई। क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष पर रहने के बाद वर्मा और मधुरा की भारतीय जोड़ी प्रबल दावेदार दिख रही थी लेकिन पहले ही दौर में अपनी चिर-प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया से हार गई।

भारतीय जोड़ी मून यिउन और ली यून्हो से 151-154 से पराजित हो गई। इस शिकस्त से भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

मिश्रित स्पर्धा का परिणाम रहा चिंताजनक

- मिश्रित स्पर्धा का यह परिणाम विशेष रूप से चिंताजनक था क्योंकि आठ टीमों के ड्रॉ में पदक हासिल करने के लिए केवल दो जीत की जरूरत थी। मिश्रित कंपाउंड टीम स्पर्धा लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में पदार्पण करने वाली है। ऐसे में इस शुरुआती हार ने दबाव से निपटने की समस्याओं और रणनीतिक कमियों को उजागर कर दिया है जो शीर्ष स्तर पर भारतीय तीरंदाजों की समस्या रही हैं। डेनमार्क के मैथियास फुलर्टन और सोफी लुईस डैम मार्कुसेन ने मेक्सिको को 156-155 से हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम का खिताब जीत लिया।